ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस के लिए कोई भी अपरिहार्य नहीं @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 25 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-291

पीएम मोदी ने की समस्तीपुर में चुनाव अभियान की शुरुआत, बोले

बिहार में एनडीए इस बार नीतीश के नेतृत्व में जीत के सभी पुराने रेकॉर्ड तोड़ देगा

समस्तीपुर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत समस्तीपुर जिले में स्थित जननायक कर्पूरी ठाकुर के पैतृक ग्राम से करते हुए कहा कि एनडीए इस बार नीतीश कुमार के नेतृत्व में जीत के सभी पुराने रेकॉर्ड तोड़ देगा।

श्री मोदी ने इस अवसर पर सभी मतदाताओ से आग्रह किया कि बिहार में विकास कार्यो को आगे बढ़ाने और प्रदेश को विकसित राज्यो की श्रेणी में लाने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करें। उन्होनें मतदाताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल यूनाइटेड (जदयू), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम),लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो), जिसका भी उम्मीदवार इलाके में चुनाव लड़

रहा हो उसे प्रचंड मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अपने बूथ की निगरानी करें, मतदाताओ की उत्साहित करें कि मतदान केन्द्र तक पहुंचे और मतदान करें। उन्होंने कहा कि बूथ जीतेंगे तभी चुनाव जीतेंगे।

इससे पहले बिहार में अपने चुनावी अभियान का शंखनाद करने प्रधानमंत्री मोदी समस्तीपुर पहुंचे और पिछड़ी तथा अतिपिछड़ी जातियाॅ के पुरोधा कहे जाने वाले भारतरत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के गांव जाकर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया। अपने भव्य स्वागत से अभिभूत श्री मोदी कर्पूरी ग्राम के उन अवशेषों के दर्शन को भी गये जहां जननायक की स्मृतियां छुपी हुई हैं।

इस मौके पर जनता को संबोधित करते हुये उन्होंने मिथिला की पावन धरती को प्रणाम किया और कहा कि इस भीड़ को देख कर अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि दीवाली के दो दिन बाद इतनी भीड़ वह गुजरात मे भी नही जुटा पाते। उन्होंने कहा कि भीड़ देख कर उन्हें महसूस हो रहा है कि राजग की कितनी प्रचंड जीत होने वाली है। उन्होंने उपस्थित जनता और बिहारवासियों को छठ पूजा की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और कहा कि पर्व के समय लोगो को जीएसटी में घटी हुई दरों से खरीदारी का आनंद मिल रहा होगा।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में जननायक कर्पूरी ठाकुर को याद किया और कहा कि यह उन्ही जैसे महान नेताओ का प्रयास था कि आज उनके , नीतीश कुनार, रामनाथ ठाकुर जैसे पिछड़े परिवार से निकले पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के लोग सम्मान की जिंदगी जी रहे हैं और उन्हें बड़े पदों, बड़े मंचो पर बैठने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने जननायक की उपेक्षा की लेकिन उनकी सरकार को उन्हें भारत रत्न देने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अगड़ी जाति के गरीबो को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया और पिछड़ी तथा अतिपिछड़ी जाति के आरक्षण को 10 साल के लिए आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि श्री ठाकुर ने लगातार इस बात की कोशिश करते रहे कि गरीब, शोषित और वंचित समाज की मुख्य धारा से जुड़ें और उनके बताए हुए रास्ते उन लोगों के लिए प्रकाश पुंज हैं जो समाज के निचले स्तर पर बैठे लोगों के लिए काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और राजग सरकार ने मुफ्त अनाज, शौचालय, मुफ्त इलाज, गरीबों के लिए पक्का मकान, नल से जल और उनके लिए सम्मान से जीने के जो साधन जुटाए हैं, उनके पीछे कहीं न कहीं कर्पूरी ठाकुर के सपनो का समाज है।

श्री मोदी ने कहा कि पहले डॉक्टरी की पढ़ाई में पिछडों/अतिपिछड़ों को आरक्षण नही था लेकिन उनकी सरकार ने इसका प्रावधान किया। उन्होंने कहा कि ओबीसी कमीशन को संवैधानिक दर्जा देने की मांग भी राजग सरकार ने ही पूरा किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर भारतीय भाषाओं में शिक्षा देने के हिमायती थी। उनका मानना था कि ऐसा होने से गरीब के बच्चे भी शिक्षित होंगे। उन्होंने कहा कि राजग की नई शिक्षा नीति भी उन्ही के आदर्शों से प्रेरित है।

श्री मोदी ने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद के लोग क्या कहते हैं और क्या करते हैं यह बताने जी जरूरत नही है।

▶10पर

रोजगार मेले में पीएम मोदी से नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं में खुशी की लहर

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुक्रवार को रोजगार मेले में 51,000 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। नियुक्ति पत्र मिलने पर युवाओं ने खुशी जताई। खान मंत्रालय में जियोसाइंटिस्ट के रूप में शामिल हुए भीम चंद गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नियुक्ति पत्र मिलना गर्व का विषय है। किसी भी देश को अपना डेमोग्राफिक डिविडेंड का फायदा उठाना बहुत जरूरी है। भारत की वर्किंग आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है। ऐसे रोजगार मेले इसका फायदा उठाने में मदद करते हैं। इससे विकसित भारत विजन को साकार करने में मदद मिलेगी। दिल्ली पुलिस में असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (स्टेनोग्राफर) का नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले विनय फलवारिया ने कहा कि आज मेरे लिए बहुत खुशी का दिन है। प्रधानमंत्री ने हमें यह मौका दिया है। इससे आने वाली युवा पीढ़ी भी प्रोत्साहित होगी। सभी परिवार, गुरुजन और अन्य सभी काफी खुश हैं। वहीं, एनटीआरटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति पत्र करने वाले मनीष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री की ▶10पर

कर्नूल में भयावह सड़क हादसा

बस में आग लगने से 20 की जलकर मौत

कर्नूल हादसे में जनहानि पर पूरे राज्य में शोक की लहर

मृतकों की पहचान डीएनए जांच से होगी

कर्नूल (आंध्र प्रदेश), 24 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में शुक्रवार तड़के हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बैंगलुरू जा रही एक निजी बस में आग लगने से 19 यात्रियों और एक मोटरसाइकिल सवार की जलकर मौत हो गई।

डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल कोया प्रवीण के अनुसार, यह भीषण हादसा उस समय हुआ जब वेमुरी कावेरी ट्रैवल्स की बस सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल से टकरा गई। टक्कर के बाद बाइक बस के नीचे फंस गई, जिससे उसका फ्यूल टैंक फट गया और पेट्रोल लीक होकर बस में आग लग गई। देखते ही देखते बस आग के गोले में तब्दील हो गई।

यह हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर चिंतिकुरु गांव के पास हुआ। बस में सवार यात्री उस समय गहरी नींद में थे। आग लगने से पहले वे कुछ समझ पाते, लपटों ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ यात्रियों ने शीशे तोड़कर किसी तरह अपनी जान बचाई, लेकिन कई लोग बाहर नहीं निकल पाए। मोटरसाइकिल सवार शिवा शंकर (22) की भी मौके पर ही मौत हो गई।

गृह मंत्री वंगालपुड़ी अनीता ने बताया कि हादसे के समय बस के स्लीपर कोच में कुल 44 लोग सवार थे – जिनमें 39 वयस्क, 4 बच्चे और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल थे। इनमें से 25 यात्री घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। 12 को चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई, जिनमें से 6 को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि 5 यात्रियों को सिर और हड्डी में चोटें आईं और वे इलाजरत हैं।

सभी 19 शव इतनी बुरी तरह जल चुके थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके पर ही टेंट लगाकर शवों का पंचनामा और पोस्टमार्टम किया।

इस हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्य – गोला रमेश (35), उनकी पत्नी जी. अनुषा (30), बेटी मन्विता (10) और बेटा मनीश (12) – जलकर मौत के शिकार हो गए। वहीं, दो युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर – गन्नामनेनी धात्री (27) और अनुषा (24) – की भी मौके पर ही मौत हो गई।

बस की बुकिंग चार्ट के अनुसार, 42 सीटों वाली कावेरी ट्रैवल्स बस में 40 यात्री, दो चालक और एक क्लीनर सवार थे। हालांकि बस का परमिट 5 अप्रैल 2028 तक वैध था, लेकिन फिटनेस वैधता 31 मार्च 2025 को समाप्त हो चुकी थी। इंश्योरेंस 20 अप्रैल 2024 और टैक्स 31 मार्च 2024 को खत्म हो चुके थे।

▶10पर

मृतकों के परिजनों को तेलंगाना सरकार देगी 5 लाख की आर्थिक सहायता, घायलों को 2 लाख रुपए

हैदराबाद, 24 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने शुक्रवार को कर्नूल बस हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को प्रत्येक को 5 लाख रुपये और घायलों को प्रत्येक को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर यह सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार तेलंगाना सरकार कर्नूल बस दुर्घटना में मृतकों के परिवारों को 5 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये की सहायता देगी। मंत्री पोन्नम ने बताया कि घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी घायल को इलाज के लिए किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। ▶10पर

लालू यादव के जंगलराज में शहाबुद्दीन का खौफ सिवान ने अत्याचार को सहा है : अमित शाह

सिवान, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को बिहार विधानसभा के चुनाव प्रचार अभियान में उतरे। उन्होंने सिवान में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राजद के शासनकाल को जंगलराज बताया। उन्होंने कहा कि कई वर्षों तक लालू यादव और राबड़ी देवी के जंगलराज में शहाबुद्दीन का खौफ, अत्याचार, और हत्याएं, ये सब सिवान ने सहा है। उस दौर में सिवान की भूमि लहूलुहान हो गई, मगर सिवानवासियों ने झुकने का नाम नहीं लिया। अमित शाह ने सिवान के कइलगढ़ मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार विधानसभा चुनाव का माहौल गर्मा दिया। उन्होंने मंच से सिवान की आठों विधानसभा के एनडीए प्रत्याशियों की जीत का आह्वान करते हुए कहा कि बिहार को एक बार फिर विकास और सुरक्षा की दिशा में आगे बढ़ाना है। अमित शाह ने संबोधन की शुरुआत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने कभी आतंक के आगे सिर नहीं झुकाया।

शाह ने सिवान में अतीत के आतंक के दौर का जिक्र करते हुए शहाबुद्दीन के शासनकाल में हुए तेजाब कांड और निर्दोष लोगों की हत्याओं को याद किया। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि ऐसे लोगों को दोबारा मौका मत दीजिए जो सिवान ▶10पर

ऑल इज नॉट वेल इन यूएन

जयशंकर ने यूएन सदस्यों पर आतंकी समूहों को बचाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

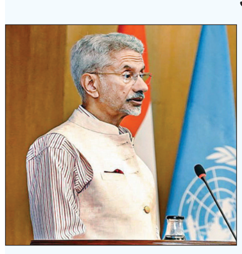

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इस मौके पर भारत की राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपना संबोधन दिया। संबोधन के दौरान उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्यों पर आतंकी समूहों को बचाने का आरोप लगाया। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, हमें यह मानना होगा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है। उसके फैसले लेने का तरीका न तो उसके सभी सदस्य देशों की सही नुमाइंदगी करता है और न ही वह दुनिया की मुख्य जरूरतों पर ध्यान दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर पर रुका हुआ दिख रहा है। आतंकवाद के प्रति इसकी प्रतिक्रिया विश्वसनीयता की कमियों को उजागर करती है, और वैश्विक दक्षिण में विकास धीमा पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस उल्लेखनीय वर्षगांठ पर हमें आशा नहीं छोड़नी चाहिए। बहुपक्षवाद के प्रति प्रतिबद्धता, चाहे कितनी भी त्रुटिपूर्ण क्यों न हो, मजबूत बनी रहनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र का समर्थन किया जाना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में हमारे विश्वास को नवीनीकृत किया जाना चाहिए। ▶10पर

त्यौहारों पर दिल्ली को दहलना चाहते थे आतंकी

दिल्ली और भोपाल से आईएसआईएस के दो संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

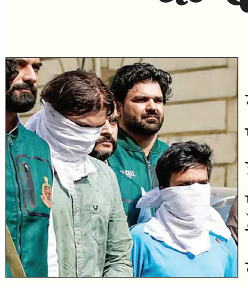

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए आईएसआईएस से जुड़े एक इंटरस्टेट मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। दिल्ली और मध्य प्रदेश के भोपाल में एक साथ हुई छापेमारी में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह मॉड्यूल आगामी त्योहारों के दौरान दिल्ली में भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतंकी हमला करने की योजना बना रहा था। पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सादिक नगर, दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और करोंद, भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। यह कार्रवाई स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त अमित कौशिक की देखरेख में की। उन्होंने बताया कि दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान ने पूछताछ में खुलासा किया कि उसने आईएसआईएस के मौजूदा खलीफा अबू हफ्स अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति बैयत (निष्ठा की शपथ) ली थी। यह शपथ उसने सीरिया स्थित आईएसआईएस हैंडलर अबू इब्राहिम अल-कुरैशी के निर्देश पर ली थी और इसका वीडियो आईएसआईएस की पोशाक में रिकॉर्ड कर भेजा गया था। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 23^0

धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में पहली बार राज्यसभा चुनाव में

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जीती 3 सीटें, भाजपा का एक पर कब्जा

श्रीनगर, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने और राज्य के केंद्र शासित प्रदेश में पुनर्गठन के बाद हुए पहले राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस ने तीन सीटों पर जीत हासिल की, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने शेष एक सीट पर कब्जा जमाया।

एनसी का मुकाबला बीजेपी से सीधे तौर पर था, जबकि सजाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने मतदान से दूर रहने का फैसला किया। कुल 87 वोट डाले गए, जबकि विधानसभा की वर्तमान

सदस्य संख्या 88 है। सजाद लोन ही ऐसे सदस्य थे जिन्होंने मतदान में भाग नहीं लिया।

पहले अधिसूचना पर एनसी के उम्मीदवार और पूर्व मंत्री चौधरी मोहम्मद रमज़ान ने 58 वोट पाकर जीत हासिल की, जबकि बीजेपी के प्रत्याशी को 28 वोट मिले। एनसी के दूसरे उम्मीदवार और पूर्व राज्य मंत्री सज्जाद किचलू ने 56 वोट प्राप्त कर राज्यसभा की दूसरी सीट जीती। वहीं, एनसी के कोषाध्यक्ष गुरविंदर सिंह (जिन्हें शम्मी ओबेरॉय के नाम से भी जाना जाता है) ने तीसरी सीट पर जीत दर्ज की।

बीजेपी जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष सतपाल शर्मा ने चौथी सीट जीती, उन्हें 32 वोट मिले, जबकि एनसी के इमरान नबी डार को 22 वोट प्राप्त हुए। गौरतलब है कि बीजेपी के पास विधानसभा में केवल 28 सदस्य हैं, जबकि उन्हें 32 वोट मिले – इससे संकेत मिलता है कि कम से कम चार सदस्यों ने क्रॉस वोटिंग की है।

राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने एनसी का समर्थन करने का ऐलान किया था, हालांकि एनसी के हालिया राजनीतिक रुख पर कुछ असंतोष बना हुआ था। जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटें फरवरी 2021 से खाली थीं, जब गुलाम नबी आज़ाद और नज़ीर अहमद लवाय का कार्यकाल 15 फरवरी को समाप्त हुआ था। फैयाज़ अहमद मीर और शमशेर सिंह मनहास का ▶10पर

भारत-चीन के बीच सीधी फ्लाइट रविवार से

बीजिंग, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और चीन के बीच रविवार से शुरू होने जा रही सीधी फ्लाइट को बीजिंग ने दोनों देशों के बीच दोस्ती की नई उड़ान करार दिया है। चीन ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखने को तैयार है। भारत-चीन के बीच उड़ानों की बहाली 28 अरब से अधिक जनसंख्या वाले दोनों देशों के बीच मित्रतापूर्ण आदान-प्रदान को बढ़ावा देने का एक सकारात्मक उपाय है। भारत ने 2 अक्टूबर को घोषणा की थी कि 26 से चीन के लिए सीधी उड़ानें फिर शुरू होंगी। इसके बाद, इंडिगो ने बताया कि वह 26 अक्टूबर से कोलकाता-गुआंगझोउ और 10 नवंबर से दिल्ली-गुआंगझोउ उड़ानें फिर शुरू करने जा रहा है। चीनी एयरलाइन चाइना ईस्टर्न ने घोषणा की कि वह 9 नवंबर से शंघाई-दिल्ली उड़ानें फिर शुरू करेगी। रविवार से पांच साल के अंतराल के बाद उड़ानों की ▶10पर

शुभ लाभ DAILY

दीक्षार्थी शीतल सोलंकी का अभिनंदन समारोह सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी उपासना ने अपने प्रवचन में कहा- जैन धर्म में भैया दूज का विशेष महत्व है। यह पर्व भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के पश्चात् उनके भाई नंदीवर्धन और बहन सुदर्शना से जुड़ी पवित्र कथा की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भैया दूज केवल भाई-बहन के स्नेह का उत्सव नहीं, बल्कि आत्म-कल्याण और कर्तव्य पालन का प्रतीक भी है।

उन्होंने भगवान महावीर के निर्वाण के उपरांत नंदीवर्धन के गहन शोक और बहन सुदर्शना द्वारा दिए गए धर्मज्ञान का प्रसंग सुनाया जब सुदर्शना ने अपने भाई को समता, शांति और धर्ममार्ग की ओर प्रेरित किया, तभी इस पर्व की सार्थकता प्रारंभ हुई। साध्वी उपासना ने कहा कि यह पर्व हमें परिवार और धर्म दोनों के प्रति उत्तरदायित्व की याद दिलाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और समृद्धि की प्रार्थना करती हैं तथा उनके मस्तक पर तिलक लगाकर शुभाशीष देती हैं। बदले में भाई अपनी बहनों को स्नेह और उपहार अर्पित करते हैं।

इस अवसर पर त्रिशला बहु मंडल की सदस्याओं ने पाँच-पाँच सामायिक की आराधना की। कार्यक्रम में मुमुक्षु शीतल सोलंकी का संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। उनकी दीक्षा आगामी 22 फ़रवरी 2026 को कमोल गाँव (उदयपुर) में जैन दिवाकरिय दक्षिण चंद्रिका साध्वी डॉ. संयमलताजी के सान्निध्य में घोषित है।

मुमुक्षु शीतल ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा - अपनी आत्मा को पवित्र बनाने का सर्वश्रेष्ठ मार्ग दीक्षा है और इस मार्ग पर मैं आप सभी के आशीर्वाद से आगे बढ़ रही हूँ। उन्होंने सभी से दीक्षा में पधारने का निवेदन किया।

साध्वी नंदिनी ने कहा दीक्षार्थी वह आत्मा है जिसने संसार से विरक्ति का भाव जागृत कर लिया है और जिसने यह निश्चय किया है कि अब जीवन का उद्देश्य केवल आत्मकल्याण है।

दीक्षार्थी संसार में रहते हुए भी संसार से परे होता है। वह भौतिक वस्तुओं से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक लक्ष्य से जुड़ा होता है। भौतिकता को छोड़ आध्यात्मिकता की ओर अपने कदम बढ़ा रही है।

दीक्षार्थी बनने के लिए केवल वेश या परिवार त्याग पर्याप्त नहीं होता, बल्कि मन, वचन और काया की पवित्रता - तीनों की साधना आवश्यक होती है।

संघ के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा के पदाधिकारियों सदस्यों ने मुमुक्षु शीतल सोलंकी का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर संघ उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, राकेश दलाल, महावीर धोका, जंबूकुमार दुगड़, ज्ञानचंद लोढ़ा, किशोरकुमार दलाल, पन्नालाल कोठारी, महेंद्रकुमार धोका, महावीरचंद डोसी, नेमीचंद बाबेल, महिला अध्यक्ष सुशीला बाई बोहरा , मंत्री रेखा पोखरना, बहू मंडल अध्यक्ष नीतू लुंकड़, सीमा बोहरा, ममता बागरेचा, हेमा चाणोदिया, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, मंत्री नमित कोठारी, मनीष बोहरा सहित सभी पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति रही। आभार अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने दिया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

संयम और समता से ही जीवन में प्रसन्नता का उदय होता है : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के विल्सनगार्डन जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री ने प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब मनुष्य अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण रखकर जीवन में संयम और समता को अपनाता है, तभी वह वास्तविक सुख का अनुभव करता है।

बाहरी सुख क्षणिक हैं, किंतु आत्मिक सुख शाश्वत होता है। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य अपने सुख की खोज बाह्य वस्तुओं में कर रहा है, जबकि सच्चा सुख आत्मा के भीतर निहित है।

प्रभु महावीर का संदेश केवल तप या त्याग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्म-जागरण का मार्ग है। जब मनुष्य अपने भीतर के कषायों को समाप्त करता है, तब आत्मा में ज्ञान का प्रकाश फैलता है।

सुख-दुःख, लाभ-हानि, जय-पराजय में जो समान रहता है, वही सच्चा साधक है। हर जीव में परमात्मा बनने की क्षमता है। प्रभु महावीर ने अपने आचरण से हमें यही सिखाया कि कोई भी जन्म, जाति या परिस्थिति मोक्ष में बाधक नहीं है, यदि मन शुद्ध हो तो हर आत्मा मुक्त हो सकती है। जैसे दीपक अंधकार को मिटाता है, वैसे ही संयम जीवन के अंधकार को दूर करता है।

साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि आज का समय आत्म-संयम का अभ्यास करने का है। हमारी वाणी, दृष्टि और विचार यदि निर्मल हो जाएँ तो परिवार और समाज दोनों में सौहार्द का वातावरण बनेगा। अहिंसा, समता और सत्य तीन ऐसे रत्न हैं, जिनसे आत्मा का सौंदर्य प्रकट होता है। समता धर्म का सार है। चेयरमैन मिठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। मंत्री सज्जनराज बोहरा ने संचालन किया।

उत्तर कर्नाटक को रेलवे की सौगात

प्रस्तावित बेंगलूरु-मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस अब हुब्बली धारवाड़ मार्ग से होगी संचालित

हुब्बल्ली//शुभ लाभ ब्यूरो दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति (जेडआरयूसीसी) सदस्य महेंद्र सिंघी के अथक प्रयासों से बेंगलूरु-मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस को हुब्बली धारवाड़ मार्ग से संचालित किए जाने की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

उत्तर कर्नाटक की इस बहुप्रतीक्षित जन-आकांक्षा को साकार करने हेतु सिंघी ने लगातार परिश्रम करते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद जगदीश शेट्टर, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद बसवराज बोम्मई, बेंगलुरु सांसद तेजस्वी सूर्या तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारियों से निरंतर संवाद बनाए रखा।

इस स्वीकृति के लिए सिंघी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद जगदीश शेट्टर, पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद बसवराज बोम्मई, तथा रेल प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

यह सुपरफास्ट रेल सेवा उत्तर कर्नाटक के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी। इसके प्रारंभ से तुमकुर, दावणगेरे, हावेरी, हुब्बली धारवाड़ और बेलगावी जैसे मध्य कर्नाटक के क्षेत्रों का मुंबई से सीधा और सुविध-ाजनकसंपर्क स्थापित होगा। इससे न केवल यात्रियों को लाभ मिलेगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को भी नई दिशा प्राप्त होगी।

नए पुण्य को कमाने का पुरुषार्थ नहीं रहा तो आगे पछतावा रहेगा : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभाजी ने कहा कि प्रत्येक जीव अनंत जीवों की तरह अनंत बार और अनंत काल से इस लोक का भ्रमण चारों गतियों में कर रहा है। भ्रमण के इन्हीं संस्कारों के कारण आज भी हमें घूमना फिरना पसंद आता है। परन्तु जिन्हें आत्मा की याद आ जाती है वो सभी आसक्तियों से स्वयं को मुक्त कर स्वयं में स्थित हो जाता है। हम खूब पुण्य को लेकर मनुष्य भव में आए हैं, किंतु यहां आकर लगातार पुण्य को खर्च कर स्वयं को नगण्य कर रहे हैं। नए पुण्य को कमाने का यदि पुरुषार्थ नही रहा तो आगे खूब पछतावा रहेगा। स्वयं से हम वार्तालाप करें कि क्या हम वापस नरक की अनंत भूख प्यास दुख और रोग को भोगने के लिए आत्मा को भूल रहे हैं। अपने प्रवचन में साध्वी श्री वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि ममत्व और आसक्ति बंधन है। छूट जाए और स्वेच्छा से छोड़े में बहुत अंतर है। आसक्ति नहीं होगी तो छोड़ने में आसानी होगी। प्रभु महावीर ने शुरू से किसी से कोई आसक्ति नहीं रखी तो जब उन्होंने छोड़ा तो वह अपने आप छूट गया था। उपवास करें और भोजन स्मृति में रहें तो यह श्रेष्ठ और अनुकरणीय साधना नहीं है। यह आत्मा हीरे के समान है। इसकी सुरक्षा करनी है। इस आत्मा में दुर्गुणों का कचरा नही भरना है। छूटने के पहले छोड़ देना त्याग है।

प्रवचन सभा में अलसूर महिला मंडल के सदस्य एवं चेन्नई आदि स्थानों के दर्शनार्थी उपस्थित थे।

संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने संचालन करते हुए बताया कि आगामी रविवार को ज्ञान पांचम का महत्व बताया जाएगा। सह मंत्री धनपत राज तातेड ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभाजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

अन्नदान महाप्रसादी का जरूरतमंदों ने लाभ लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानव सेवा में अग्रणी बेंगलूरु में प्रतिमाह अमावस्या पर अन्नदान करने वाली संस्था श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा शुक्रवार को अन्नदान महाप्रसादी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने बताया कि सरोजबाई अशोक कुमार कमलचंद मनीष कुमार छलानी परिवार केजीएफ बेंगलूरु एवं समिति के मासिक सदस्यों के समन्वित सामूहिक सहयोग से आयोजित उक्त अन्नदान कार्यक्रम में करीब 4 हजार से अधिक लोगों ने महाप्रसादी का लाभ लिया। मैसूर बैंक सर्किल स्थित श्री हनुमानजी मंदिर के समीप हुए इस कार्यक्रम में समिति के कार्याध्यक्ष आशीष बाफना, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, उपाध्यक्ष अनिल बाफना, यशवंत सालेचा, मनु बाफना, अनिल पोकरणा, श्रुति जैन, मंजू राव, कृष्णा, दिलीप समदरिया, अशोक समदरिया सहित लाभार्थी छलानी परिवार के सदस्यों ने अन्नदान के सेवा सहयोग में अहम योगदान दिया। इस दौरान छलानी परिवार के सदस्यों का समिति की ओर से बहुमान भी किया गया। मनोहर बाफना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीएपीएस श्री स्वामिनारायण मंदिर बेंगलुरु में दिवाली पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हरिभक्तों ने आने वाले व्यावसायिक वर्ष की सफलता और लाभ की कामना के साथ चोपड़ा पूजन विधि और महापूजन का लाभ प्राप्त किया। दिवाली के दिन पुरे मंदिर को दीपों से सुंदर तरीके से सजाया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सकल जैन संघ, मंजुनाथनगर, शिवनगर के पदाधिकारी अध्यक्ष संघवी उत्तमचंद आच्छा, उपाध्यक्ष विनोदकुमार मेडतवाल, मंत्री राकेश दलाल, सह मंत्री राजेशकुमार कोठारी, सुरेश कुमार बागमार ने यहलंका मे चातुर्मासार्थ विराजित श्री ज्ञान मुनिजी म. सा. आदि ठाणा 2, के दर्शन, वन्दन कर मांगलिक का लाभ लिया। इसी क्रम में मुनिश्री से मंजुनाथनगर पध-ारने की विनती की। गुरुदेव ने संघ के जैनियों की एकता की पहल के लिए खूब खूब अनुमोदना की एवं धर्म के पथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा दी। संघ के अनेक कार्यो पर जानकारी लेते हुए उच्चतम मार्गदर्शन प्रदान किया। यह जानकारी अंकित आच्छा ने दी।

जीवन में अगर धर्म नहीं तो जीवन बेकार : संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्व-ावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि संसार में धनी होना बड़ी बात नहीं है, बल्कि प्रेमी होना बड़ी बात है। प्रेम दो और प्रेम बाटो। सबसे बड़ी बात यही है। इंसान चला जाता है लेकिन उसका प्रेम वात्सल्य सदा पास रहता है। मनुष्य चला जाता है। लेकिन धन यहीं रह जाता है। अगर प्रेम व्यवहार है तो वह सदा याद किया जाता है। प्रेमी बन कर प्रेम से प्रभु के गुण गाया करो। इंसान के जाने के बाद भी उसका प्रेम, कार्य याद किया जाता है। जब तक प्रेम नहीं है तब तक धन दौलत सब बेकर है। जब तक मनुष्य उत्तम कर्म नहीं कमाएगा तब तक सब बेकार है। प्रभु के गुणगान करो यही अंत समय में काम आएगा। अगर कोई दुखी है तो वहां पर आपका मौज मस्ती करना सब बेकार है। अगर कोई दुखी और भूखा है तो पहले उसकी सेवा करो। दूसरों की सेवा करो। भाई अगर रूठा भी है तो पहले उसको मनाओ। अगर ऐसा नहीं किया तो आपका धन दौलत सुख सब बेकार है। छोटा भाई अगर दुखी है तो बड़े भाई का उसको मनाना कर्तव्य है। अगर उसको दुखी देख कर मस्त हो तो धन, धर्म ध्यान सब बेकार है। सभी को साथ लेकर चलना ही बड़ों का कर्तव्य होता है। अगर आपका कोई अपना हो तो उसकी सेवा करते रहो। अगर भगवान ने आपको दिया है तो आप सेवा करते रहो। पर-ोपकार का कार्य ही अंत समय में काम आएगा। किसी भूखे को खिलाओगे तो खुशी मिलेगी। लोगों की सेवा करना ही धर्म है। धर्म के बिना जीवन बेकार है। जैसे शीश है अगर झुकाया नहीं तो वह शीश बेकार है। वैसे ही धर्म के बिना जीवन बेकार है। इसलिए मनुष्य भव मिला है तो धर्म कार्य करके इसका उद्धार कर लेना चाहिए। महामंत्री मनो-हरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को मध्यान्ह 2 बजे के प्रवचन में तीर्थंकर महावीर ज्ञान ट्रस्ट द्वारा आराधक पुरस्कार दिये जाएंगे। साथ ही अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

श्रमण संघ जयवंत रहे
श्री सुमतिनाथाय नमः जय हस्ती
श्री महावीराय नमः जय आत्मा-आनंद-देवेन्द्र-शिव-महेन्द्र
श्री जयमल्लाय नमः जय मरुधर केसरी

श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ, यलहंका

आचार्य प्रवर श्री शोभाचंदजी म.सा. की जन्म जयंती एवं
राष्ट्रीय ज्ञान आराधक पुरस्कार - 2025
लाभ / ज्ञान पंचमी, रविवार, दि. 26.10.2025
समय : मध्यान्ह 2.00 बजे से

अत्यंत प्रमोद भाव से आपकी सेवा में सादर निमंत्रण है कि इतिहास मार्तंड अखंड बाल ब्रह्मचारी आचार्य भगवंत 1008 पूज्य श्री हस्तीमलजी म.सा. के सुशिष्य एवं ध्यान योगी आचार्य सम्राट पूज्य श्री शिवमुनिजी म.सा. एवं पूज्य प्रवर्तक श्री सुकनमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती पंडित रत्न रोचक व्याख्यानी पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञानमुनिजी म.सा. एवं सेवाभावी पूज्य श्री लोकेशमुनिजी म.सा. के पावन सान्निध्य में यलहंका बेंगलोर श्रीसंघ के नेतृत्व में पंडित रत्न गुरुदेव के दीक्षा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में तीर्थंकर महावीर ज्ञान ट्रस्ट चेन्नई के अंतर्गत आयोजित ज्ञान आराधक पुरस्कार से दोनों धार्मिक शिक्षिकाओं का सम्मान नकद एवं रजत शील्ड द्वारा किया जाएगा।

सौजन्यकर्ता
श्रीमती शांतिलालजी रसालबाई सिंघवी, चेन्नई

आगामी कार्यक्रम

श्रीमती सरोजबाई पुनमियां बेंगलूरु
कार्यक्रम स्थल : श्री सुमतिनाथ आराधना भवन
होस्पीटल रोड़, रेल्वे स्टेशन रोड़, यलहंका, बेंगलोर
श्रीमती विजयाबाई कोटेचा चेन्नई

निवेदक : श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका बेंगलोर
संयोजक नेमीचंद लुकड़ | सलाहकार गणपतराज बाफना | अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी | कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़
महामंत्री : मनोहरलाल लुंकड़ | कोषाध्यक्ष : मनोहरलाल मुथा

कांग्रेस नेतृत्व विवाद पर महादेवप्पा का बयान

कांग्रेस के लिए कोई भी अपरिहार्य नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में चल रहे नेतृत्व विवाद के बीच, समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस के लिए कोई भी अपरिहार्य नहीं है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पार्टी और उसका नेतृत्व आवश्यकता पड़ने पर उचित निर्णय लेगा। बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के करीबी महादेवप्पा ने ऐसी टिप्पणियाँ कीं जिनका राजनीतिक महत्व बढ़ गया है। उन्होंने पहले राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में एक दलित मुख्यमंत्री की पुरज़ोर वकालत की थी।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे और कांग्रेस विधायक यतींद्र सिद्धारमैया द्वारा मंत्री सतीश जरकीहोली को अपने पिता के उत्तराधिकारी के रूप में पेश करने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में, जबकि दलित मुख्यमंत्री की लगातार माँग हो रही है और गृह मंत्री जी. परमेश्वर और स्वयं महादेवप्पा दोनों ने पहले ही इस पद में रुचि व्यक्त की है, समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि यह बयान पार्टी आलाकमान की ओर से नहीं आया है। क्या यह बयान आलाकमान ने दिया है? आप परेशान क्यों हैं? पार्टी में कई लोग हैं जो वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध हैं – वास्तव में, बहुत से लोग। कांग्रेस पार्टी अपनी विचारधारा के कारण अस्तित्व में है। कोई भी अपरिहार्य नहीं है। जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का निधन हुआ, तो लोगों ने नेतृत्व के भविष्य को लेकर चिंता जताई, लेकिन कई नेता उभरे। इसलिए, कांग्रेस में कोई भी अपरिहार्य नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि एआईसीसी और राज्य नेतृत्व कर्नाटक में पार्टी की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और एआईसीसी के फैसलों के अलावा, किसी अन्य बयान का कोई महत्व नहीं है। अगर लोग अपने निष्कर्ष निकाल लेते हैं तो इसका कोई मतलब नहीं है।

यतींद्र की टिप्पणी पर टिप्पणी करते हुए, महादेवप्पा ने कहा, जिसने भी यह बयान दिया है, उसे अपनी टिप्पणी की पृष्ठभूमि स्पष्ट करनी चाहिए। हमें इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री जानते हैं कि क्या होना चाहिए और क्या नहीं। आलाकमान और हमारे पार्टी अध्यक्ष भी घटनाक्रम से अवगत हैं। हमें अभी तक इस मुद्दे पर न तो बुलाया गया है और न ही सूचित किया गया है। एक बड़े घटनाक्रम में, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र ने हाल ही में कहा था कि उनके पिता अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं और इस महत्वपूर्ण मोड़ पर, लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली वैज्ञानिक और प्रगतिशील विचारों का अनु-सरण करने वालों का मार्गदर्शन करने का बीड़ा उठाएँगे।

यतींद्र ने कहा, आज मेरे पिता अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं। वह अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में हैं। इस समय, जो लोग वैज्ञानिक और प्रगतिशील विचारों को अपनाते हैं... लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली ज़िम्मेदारी लेंगे और नेतृत्व प्रदान करेंगे। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चल रही अफवाहों और संभावित सत्ता-साझेदारी व्यवस्था पर चर्चाओं के बीच यह टिप्पणी महत्वपूर्ण हो गई है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने यतींद्र के बयान पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि वह उचित पक्षों तक यह संदेश पहुँचाएँगे। शुक्रवार को बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए, जब शिवकुमार से पूछा गया कि क्या वे यतींद्र को नोटिस जारी करेंगे, तो उन्होंने कहा, मैं अभी इस मामले पर बात नहीं करूँगा। मैं संदेश वहाँ पहुँचाऊँगा जहाँ तक पहुँचना चाहिए। शिवकुमार ने ज़ोर देकर कहा, मैं अनुशासन के पक्ष में हूँ। अनुशासन मेरी पार्टी की प्राथमिकता है।

तेज रफ्तार का कहर : एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

चिक्कबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर में गुरुवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। यहां की सड़कों तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जिसके चलते एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा उस वक्त हुआ जब पांच लोगों से भरी एक मोटरसाइकिल की टक्कर स्कूल बस से हो गई।

बता दें कि हादसे में मारे जाने वाले लोगों की पहचान बालाजी (35), उनके बेटे आर्या (11), रिश्तेदार हरीश (12) और साले वेंकटेशप्पा (50) के रूप में हुई है। सभी चिलाकलनेरपु गांव के रहने वाले थे और थालकयालाबेट्टा में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

मामले में पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना बुरुडुगुंटे गांव के पास केनचारलहल्ली क्षेत्र में हुई, जब कोर्लापार्थी से लौट रही स्कूल बस उनकी बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बालाजी की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाई कोर्ट बेंच की मांग को लेकर पोस्टकार्ड अभियान

मंगलुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंगलुरु बार एसोसिएशन ने गुरुवार को यहां डिस्ट्रिक्ट और सेशंस कोर्ट परिसर में शहर में हाई कोर्ट बेंच स्थापित करने की मांग को लेकर एक पोस्टल कैंपेन शुरू किया है। मंगलुरु बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राघवेंद्र एच.वी. ने कहा, ''ये पोस्टकार्ड राज्य के हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस, मुख्यमंत्री और राज्य के कानून मंत्री को भेजे जाएंगे, उनसे इस मांग को पूरा करने के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया जाएगा। हमारा मकसद जिले से कुल 5000 साइन किए हुए पोस्टकार्ड भेजना है। हम सोशल मीडिया पर भी एक कैंपेन शुरू करेंगे।

उन्होंने कहा, हाई कोर्ट में कई सालों से 6000 से ज़्यादा मामले पेंडिंग हैं। इनमें से 40 से 50 प्रतिशत मामले दक्षिण कन्नड़, उडुपी और शिवमोग्गा क्षेत्रों के लोगों से जुड़े हैं। अगर यहां हाई कोर्ट बेंच स्थापित हो जाती है, तो इससे लोगों और वकीलों का पैसा, समय और मेहनत बचेगी। इससे उत्तर कन्नड़, कोडगु और चिकमंगलूर जिलों के लोगों को भी फायदा होगा। कैंपेन शुरू करने वाले बीजेपी नेता नलिन कुमार कटील ने कहा, यह दशकों से मांग रही है कि शहर में एक हाई कोर्ट बेंच स्थापित की जाए। इस क्षेत्र के जो लोग न्याय चाहते हैं और हाई कोर्ट जाते हैं, उन्हें हर सुनवाई के लिए बेंगलुरु जाना पड़ता है। इससे न केवल समय लगता है, बल्कि उन्हें अतिरिक्त खर्च भी उठाना पड़ता है। इसलिए, धारवाड़ और कलबुर्गी की तरह दक्षिण कन्नड़ जिले में भी एक हाई कोर्ट बेंच की ज़रूरत है। सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने इसका समर्थन किया है। आइए हम सब मिलकर इसे हासिल करने के लिए काम करें। मैं इस कैंपेन को इसके सही अंजाम तक पहुंचाने के लिए हर तरह का सहयोग दूंगा।

एडवोकेट मोनप्पा भंडारी ने कहा, इस मकसद को हासिल करने के लिए वकीलों, क्लाइंट्स, चुने हुए प्रतिनिधियों और आम जनता की एक कमेटी पहले ही बनाई जा चुकी है। दक्षिण कन्नड़ जिले में हाई कोर्ट बेंच होने की सभी योग्यताएं हैं। इसे लागू करने में कोई रुकावट नहीं है। इस कार्यक्रम में कमेटी के चेयरमैन विधान परिषद सदस्य इवान डिसूजा, मंगलुरु बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुजीत कुमार, सचिव श्रीधर, संयुक्त सचिव ज्योति और एडवोकेट इब्राहिम ने हिस्सा लिया।

हैदराबाद-बेंगलूरु बस में लगी आग

कर्नाटक ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को कुरनूल भेजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक ने परिवहन विभाग के अधिकारियों की एक टीम आंध्र प्रदेश के कुरनूल भेजी है, जहाँ शुक्रवार तड़के हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही एक लग्जरी निजी बस में आग लगने से कम से कम 19 यात्रियों की जलकर मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों को कर्नाटक के पीड़ितों की पहचान करने और उनके परिवारों को आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया गया है।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा, हम अभी भी इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि कितने पीड़ित कर्नाटक के हैं। मैंने कर्नाटक के बागेपल्ली के आरटीओ अधिकारियों को कुरनूल, जहाँ दुर्घटना हुई थी, जाकर स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय करने, पीड़ितों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने और उनके परिवारों की सहायता करने का निर्देश दिया है।

घटना में शामिल बस के बारे में, मंत्री ने स्पष्ट किया कि वह अखिल भारतीय परमिट के तहत वैध अनुमति के साथ चल रही थी। उन्होंने कहा, अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, इस बस के पास बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच चलने के लिए सभी आवश्यक परमिट थे। अखिल भारतीय परमिट वाले वाहनों को देश भर में किसी भी रूट पर चलने की अनुमति है और वे किसी निश्चित रूट तक सीमित नहीं हैं।

2013 में हुई इसी तरह की एक त्रासदी को याद करते हुए, जब बेंगलुरु-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक निजी लग्जरी बस में आग लग गई थी और 45 यात्रियों की मौत हो गई थी, रेड्डी ने कहा कि उस घटना के बाद महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय शुरू किए गए थे। उन्होंने कहा, 2013 में परिवहन मंत्री के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, मैंने सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि सभी निजी और सरकारी बसों में मुख्य द्वार के अलावा एक अतिरिक्त आपातकालीन निकास द्वार भी हो ताकि आपात स्थिति में तुरंत निकासी की सुविधा मिल सके।''

रेड्डी ने आगे कहा कि 2013 का यह निर्णय महत्वपूर्ण था क्योंकि कई लग्ज़री एसी स्लीपर बसों की खिड़कियाँ सीलबंद होती थीं, जिससे यात्रियों को दुर्घटनाओं के दौरान बचने के लिए हथौड़ों से खिड़कियाँ तोड़नी पड़ती थीं। उन्होंने बताया, इस निर्देश के बाद, राज्य में केएसआरटीसी और निजी ऑपरेटरों सहित लगभग 50,000 बसों में अतिरिक्त आ-पातकालीन दरवाज़े लगाए गए।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने दोहराया कि राज्य द्वारा संचालित बसों के लिए गति प्रतिबंध पहले से ही लागू हैं। एक अधिकारी ने कहा, राजमार्गों पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए केएसअ-ारटीसी बसों की अधिकतम गति 80 किमी/घंटा तक सीमित है। ड्राइवरों को तेज़ वाहनों को ओवरटेक करने की अनुमति देने के लिए बाईं ओर की दो लेन में चलने की भी सलाह दी जाती है।

इस बीच, इस दुखद घटना ने बेंगलुरु-हैदराबाद राजमार्ग पर ध्यान केंद्रित कर दिया है, जो एक महत्वपूर्ण लेकिन लगातार भीड़भाड़ वाला गलियारा है। वाहन चालकों ने सड़क की सुरक्षा और मार्ग पर कुछ ड्राइवरों के व्यवहार को लेकर चिंता जताई है।

नियमित यात्री सागर कुमार ने इस मार्ग को बेहद जोखिम भरा बताया। उन्होंने कहा, हैदराबाद-बेंगलुरु राजमार्ग पर गाड़ी चलाना खराब सड़कों की वजह से नहीं, बल्कि ड्राइविंग शिष्टाचार की वजह से असुरक्षित है। तकनीकी रूप से इस राजमार्ग में चार लेन वाली सर्विस रोड के साथ छह लेन होनी चाहिए। दिन में भी यह एक दुःस्वप्न जैसा है। कई निजी बस संचालक भी सुरक्षा उपायों में कोताही बरतते हैं। इन्हीं कारणों से मैंने इस मार्ग पर बस से यात्रा करना बंद कर दिया है।

परिवहन अधिकारियों ने कहा कि बेंगलुरु से बागेपल्ली के पास कर्नाटक सीमा तक लगभग 100 किलोमीटर का मार्ग अपेक्षाकृत अच्छी स्थिति में है, फिर भी तेज गति पर निगरानी और सुरक्षा मानदंडों को लागू करना प्राथमिकता बनी हुई है। एक अधिकारी ने कहा, इस दुर्घटना के बाद, हम गति उल्लंघनों पर नियंत्रण को मजबूत करने और मार्ग पर निगरानी में सुधार करने के तरीके तलाशेंगे।

कर्नाटक में चल रहा लव जिहाद का बड़ा खेल?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में एक लड़की ने अपने प्रेमी और उसके परिवार के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि लड़के ने शादी के लिए उसे जबरन इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया। यह मामला बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। आरोपी का नाम मोहम्मद इशाक है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता दूसरे धर्म की है। 17 अक्टूबर, 2024 को मोहम्मद इशाक ने लड़की को इंस्टाग्राम पर फॉलो किया। कुछ समय बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। फिर नंबर एक्सचेंज हुए और वे फोन पर बात करने लगे।

30 अक्टूबर, 2024 को वे बेंगलुरु के थानिसांद्रा इलाके के एक मॉल में मिले। लड़की ने आरोप लगाया कि इशोक ने उससे शादी का वादा किया। उसने कहा कि वह उसके माता-पिता से शादी की बात करेगा। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि इशाक ने दशरहल्ली में एक कमरा बुक किया। दोनों वहां गए। मोहम्मद इशाक ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने चाहे। उसने इनकार किया तो इशाक ने उसे यकीन दिलाया कि वे कुछ दिनों में शादी करके पति-पत्नी हो जाएंगे इसलिए शारीरिक संबंध बनाना कोई गलत काम नहीं है।

कई हिंदू लड़कियों को फंसाने का आरोप

लड़की ने बताया कि मोहम्मद इशाक ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसके बाद से वह उसे बुलाया और शादी का झांसा देकर बार-बार उसका शारीरिक शोषण करता।

जब वह शादी की बात पूछती तो वह उसे बस आश्वासन दिया। लड़की ने बताया कि कुछ दिन पहले उसे उसके व्यवहार पर शक हुआ और उसे पता चला कि उसके कई अन्य लड़कियों के साथ संबंध हैं। लड़की ने दावा किया कि मोहम्मद इशाक ने कई हिंदू लड़कियों को फंसाकर उन्हें अपना शिकार बनाया है।

यह भी पता चला कि आरोपी ने 14 सितंबर, 2025 को एक मुस्लिम लड़की से सगाई कर ली। इस बारे में पूछताछ करने पर, उसने कथित तौर पर पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने उससे दोबारा संपर्क किया, तो उसे जान से मार दिया जाएगा।

उसने उससे कहा कि वह उसे भूल जाए और जिंदगी में आगे बढ़े। लड़की ने बताया कि वह मोहम्मद इशाक के व्यवहार से बहुत दुखी हुई। उसने आत्महत्या तक का प्रयास किया।

लड़की ने बताया कि मोहम्मद इशाक और उसके परिवार ने उसे मिलने बुलाया। उससे कहा कि मामला सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाया जा सकता है। हालांकि, इशाक के बड़े भाई और बहनोई ने कथित तौर पर लड़की से कहा कि अगर वह आरोपी से शादी करना चाहती है, तो उसे इस्लाम धर्म अपनाना होगा। उन्होंने कथित तौर पर उसे 40 दिनों के भीतर नमाज़ पढ़ना सीखने का निर्देश दिया और कहा कि धर्म परिवर्तन के बाद ही शादी की बातचीत आगे बढ़ेगी।

यह मामला विवादास्पद हो गया है, हिंदू संगठन पीड़िता के परिवार से संपर्क कर रहे हैं और इसे लव जिहाद का मामला बता रहे हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है और जांच जारी रखे हुए है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की तुष्टिकरण की राजनीति के कारण कर्नाटक में लव जिहाद के मामले बढ़ रहे हैं।

पूर्व मंत्री और भाजपा विधान पार्षद सी.टी. रवि ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से लव जिहाद, ज़मीन जिहाद और वोट जिहाद के सभी मामलों की व्यापक जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आग्रह किया था।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने भी कहा था कि राज्य में लव जिहाद के मामले बढ़ रहे हैं, जो सिद्धारमैया की अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की राजनीति के कारण केरल मॉडल की तरह हो रहा है।

विजयेंद्र ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों और असामाजिक तत्वों को लगता है कि राज्य सरकार उनका साथ देगी, क्योंकि सरकार विधान सौध परिसर में पाकिस्तान ज़िंदाबाद के नारे लगाने जैसे मामलों में भी आरोपियों को गिरफ्तार करने से हिचकिचाती है। यह नीति कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ रही है और हिंदू परिवारों और महिलाओं में भय पैदा कर रही है।

कर्नाटक ने 27,607 करोड़ की परियोजनाओं को दी मंजूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक ने शुक्रवार को राज्य उच्च-स्तरीय मंजूरी समिति (एसएचएलसीसी) की 66वीं बैठक में 27,607.26 करोड़ की 13 निवेश परियोजनाओं को मंज़ूरी दी है। इन परियोजनाओं से लगभग 8,704 प्रत्यक्ष रोज़गार सृजित होने की उम्मीद है।

बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल के अनुसार, इन मंज़ूरियों में 11 नए निवेश प्रस्ताव और दो अतिरिक्त निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। कुल निवेश में से 27,228.51 करोड़ नई परियोजनाओं के लिए और 378.75 करोड़ विस्तार परियोजनाओं के लिए हैं।

प्रमुख नए निवेशों में मेसर्स एसएफएक्स इंडिया मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड (9,298 करोड़, 806 नौकरियाँ) और मेसर्स जेएसडब्ल्यू जेएफई इलेक्ट्रिकल स्टील प्राइवेट लिमिटेड (7,102 करोड़, 900 नौकरियाँ) शामिल हैं। अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों में मेसर्स रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (1,622 करोड़, 1,200 नौकरियाँ), मेसर्स श्नाइडर इलेक्ट्रिक आईटी बिज़नेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (1,520.75 करोड़, 550 नौकरियाँ) और मेसर्स ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (1,386 करोड़, 203 नौकरियाँ) शामिल हैं।

अतिरिक्त स्वीकृतियों में मेसर्स टोयोटा इंडस्ट्रीज इंजन इंडिया प्राइ-वेट लिमिटेड (1,330 करोड़, 550 नौकरियाँ), मेसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड (1,300.57 करोड़, 271 नौकरियाँ), मेसर्स वायु एसेट्स प्राइवेट लिमिटेड (1,251 करोड़, 1,912 नौकरियाँ), मेसर्स क्यूपीआईएआई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (1,136 करोड़, 200 नौकरियाँ), मेसर्स एचएसएस टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड (740 करोड़, 800 नौकरियाँ), और मेसर्स तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड (542.19 करोड़, 1,312 नौकरियाँ) शामिल हैं।

दो विस्तार प्रस्ताव मेसर्स बालाजी वेफर्स प्राइवेट लिमिटेड (298.75 करोड़) और मेसर्स एम्बेसी इंडस्ट्रियल पार्क (80 करोड़) के हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज, आईटी/बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे, उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर और श्रम मंत्री संतोष लाड उपस्थित थे।

एक अलग घटनाक्रम में, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड (केएसडीएल) ने शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने मुनाफे से लाभांश के रूप में राज्य सरकार को 135 करोड़ सौंपे।

यूपी सरकार ने पांचवें और छठवें वेतनमान के राज्यकर्मियों का बढ़ा महंगाई भत्ता

शासन ने जारी किया आदेश

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में दिवाली पर सातवें वेतनमान के राज्यकर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाने के एलान के बाद शुक्रवार को पांचवें और छठवें वेतनमान के राज्यकर्मियों को भी बढ़ी दर से महंगाई भत्ता (डीए) देने का आदेश जारी किया गया है। बढ़ी दर से महंगाई भत्ते का भुगतान अक्तूबर के वेतन केसाथ किया जाएगा। पांचवें वेतनमान वाले कर्मचारियों का डीए आठ प्रतिशत और छठवें वेतनमान वाले कार्मिकों का डीए पांच प्रतिशत बढ़ा है।

पांचवें वेतनमान वाले राज्यकर्मियों का डीए अभी तक 466 प्रतिशत था। ये अब 8 प्रतिशत बढ़कर 474 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह छठवें वेतनमान वाले कर्मचारियों का डीए 252 प्रतिशत था, जिसे पांच प्रतिशत बढ़ाकर 257 प्रतिशत किया गया है। पांचवें व छठवें वेतनमान के दायरे में आने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों की संख्या लगभग 27 हजार है।

डीए में वृद्धि का लाभ पांचवें व छठवें वेतनमान में कार्यरत राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं के कर्मचारियों, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमान में कार्यरत कर्मचारियों को मिलेगा।

अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक बढ़ी दर से महंगाई भत्ते का भुगतान अक्तूबर के वेतन के साथ नकद किया जाएगा। एक जुलाई से 30 सितंबर तक की देय अवशेष धनराशि अधिकारी व कर्मचारी के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। जो कर्मचारी भविष्य निधि खाते के सदस्य नहीं है उनकी अवशेष धनराशि उनके पीपीएफ में जमा कराई जाएगी अथवा एनएससी के माध्यम से दी जाएगी।

एनपीएस से आच्छादित कार्मिकों को देय महंगाई भत्ते की अवशेष धनराशि के दस प्रतिशत के बराबर धनराशि कार्मिकों के टियर-एक पेंशन खाते में जमा की जाएगी। बची धनराशि के 14 प्रतिशत के बराबर धनराशि राज्य सरकार अथवा नियोक्ता द्वारा टियर-एक पेंशन में जमा की जाएगी।

शेष 90 प्रतिशत धनराशि अधिकारी व कर्मचारी के पीपीएफ फंड में जमा कराई जाएगी अथवा एनएससी के रूप में दी जाएगी।

जिस अधिकारी कर्मचारी की सेवाएं शासनादेश जारी होने से पूर्व समाप्त हो गई हैं अथवा सेवानिवृत्त हो गए हैं अथवा छह माह के अंदर सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उनको देय महंगाई भत्ते की पूरी धनराशि का भुगतान नकद किया जाएगा।

प्रदेश में तैनात अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि के आदेश भी जारी किए गए हैं। भारत सरकार वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आदेशों के क्रम में वित्त विभाग ने अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के महंगाई भत्ते की दर में वृद्धि किए जाने का आदेश जारी किया है।

सातवें केंद्रीय वेतनमान में कार्यरत अधिकारियों को तीन प्रतिशत वृद्धि के साथ अब 55 की जगह 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। छठवें केंद्रीय वेतनमान में कार्यरत अधिकारियों को पांच प्रतिशत वृद्धि के साथ 252 की जगह 257 प्रतिशत और पांचवें केंद्रीय वेतनमान के अधिकारियों को आठ प्रतिशत वृद्धि के साथ 466 की जगह 474 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जाएगा।

केरल हाईकोर्ट ने शिक्षक पर दर्ज आपराधिक केस किया खारिज

इरादा चोट पहुंचाना नहीं अनुशासन सीखना था

नई दिल्ली , 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने एक स्कूल शिक्षक के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया है।

शिक्षक पर आरोप था कि उन्होंने कक्षा में आपस में झगड़ रहे तीन छात्रों को छड़ी से मारा था। अदालत ने कहा कि शिक्षक का उद्देश्य बच्चों को चोट पहुंचाना नहीं, बल्कि अनुशासन बनाए रखना था।

न्यायमूर्ति सी प्रतीप कुमार ने कहा कि पांचवीं कक्षा के छात्रों के बायन के अनुसार वे क्लास में एक-दूसरे से लाठियों से लड़ रहे थे और उसी समय गणित के शिक्षक ने अनुशासन लागू करने के लिए हस्तक्षेप किया। कोर्ट ने कहा कि शिक्षक ने छात्रों के केवल पैरों पर ही बेंत मारे थे, उनमें से किसी को भी किसी प्रकार के चिकित्सीय उपचार की जरूरत नहीं पड़ी। साथ ही इस बात का कोई सबूत नहीं है कि घटना में उनमें से किसी को भी शारीरिक चोट पहुंची हो।

इसमें यह भी बताय गया है कि घटना 16 सितम्बर, 2019 की सुबह घटी थी, लेकिन पुलिस को इसकी सूचना 20 सितम्बर, 2019 की शाम लगभग 8.30 बजे दी गई। इस देरी के लिए कोई कारण नहीं बताया गया।

अदालत ने 16 अक्तूबर को अपने आदेश में कहा कि शिक्षक का कार्य केवल छात्रों को सुधारने और उन्हें अच्छे नागरिक बनाने के लिए था और इस प्रकार वे सीमा के भीतर था। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि माता-पिता शिक्षक की अच्छी मंशा को नहीं समझ सके और इसक कारण यह अनुचित मामला हुआ।

न्यायमूर्ति कुमार ने उच्च न्यायालय के विभिन्न पूर्व आदेशों का भी हवाला दिया, जिसमें न्यायालय ने कहा था कि जब छात्र की भलाई और अनुशासन बनाए रखने के लिए शारीरिक दंड देने में शिक्षक की ओर से कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं होता है, तो यह कहना संभव नहीं है कि किशोर न्याय अधिनियम के तहत कोई अपराध बनता है।

शिक्षक पर भारतीय दंड संहिता की धारा 324 (खतरनाक हथियारों या साधनों से जानबूझकर चोट पहुंचाना) और किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 (बच्चों के प्रति क्रूरता) के तहत मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने आगे कहा कि यह स्पष्ट है कि स्कूल शिक्षक को, अपनी विशिष्ट स्थिति को देखते हुए, अनुशासन लागू करने और अपने प्रभार में रखे गए छात्र को सुधारने का अधिकार है।

उमर अब्दुल्ला ने राज्यसभा चुनाव परिणामों पर उठाए सवाल

भाजपा को मिले 4 अतिरिक्त वोट कहां से आए?

श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर), 24 अक्टूबर (एजेंसियां) जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को राज्यसभा चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के किसी भी विधायक ने क्रॉस वोटिंग नहीं की है, और सवाल उठाया कि बीजेपी को मिले चार अतिरिक्त वोट आखिर कहां से आए?

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में अब्दुल्ला ने लिखा, हमारे सभी चारों चुनावों में पूरी तरह सुरक्षित रहे, जैसा कि हमारे चुनाव एजेंट ने हर पोलिंग स्लिप देखकर पुष्टि की है। हमारे किसी विधायक ने क्रॉस वोटिंग नहीं की। अब सवाल उठता है - बीजेपी को मिले ये 4 अतिरिक्त वोट कहां से आए? वे विधायक कौन हैं जिन्होंने जानबूझकर गलत प्राथमिकता नंबर लगाकर अपने वोट अमान्य किए? क्या उनमें इतना साहस है कि वे सामने आकर स्वीकार करें कि उन्होंने बीजेपी की मदद की, जबकि उन्होंने हमें वोट देने का वादा किया था? किस दबाव या प्रलोभन में उन्होंने यह कदम उठाया? देखते हैं, क्या बीजेपी की यह मगुप्त टीमफ अपने विवेक की कीमत पर किए इस सौदे को स्वीकार करेगी?

शुक्रवार को घोषित परिणामों में जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने तीन राज्यसभा सीटें जीतीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने एक सीट अपने नाम की। एनसी के वरिष्ठ नेता चौधरी मोहम्मद रमज़ान ने 58 वोट प्राप्त कर राज्यसभा सीट जीती। उनके साथ पार्टी के सज्जाद किचलू और शम्मी ओबेरॉय (गुरविंदर सिंह) को भी राज्यसभा सदस्य घोषित किया गया।

वहीं, जम्मू-कश्मीर बीजेपी अध्यक्ष सतपाल शर्मा ने 32 वोट पाकर जीत दर्ज की, जबकि एनसी के उम्मीदवार इमरान निस्सार को 22 वोट मिले। इस परिणाम से संकेत मिला कि बीजेपी को कम से कम चार अतिरिक्त वोट मिले, जबकि उसके पास विधानसभा में केवल 28 सदस्य हैं। एनसी ने एक्स पर अपने आधिकारिक पोस्ट में लिखा, जेकेएनसी के वरिष्ठ नेता चौधरी मोहम्मद रमज़ान जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। उन्हें 58 वोट मिले। बधाई! गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटें फरवरी 2021 से रिक्त थीं, जब गुलाम नबी आज़ाद, मीर मोहम्मद फ़ैयाज़, शमशेर सिंह और नज़ीर अहमद लवाय का कार्यकाल समाप्त हुआ था।

रांची में गैंगस्टर गिरोह पर बड़ी कार्रवाई: महिला समेत पांच गिरफ्तार, तीन पाकिस्तानी पिस्तौल बरामद

रांची , 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। रांची में बुधवार को पुलिस ने एक महिला समेत पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से तीन पाकिस्तान निर्मित पिस्तौलें बरामद कीं। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बिट मेसरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चुटू ओवरब्रिज के पास से चार पुरुष अपराधियों को और आर्गोरा थाना क्षेत्र से एक महिला को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कोयलांचल शांति सेना (केएसएस) गिरोह के सदस्यों के रूप में की गई है। ये सभी प्रिंस खान गिरोह से भी जुड़े हुए हैं।

गिरफ्तार महिला की पहचान केएसएस गिरोह के सरगना सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से तीन पाकिस्तान निर्मित पिस्तौल, सात मैगजीन, 13 कारतूस, एक चारपहिया वाहन, छह मोबाइल फोन और 10 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं।

गिरफ्तार पुरुषों की पहचान इनामुल हक, उसके अंगरक्षक रवि आनंद उर्फ सिंघा, तथा मो. शाहिद उर्फ अफरीदी खान और मो. सिराज के रूप में हुई है, जो इनामुल हक के रिश्तेदार बताए गए हैं। सभी के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा ने बताया कि पिछले महीने तुपुदाना थाना क्षेत्र में फायरिंग की एक घटना हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी केएसएस गिरोह ने ली थी। उस मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद कुछ अपराधियों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि केएसएस का सरगना सुजीत सिन्हा सीधे प्रिंस खान से संपर्क में है, जो इस समय यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में रह रहा है।

राणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए पंजाब मार्ग से हथियार मंगवाते थे। इन हथियारों का इस्तेमाल देशभर में व्यापारियों को डराने और उनसे रंगदारी वसूलने के लिए किया जाता था। रांची में इनामुल हक उर्फ बाबलू खान अपने साथियों के साथ सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान के लिए रंगदारी वसूलता था।

एसपी ने बताया कि इन लोगों द्वारा वसूला गया पैसा सुजीत सिन्हा के गुर्गों की मदद से प्रिंस खान तक पहुंचाया जाता था, जो उसे यूएई के जरिए पाकिस्तान भेजता था। वहीं से उस धनराशि का उपयोग अवैध हथियार खरीदने और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में किया जाता था। रिया सिन्हा को गिरफ्तार कर ओरमांझी थाना में मामला दर्ज किया गया है। उसके खिलाफ पहले से गैर-जमानती वारंट जारी था।

एसपी ने कहा कि रिया, इनामुल हक के साथ मिलकर रांची में हथियारों की आपूर्ति का काम कर रही थी। उसे अदालत में पेश किया जाएगा। राणा ने बताया कि जांच में यह भी स्पष्ट हो गया है कि ये सभी हथियार पाकिस्तान से सप्लाई किए गए थे।

उन्होंने कहा कि हमें यह भी जानकारी मिली है कि कुछ महिलाएं पंजाब से रांची तक हथियारों की डिलीवरी के लिए आई थीं। पाकिस्तानी हथियार सप्लायर का नाम भी सामने आया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, इनामुल हक के खिलाफ रांची के विभिन्न थानों में कुल 10 आपराधिक मामले लंबित हैं।

कनाडा के विज्ञापन पर भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ट्रेड को लेकर रोकी बातचीत

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कनाडा के एक विज्ञापन को देखकर इतना भड़क उठे कि उसके साथ ट्रेड पर जारी बातचीत पर तत्काल रोक लगा दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर इसकी जानकारी दी।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, रोनाल्ड रीगन फाउंडेशन ने अभी घोषणा की है कि कनाडा ने धोखाधड़ी से एक विज्ञापन का इस्तेमाल किया है, जो कि फेक है। इस विज्ञापन में रोनाल्ड रीगन टैरिफ के बारे में नकारात्मक बातें करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह विज्ञापन 75,000,000 डॉलर का था। उन्होंने लिखा, ऐसा सिर्फ अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट और अन्य अदालतों के फैसलों में दखल देने के लिए किया गया। टैरिफ अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उनके इस घटिया हरकत के आधार पर, कनाडा के साथ सभी व्यापारिक वार्ताएं समाप्त की जाती हैं। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद।

इस विज्ञापन की वजह से अमेरिका और कनाडा के बीच फिर से विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के बीच भी तनाव बढ़ता नजर आया था।

कनाडा के ओंटारियो प्रांत की सरकार की फंडिंग पर विज्ञापन को रिलीज किया गया। इस विज्ञापन में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के 1987 के एक भाषण के ऑडियो का इस्तेमाल किया गया।

इसे लेकर रीगन फाउंडेशन की तरफ से कहा गया है कि पूर्व राष्ट्रपति के भाषण के इस्तेमाल के लिए उनसे अनुमति नहीं ली गई थी। फाउंडेशन ने आरोप लगाया कि इसे भ्रामक तरीके से एडिट किया गया है, इसलिए वे कानूनी कार्रवाई के बारे में सोच रहे हैं।

जिस ऑडियो क्लिप को लेकर इतना बवाल मचा है, उसमें पूर्व राष्ट्रपति रीगन टैरिफ का जिक्र करते हुए कहते हैं कि टैरिफ अमेरिकी अर्थव्यवस्था को कमजोर करते हैं, नौकरियां छीनते हैं और उपभोक्ता पर बोझ डालते हैं।

चुनाव में मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को मिलेगी जरूरी सुविधाएं

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा और अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में होने वाले उपचुनावों के लिए मतदान के दिन न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित कराने के लिए प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं में पेयजल, प्रतीक्षालय, जल सुविधा, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, दिव्यांग मतदाताओं के लिए उचित ढलान वाले रैम्प, मानक मतदान कक्ष और उचित संकेतक शामिल हैं।

आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं की जागरूकता के लिए, सभी मतदान केंद्रों पर चार समान और मानकीकृत मतदाता सुविधा पोस्टर (वीएफपी) प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे, जिनमें मतदान केंद्र का विवरण, उम्मीदवारों की सूची, क्या करें और क्या न करें, अनुमोदित पहचान दस्तावेजों की सूची और मतदान प्रक्रिया की जानकारी शामिल होगी।

इसके अलावा प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सहायता बूथ (वीएबी) स्थापित किए जाएंगे, जहां बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ)/कर्मचारियों की टीम मतदाताओं को संबंधित बूथ मतदाता सूची में मतदान केंद्र संख्या और क्रम संख्या ढूंढने में मदद करेगी।

इसके साथ ही मतदाता सहायता बूथ पर प्रमुख संकेतक चिह्न लगे होंगे और मतदान परिसर में मतदाताओं के पहुंचने पर वे सुगमता से दिखेंगे।

चुनाव आयोग की विशिष्ट पहल के तहत, मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार के बाहर मतदाताओं को अपने मोबाइल फोन जमा कराने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मतदान केंद्र में प्रवेश से पहले मतदाताओं को अपना फोन बंद कर निर्दिष्ट स्वयंसेवक को देना होगा जिसे मतदान के बाद वापस लिया जा सकता है।

आयोग ने प्रदेश के अधिकारियों से कहा है कि न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करना और संबंधित उपाय करना अनिवार्य हैं और सभी मतदान केंद्रों पर इनके सख्त अनुपालन की निगरानी की जाएगी। सभी क्षेत्रीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे मतदान तिथियों से पहले ही ये आवश्यक कार्य पूरा कर लें ताकि सभी मतदाताओं के लिए निर्बाध और सुविधाजनक मतदान सुनिश्चित हो सके।

पुलिसवाले पर रेप का आरोप

हथेली पर लिखी आपबीती और फर्जी पोस्टमार्टम का दबाव, महाराष्ट्र में डॉक्टर की आत्महत्या से मचा हड़कंप

सातारा, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक गंभीर मामला सामने आया है। सतारा के एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत 28 वर्षीय महिला डॉक्टर ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। महिला ने अपनी हथेली पर नोट लिखा, जिसमें उन्होंने पुलिसकर्मी गोपाल बडाने पर पिछले पांच महीनों से बार-बार बलात्कार और यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। नोट में उन्होंने प्रशांत बंकर का नाम भी लिया और उस पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया। प्रशांत बंकर उस घर के मकान मालिक के बेटे हैं, जहां डॉक्टर रह रही थीं। महिला डॉक्टर बीड़ जिले की रहने वाली थीं और फलटन स्थित सरकारी अस्पताल में कार्यरत थीं। घटना सामने आने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और हथेली पर लिखे नोट की फॉरेंसिक जांच शुरू की। आरोपी पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है और दोनों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

स्थानीय पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दोनों के खिलाफ बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया गया है और सभी आवश्यक कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए सतारा के पुलिस अधीक्षक से बात की और महिला डॉक्टर द्वारा नामित अधिकारियों को तुरंत निलंबित करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित के परिवार ने कथित दबाव और साजिश की बात कही है। उनका कहना है कि डॉक्टर पर गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार करने के लिए पुलिस और राजनीतिक दबाव था। परिवार ने न्याय की मांग की और आरोपियों को सजा देने की बात कही। डॉक्टर के एक रिश्तेदार ने बताया कि वह उज्जवल और महत्वाकांक्षी थीं, लेकिन कार्यस्थल पर उत्पीड़न के कारण मानसिक दबाव में थीं, जिसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। महिला डॉक्टर ने आत्महत्या से दो दिन पहले ही वरिष्ठ अधिकारियों से उत्पीड़न की शिकायत की थी। महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग की अध्यक्ष रुपाली चकंर ने सतारा पुलिस को आरोपी की तलाश और पूरे मामले की जांच का आदेश दिया। राज्य मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि मामले में विस्तृत जांच होगी और मीडिया ट्रायल नहीं होना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य राज्य मंत्री मेघना बोरडिकर ने बताया कि उन्होंने सतारा सिविल सर्जन से बात की, जिन्होंने कहा कि डॉक्टर ने पूर्व में किसी भी उत्पीड़न की शिकायत नहीं की थी। विपक्ष ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता विजय नामदेवराव वडेट्टीवार ने कहा कि जब पुलिस ही शिकार बन जाए तो न्याय कैसे मिलेगा। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो ऐसे मामले लगातार सामने आएंगे। शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे ने कहा कि यह घटना चिंताजनक है और कानून व्यवस्था पर सवाल उठाती है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मंत्रियों को जिम्मेदार ठहराने की मांग की और कहा कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

योगी सरकार का बड़ा फैसला

30 साल बाद पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में बढ़ोत्तरी

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में अभूतपूर्व प्रशासनिक सुधार की घोषणा की है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। यह कदम विभाग को अधिक स्वायत्तता, दक्षता और पारदर्शिता की दिशा में ले जाएगा। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को हुई लोक निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि अब अधिकारियों को निर्णय लेने में अधिक स्वायत्तता मिलेगी, जिससे निविदा, अनुबंध गठन और कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी।

बैठक में यह तथ्य सामने आया कि लोक निर्माण विभाग के वित्तीय अधिकार साल 1995 में तय किए गए थे। इस बीच निर्माण सामग्रियों और परियोजनाओं की लागत में कई गुना वृद्धि हो चुकी है। कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स के अनुसार, 1995 से 2025 के बीच लागत में लगभग 5.52 गुना तक की वृद्धि दर्ज की गई है। सीएम ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक है, ताकि निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए। परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

सीएम योगी के निर्णय के अनुसार, विभागीय अभियंताओं के वित्तीय अधिकार बढ़ाए गए हैं। इसके तहत अब चीफ इंजीनियर 10 करोड़ तक के खर्च को स्वीकृति दे सकेंगे। पहले यह सीमा दो करोड़ रुपये थी। वहीं, अधीक्षण अभियंता 1 करोड़ की जगह 5 करोड़ रुपये और अधिशासी अभियंता अब 40 लाख रुपये की जगह 2 करोड़ रुपये तक के खर्च स्वीकृत कर सकेंगे। सहायक अभियंता के सीमित अधिकार होंगे। उन्हें टेंडर और छोटे कार्यों की अनुमति बढ़ाई जाएगी।

पीडब्लूडी विभाग में कई जनता से जुड़ी योजनाएं वित्तीय स्वीकृति के अभाव में लंबे समय तक लटकी रह जाती हैं। जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा के बाद भी योजनाओं को गति के साथ चलाने में सफलता नहीं मिल पाती है। ऐसे में अब अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में वृद्धि किए जाने से निर्माण योजनाओं को गति प्रदान करने में मदद मिलेगी। प्रदेश में योजनाओं की गति को तेज किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये बदलाव वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए विभाग को अधिक सक्षम बनाएंगे और अनावश्यक अनुमोदन प्रक्रियाओं से मुक्ति दिलाएंगे। बैठक में यह भी तय किया गया कि सिविल कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों की सीमा अधिकतम पांच गुना तक और विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए कम से कम दो गुना तक बढ़ाई जाएगी। अपर मुख्य सचिव (लोक निर्माण विभाग) ने सीएम को बताया कि नई व्यवस्था से परियोजनाओं की स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी आएगी और फाइलें उच्च स्तर पर अटकने की समस्या समाप्त होगी।

बैठक में उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन का प्रस्ताव भी मंजूर किया गया। संशोधन के तहत विद्युत और यांत्रिक संवर्ग में कई नए पदों की सृजना की जाएगी। पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद बनाया गया है। मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

पदोन्नति की प्रक्रिया, पात्रता और वेतनमान को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। अब मुख्य अभियंता (स्तर-दो) से मुख्य अभियंता (स्तर-एक) पर पदोन्नति वरिष्ठता के आधार पर होगी। इसी प्रकार अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता के पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया को भी नियमावली में पारदर्शी बनाया गया है।

संशोधित नियमावली में सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप अधिशासी अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता (स्तर-एक) तक के पदों के वेतनमान और पे मैट्रिक्स लेवल निर्धारित किए गए हैं। चयन समिति की संरचना को भी अद्यतन किया गया है ताकि पदोन्नति और नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बन सके। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोक निर्माण विभाग राज्य की विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसलिए, इंजीनियरों की सेवा नियमावली को समयानुकूल, व्यावहारिक और पारदर्शी बनाना अत्यंत आवश्यक है। योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति व्यवस्था से विभाग की कार्यकुशलता और सेवा भावना को नई दिशा मिलेगी।

यूपी में फिलहाल एसआईआर नहीं

पंचायत चुनाव को देखते हुए चुनाव आयोग में बनी सहमति

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी में फिलहाल एसआईआर नहीं होगा। पंचायत चुनाव को देखते हुए चुनाव आयोग में यह सहमति बनी है। कुछ मुख्य चुनाव अधिकारियों ने सुझाव दिए हैं कि जिन राज्यों में स्थानीय निकाय के चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां इस चरण में एसआईआर नहीं कराया जाए।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव की मतदाता सूचियों का गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान फिलहाल नहीं चलेगा। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, पंचायत चुनाव के मद्देनजर इस पर चुनाव आयोग में सहमति बन गई है।

इस संबंध में हाल ही में दिल्ली में चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, तय हुआ है कि पहले उन पांच राज्यों में एसआईआर होगा, जहां वर्ष 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ये राज्य हैं-असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिमी बंगाल। इसके साथ कुछ अन्य राज्य भी आयोग शामिल कर सकता है।

कुछ मुख्य चुनाव अधिकारियों ने सुझाव दिए कि जिन राज्यों में स्थानीय निकाय के चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां इस चरण में एसआईआर नहीं कराया जाए। इसकी वजह दोनों ही तरह की मतदाता सूचियों के लिए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) का कॉमन होना बताया गया।

इन राज्यों में इस चरण में एसआईआर कराने पर काम की अधिकता हो जाने से गड़बड़ियों की आशंका भी जताई गई। बताते हैं कि इस पर चुनाव आयोग के अधिकारियों ने भी सहमति जताई।

बिहार चुनाव के लिए ले जाई जा रही 25 लाख की बीयर-शराब अलीगढ़ में पकड़ी

अलीगढ़, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली से बिहार केंटर से ले जाई जा रही 387 पेटी अवैध बीयर और शराब अलीगढ़ में पकड़ी गई है। मौका देखकर कैंटर चालक मौका देखकर भाग गया। बताया जा रहा है कि पकड़ी गई अवैध शराब और बीयर विधान सभा चुनाव के लिए ले जाई जा रही थी। बीयर व शराब की कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी जा रही है।

अलीगढ़ की बन्नादेवी पुलिस एवं क्रिमिनल इंटेलीजेन्स विंग नगर व देहात की टीम ने गैर प्रान्त से बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब की तस्करी के लिए परिवहन की जा रही भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब एवं बीयर की 387 पेटी, जिसकी कीमत अनुमानित 25 लाख रूपये मय डीसीएम कैंटर नंबर एचआर 38 एएच 8918 पकड़ी है।

24 अक्तूबर को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक कैंटर दिल्ली की तरफ से आकर अलीगढ़ में जेल पुल होते हुए बिहार चुनाव के लिए जा रहा है, जिसमें अवैध शराब लदी हुई है । सूचना पर पुलिस ने कोल तहसील तिराहे पर आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग की। सूतमील चौराहा की तरफ से एक गाड़ी आती हुई दिखाई दी। पुलिस को चैकिंग करते हुए देख कर गाड़ी चालक वहां से कुछ दूरी पहले जीटी रोड पर गाड़ी खड़ी करके नुमाइश मैदान की तरफ भाग गया। पुलिस ने चालक का पीछा किया, परन्तु चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया । पुलिस को कैंटर के अन्दर गत्ते में पैक अलग-अलग ब्रांड की अंग्रेजी शराब व बीयर की 387 पेटी गैर प्रान्त की बरामद हुई। जिसकी कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी जा रही है। मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।

लखनऊ में आग का तांडव : तीन मंजिला मकान और गोदाम जलकर खाक! 5 फायरकर्मी घायल

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में शुक्रवार शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक मकान में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पास के फोटो फ्रेम के गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही बीकेटी, इंदिरानगर और हजरतगंज फायर स्टेशनों से दमकल की कुल 8 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग इतनी भयंकर थी कि मकान की तीनों मंजिलों से आग की लपटें निकल रही थीं।

रेस्क्यू अभियान के दौरान गोदाम का छज्जा गिर गया, जिससे पांच फायरकर्मी घायल हो गए।

करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आखिरकार आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि अंदर फंसे कुछ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंकुश मित्तल खुद मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन की कमान संभाली। उन्होंने बताया कि शाम करीब 6:30 बजे उस्मानपुर सेक्टर-के में आग लगने की सूचना मिली थी। फिलहाल आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है। टीम ने मकान और गोदाम की हर मंजिल की तलाशी लेकर यह सुनिश्चित किया कि अंदर कोई व्यक्ति फंसा न हो।

सीएफओ अंकुश मित्तल ने बताया कि दमकल की कई गाड़ियां बीकेटी और इंदिरानगर स्टेशनों से तुरंत मौके पर पहुंची थीं। हमारी प्राथमिकता आग बुझाने के साथ-साथ लोगों की जान बचाना था। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट-सर्किट या फोटो फ्रेम बनाने में इस्तेमाल होने वाली ज्वलनशील सामग्री मानी जा रही है। हालांकि, सटीक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा। किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

जानकारी के मुताबिक, आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर पर बने फोटो फ्रेम यूनिट से शुरू हुई और फिर धीरे-धीरे ऊपरी मंजिलों और बगल के गोदाम तक फैल गई। गोदाम में रखे लकड़ी के फ्रेम, प्लास्टिक शीट्स और केमिकल्स ने आग को तेजी से भड़काया। कुछ देर के लिए बिजली सप्लाई भी काट दी गई, ताकि आग और न फैले। फायर ब्रिगेड की टीम ने पानी की बौछारों के साथ-साथ फोम टैंकरों का इस्तेमाल किया। आसपास के मकानों को भी खाली करा लिया गया, ताकि किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। वहीं, दमकल कर्मियों ने कूलिंग ऑपरेशन भी चलाया।

शोध में खुलासा: विकास की दौड़ में प्रदेश के बाकी हिस्सों से अब भी पीछे है पूर्वी यूपी

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को यदि एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, तो पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के बीच विकास का संतुलन बनाना होगा। लेकिन, धरातल पर सच्चाई कुछ और है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से की अर्थव्यवस्था पर आई एक रिपोर्ट कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और प्रो. रोली मिश्रा की ओर से किए गए शोध में सामने आया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिले आज भी विकास के निचले पायदान पर अटके हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच, राज्य के सबसे पिछड़े जिलों में शामिल हैं। शोध और इस विस्तृत अध्ययन को प्रतिष्ठित- इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट में प्रकाशित किया गया है।

शोध में उत्तर प्रदेश के 28 जिलों के विकास की तस्वीर को 19 सामाजिक और आर्थिक संकेतकों के आधार पर परखा गया। इनमें आय, शिक्षा, कृषि, रोजगार, स्वास्थ्य, उद्योग और बुनियादी ढांचा शामिल रहे। शोधकर्ताओं ने जिलों की तुलना के लिए व्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का उपयोग किया और प्रत्येक जिले को एक विकास स्कोर दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच आदि जिलों की सड़कें, बिजली, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाएं तुलनात्मक रूप से कमतर हैं। अध्ययन में निष्कर्ष निकला है कि ये जिले राज्य की विकास सूची के काफी नीचे हैं।

यही नहीं, पूर्वी यूपी के कई जिलों में औद्योगिक और बुनियादी ढांचे का स्तर बेहद कमजोर पाया गया। साथ ही कृषि और रोजगार के सूचकांक सबसे कमजोर रहे। यानी, पूर्वांचल में विकास की रफ्तार अब भी बेहद धीमी है।

शोध के अगुआ डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य का कहना है कि पूर्वी यूपी में सुविधाएं अब भी कमतर हैं, निवेश लगभग ठहर गया है। वहीं प्रो. रोली मिश्रा का कहना है कि गांवों में सड़कें, बिजली और स्कूलों की गुणवत्ता और बेहतर करनी होगी।

मंत्री बेबी रानी मौर्य की कार का आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक्सिडेंट, बाल-बाल बचीं

फिरोजाबाद, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य की कार का आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भीषण एक्सीडेंट हो गया। हादसा कठफोरी गांव के पास किलोमीटर संख्या 56 पर हुआ। हालांकि, राहत की बात यह रही कि मंत्री इस हादसे में सुरक्षित रहीं। मंत्री की कार का ट्रक से टक्कर होने की बात सामने आई है। इसके बाद मंत्री का काफिला एक्सप्रेसवे पर रुक गया। आनन-फानन में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

जानकारी के मुताबिक, मंत्री बेबी रानी मौर्य शुक्रवार की देर शाम लखनऊ की ओर जा रही थीं। एक्सप्रेसवे पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण वहां डायवर्जन बनाया गया था, लेकिन उस पर स्पष्ट संकेत या साइन बोर्ड नहीं लगे थे। इसी वजह से उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे फिसल गई और ट्रक से टकरा गई।

घटना की जानकारी मिलते ही सिरसागंज के क्षेत्राधिकारी (सीओ) भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मंत्री की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली और यातायात को नियंत्रित किया ताकि जाम की स्थिति न बने। मंत्री को तुरंत दूसरी गाड़ी से लखनऊ के लिए रवाना किया गया।

हादसे के बाद मंत्री बेबी रानी मौर्य ने यूपी एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे पर डायवर्जन के स्पष्ट चिन्ह न होना गंभीर लापरवाही है। इससे किसी की जान भी जा सकती थी। मंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की।

स्थानीय प्रशासन ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क किनारे से हटाकर यातायात को सामान्य कर दिया। दरअसल, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर स्पष्ट साइन बोर्ड और डायवर्जन संकेतों की कमी के कारण पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। मंत्री की गाड़ी के साथ हुआ यह हादसा एक बार फिर यूपीडा की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

हादसे से कुछ घंटे पहले बेबी रानी मौर्य हाथरस जिले में थीं। वहां उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने जिस तरह देश को एकजुट किया, उसी भावना को आगे बढ़ाने के लिए राज्य में 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक पदयात्राएं निकाली जाएंगी।

बसपा में फिर उलटफेर, सरवर मलिक बने लखनऊ मंडल के मुख्य प्रभारी

लखनऊ, 24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी में लखनऊ और कानपुर मंडल की जिम्मेदारी संभाल रहे शमसुद्दीन राइन को बर्खास्त करने के बाद वरिष्ठ नेता एवं लखनऊ महानगर के सलाहकार सरवर मलिक को लखनऊ मंडल का मुख्य प्रभारी बनाया गया है। सरवर मलिक लखनऊ के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी भी रह चुके हैं। इसके अलावा मुनकाद अली कानपुर और लखनऊ मंडल की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं दूसरी ओर पार्टी ने मुस्लिम भाईचारा संगठन का पुनर्गठन करने का फैसला भी लिया है। इसके अलावा पश्चिमी यूपी में भी संगठन में कई फेरबदल किए गए हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने

आगामी एक नवंबर को बामसेफ की बैठक भी बुलाई है। इसमें पिछड़े वर्ग के लोगों को भी शामिल करने पर मंथन चल रहा है, जिसके बारे में मायावती अंतिम निर्णय लेंगी। दरअसल, बसपा ने मिशन 2027 के तहत संगठन को मजबूत करने के लिए बामसेफ कैडर को फिर से जिंदा करने की कवायद तेज कर दी है।

इससे पहले वर्ष 2024 में भी ऐसी कवायद हो चुकी है, हालांकि उस दौरान खास सफलता नहीं मिली थी। अब बामसेफ को पुनर्गठित कर बसपा को मजबूत किया जाएगा। बामसेफ में अधिकतर लोग सरकारी सेवाओं से जुड़े हैं, जो पार्टी के विचारों को आगे बढ़ाने के साथ आर्थिक सहयोग भी करते हैं। अब उनका समर्थन पार्टी को नई ऊर्जा दे सकता है। बसपा के शुरुआती दौर में बामसेफ की अहम भूमिका रही थी, जिसकी वजह से पार्टी तेजी से आगे बढ़ती गई।

विंटर फैशन में फर का बोलबाला...

जैसे-जैसे मौसम बदलता है, फैशन का अंदाज भी बदलने लगता है। सर्दियों में गर्म कपड़ों की जरूरत तो पड़ती ही है। लेकिन मॉडर्न युग में गर्म कपड़े जरूरत के अलावा फैशन के

तौर पर भी खरीदे जाते हैं। तभी तो रैंप पर भी मॉडल्स गर्म कपड़ों में अपने हॉट अंदाज का जलवा बिखेरती हुई नजर आती हैं। जहां तक बात फर ड्रेस की है तो यह हर साल ही फैशन में इन रहते हैं। फैशन डिजाइनर्स का भी मोह इनसे कभी नहीं टूटता। तभी तो इस साल भी कोट से लेकर स्टोल्स आदि में फर का प्रयोग भरपूर देखने को मिला। फर कोट तो हमेशा से ही महिलाओं की पहली पसंद रहे हैं। इसका मुख्य कारण है इनका गर्म होने के साथ-साथ स्टाइलिश होना। लेकिन इस बार फर कोट डिफरेंट वैरायटी व लेंथ में मौजूद हैं। फर कोट्स में मिंक कोट से लेकर फॉक्स फर कोट, लेदर कोट विद फर, लॉन्ग कोट विद फर कॉलर, ओवरसाइज फर कोट फैशन में इन हैं। वैसे इसके अतिरिक्त इस सर्दी में पैचवर्क भी फैशन में बना हुआ है। इसलिए कोट्स में पैचवर्क को विद फर इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देखने में बेहद स्टाइलिश व आकषर्क लगता है। अगर आपको पूरी तरह फर पहनना पसंद नहीं है तो आप अपने लुक में फर का हल्का सा टच भी दे सकती हैं। मसलन, फर के स्टोल्स भी इस साल ट्रेंड में बने हुए हैं। इससे आप अपने लुक में एक नया निखार ला सकती हैं। साथ ही फर स्टोल्स को डिफरेंट तरीके से कैरी करके हर दिन एक नया लुक पा सकती हैं। इसके अतिरिक्त आजकल ड्रेसेज के सिर्फ कफ्स को आकषर्क बनाने के लिए उनमें फर का प्रयोग किया जा रहा है। इससे आपकी ड्रेस में फर का हल्का सा टच आ जाएगा। वैसे आप चाहें तो फर का प्रयोग बतौर एक्सेसरीज भी कर सकती है। इनमें फर बैग्स व बूट्स पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है।आजकल मार्केट में फर आईटम्स लगभग हर कलर में अवेलेबल हैं। जहां तक बात फर स्टोल्स की है तो आप इनमें सिंगल कलर से लेकर ड्यूल शेड, मल्टीकलर, प्रिंटेड व स्ट्राइप्स इत्यादि पैटर्न आसानी से खरीद सकती हैं।

पॉप कलर्स के वूलन्स..

विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

फ्लाइट में कान दर्द से बचें...

आप जल्द और सुविधाजनक यात्रा के लिए हवाई मार्ग का चयन करते हैं और फ्लाइट से कहीं आने-जाने में आनंद भी आता है लेकिन जब आप टेक ऑफ और लेंड करते हैं तो कानों में काफी पीड़ादायक अनुभव होता है। असमान के दबावों के कारण प्राय: कान में दर्द होता है। जब प्लेन उतरता है तो कानों के पर्दे में दबाव बढ़ जाता है। फ्लाइट में कान दर्द से बचने के लिए कुछ तरीके हैं। नाक से ध्वनि यानी ब्लोइंग निकालें। कान के भीतर के वायु दबाव को आस-पास के वायु दबाव के बराबर करने के लिए यह सबसे आसान तरीका है। इससे बहुत जल्द कान दर्द से आराम मिलता है। हवाई यात्रा के दौरान अगर कान दर्द महसूस हो रहा हो तब मिठाई खाएं या चूसें और नाक से ध्वनि निकालें और मुंह में हवा भर कान में भरें। दवाब को नियंत्रित करें और इससे दर्द कम होगा। फ्लाइट से उतरने के दौरान यूस्टेकियन ट्यूब को अनब्लॉक करने के लिए यॉनिंग और स्वॉलोविंग मसल्स को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे कान दर्द से राहत मिलती है।

इस तरह न बैठें...

हर किसी के बैठने का तरीका अलग होता है। वैसे ज्यादातर लोग पैर क्रॉस करके बैठते है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। पैर क्रॉस करके बैठना हमें बीमार बना सकता है। इस पोजीशन में बैठने से ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। शरीर में खून का प्रवाह पैरों से ही दिल की तरफ होता है। पैर क्रॉस करके बैठने से खून को दिल तक पहुंचने में काफी दिक्कत होती है। इससे पैरालिसिस भी हो सकता है। जब हम पैर क्रॉस करके बैठते है तो पैरीनील नर्व पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां सुन्न हो जाती हैं। ज्यादा समय तक पैर क्रॉस करके बैठने से रीढ़ की हड्डी में परेशानी हो सकती है। नसों में सूजन भी हो सकती है। नसों को नुकसान पहुंचता है और वे कमजोर हो जाती हैं।

थकान से मौत...?

दफ्तर में बहुत से लोग हफ्ते की छुट्टी के बाद भी थके हुए नजर आते हैं। कई बार दो दिन के वीकली ऑफ के बावजूद ताजगी महसूस नहीं होती। आपने कभी सोचा है कि आखिर इसकी क्या वजह है? आज के समय में नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है और थकान चरम पर पहुंच जाती है। थकान की ऐसी हालत मौत का कारण भी बन सकती है।

आजकल लोग छुट्टियों में भी देर रात तक फोन पर लगे रहते हैं। ऑफिस की ई-मेल पढ़ते हैं। घर पर रहते हुए भी कॉन्फ्रेंस कॉल निपटाते हैं। कुल मिलाकर छुट्टी के दिन भी लोग दफ्तर की जिम्मेदारियों को सिर पर सवार रखते हैं। ऐसे में जब वे दो दिन की छुट्टी के बाद दफ्तर आते हैं तो तरोताजा लगने के बजाय थके हुए नजर आते हैं। ऐसे हालात पूरी दुनिया में हैं। कुछ लोग आगे बढ़ने के लिए अपने छुट्टी के दिन को भी कुर्बान करने को तैयार रहते हैं।

तो कुछ के लिए छुट्टी के दिन भी कंपनी का काम करना मजबूरी होती है। आज नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है। यह तनाव और थकान मौत का कारण भी बन सकती है। अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेस के मुताबिक, काम के तनाव के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था को हर साल 300 अरब डॉलर का नुकसान होता है। ऑनलाइन ट्रैवेल कंपनी एक्सपेडिया के मुताबिक उसके केवल आधे कर्मचारी साप्ताहिक छुट्टी के बाद ताजगी के साथ दफ्तर आते हैं।

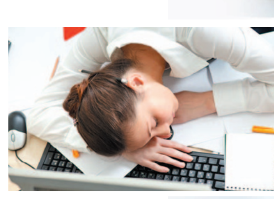

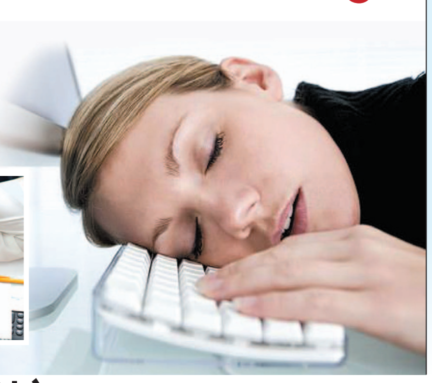

सैटरडे सिंड्रोम

ब्रिटेन में 'सैटरडे सिंड्रोम' की बड़ी चर्चा होती है, जब लोग अपने खाली वक्त में बीमार पड़ जाते हैं। वहीं अमेरिका में हफ्ते में साठ घंटे काम करने का चलन तनाव बढ़ा रहा है। लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है। जापान में तो काम के बोझ के चलते मौत के लिए नया शब्द ही ईजाद कर लिया गया है-करोशी, यानी थकान से मौत। लोगों को हर वक्त फेसबुक स्टेटस या इंस्टाग्राम पर फोटो अपडेट करना होता है। यूं लगता है कि ऐसा नहीं किया तो मानों जिंदगी में कुछ नहीं किया। वैसे कुछ थके हुए लोगों के साथ कुछ ऐसे भी होते हैं जो छुट्टी के बाद एकदम तरोताजा नजर आते हैं। इनमें से कई तो ऐसे होते हैं जिनके ऊपर काम का बोझ ज्यादा होता है। आखिर क्यों कुछ लोग बीमार पड़ जाते हैं तो कुछ लोग ज्यादा काम होने पर भी ताजादम नजर आते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जब लोग दफ्तर का तनाव घर ले जाते हैं तो यह आपके दिमाग को एक्टिव रखता है। उन बातों पर उसका ध्यान लगा रहता है, जिनसे आप दफ्तर में जूझते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं।

सब कुछ सोच पर निर्भर

बहुत दिनों से इस बात की तुलना की जा रही है कि जो लोग वीकेंड पर भी दफ्तर का काम निपटाते हैं और जो लोग छुट्टियों में पूरी तरह काम से दूर रहते हैं, उनमें क्या फर्क होता है? मगर इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। दो लोग अलग हालात में अलग तरह से प्रतिक्रिया देते हैं। असल में सब कुछ हमारी सोच, हमारे दिमाग में होता है। जो लोग पॉजिटिव सोच वाले होते हैं उनके लिए घर पर भी दफ्तर का काम थकाने वाला नहीं होता। वहीं जो लोग नेगेटिव सोच वाले होते हैं, उनके लिए हर जगह, हर काम उबाऊ और थकाने वाला होता है। ये लोग छुट्टियों के दिन भी थकान उतारने में नाकाम रहते हैं। फिर दफ्तर लौटते हैं तो थके हुए नजर आते हैं। तनाव से निपटने का तरीका भी अलग-अलग हो सकता है।

लंबे समय से थकान

लंबे समय तक थकान से परेशान लोगों को न आसानी से नींद आती है और न ही आराम मिलता है। पिछले कुछ सालों से दुनिया भर में 30 से 45 आयु वर्ग के कामकाजी लोगों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। दो हफ्ते से अधिक की थकान की अनदेखी न करें ऐसी स्थिति में जीवनशैली में बदलाव करने की ओर कदम बढ़ाना जरूरी है। ऐसा नही होने पर इंसानी शरीर पर कई मानसिक और शारीरिक बीमारियों से घिरने की आशंका बढ़ जाती है। स्टडी के अनुसार लंबे समय तक थकान महसूस होने से शरीर का रोग प्रतिरोधी सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में थकान से पीड़ित व्यक्ति अनचाहे रोगो का शिकार भी हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही थकान को क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम या सीएफएस का नाम दिया गया है। इसके मामले कुछ सालों में इतने बढ़ गए हैं कि बीते साल यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन ने इस पर लंबी रिपोर्ट पेश करते हुए इसको सिस्टेमेटिक एक्जरशन इनटॉलरेंस डिजीज का नया नाम दिया। सीएफएस के लक्षण कुछ इस तरह के हो सकते है। जैसे रुक रुक कर सिर दर्द होना, मांस पेशियों और जोड़ों में दर्द होना और मांसपेशियों में कमजोरी आना, मूड स्विंग होना और नींद ना आना जैसे लक्षण सामान्य होते हैं।

मन की थकान

कुछ लोग अपने जीवन में नित नई ऊर्जा भरते जाते हैं, आगे बढ़ते जाते हैं, तो कुछ लोग लगातार थकते जाते हैं और एक दिन इतना थक जाते हैं कि उनके जीवन से आनंद का रस ही खत्म हो जाता है। उन्हें किसी काम में मजा ही नहीं आता। यहां तक की उन्हें कोई नई बात कह भर दी जाए, तो वो आगबबूला हो जाते हैं। इसकी वजह है शरीर की थकान से भी खतरनाक मन की थकान। मन की यह थकान इतनी खतरनाक है कि उसके बाद सिवाय अवसाद के और कुछ जीवन में नहीं रह जाता। यह दुनिया वहीं है, लोग वहीं हैं, कुदरत वही है, लेकिन इसके बावजूद हमारे भीतर बहुत कुछ बदल रहा है। यह बदलाव यदि सकारात्मक है तो हम जीवन के उच्चतम स्तर को पाएंगे और इसके उलट यह बदलाव यदि नकारात्मक है तो एक दिन हम मन की थकान के उस आखिरी स्तर पर पहुंच जाएंगे जिसे अवसाद कहते हैं।

माहौल बदलें

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि कई बार थकान उतारने में भी लोग खीझ उठते हैं। उन्हें लगता है कि कितने दिनों से उन्होंने ई-मेल या सोशल मीडिया अकाउंट ही नहीं चेक किया। इससे भी उनका तनाव बढ़ सकता है। यानी कुछ लोगों के लिए खाली बैठना भी तनाव को दावत देने जैसा है। तो उन्हें कुछ न कुछ काम करते रहना चाहिए। जैसे कि योग या ध्यान करें। किसी खेल-कूद में मन लगाएं। दौड़ने ही निकल जाएं या जाकर पास के पार्क में टहलें। इससे तनाव कम करने में मदद मिलेगी। चीजों और माहौल को लेकर अपनी सोच में बदलाव लाना, तनाव कम करने के लिए बहुत जरूरी है। सोच में बदलाव लाने में थोड़ा वक्त लगता है। तीन से छह महीने भी लग सकते हैं। तब तक आप अपने आप को बदलने की कोशिश जारी रखिए। और हां, दफ्तर जाना मत छोड़िए क्योंकि रोज की दिनचर्या के साथ बदलाव आएगा तो ही वह स्थायी होगा। आपको तय करना है कि आप किस रास्ते चल रहे हैं और सच पूछिए तो इसे आप ही जान सकते हैं। दरअसल, आप क्या कर रहे हैं से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप किसी काम को किस मनोभाव के साथ कर रहे हैं।

स्क्रैच कार्ड से कैंसर का खतरा...

अगर आप अपना मोबाइल रिचार्ज करने के लिए प्रीपेड कार्ड का उपयोग करते हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि स्क्रैच कार्ड के लेप में मौजूद भारी धातुओं के शरीर में जाने से कैंसर होने का खतरा है। मोबाइल फोन के प्रीपेड ग्राहकों के लिए मोबाइल रिचार्ज करने का सबसे आसान तरीका प्रीपेड कार्ड है। यही वजह है कि तमाम लोग अपने पास इमरजेंसी के लिए प्रीपेड कार्ड रखते हैं। जैसे ही उनका बैलेंस खत्म होता है, तो वे प्रीपेड कार्ड को स्क्रैच करके अपने मोबाइल को रिचार्ज कर लेते हैं। हालांकि यह तरीका बेहद आसान है, लेकिन पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि कार्ड स्क्रैच करने से लोग कैंसर के शिकार हो सकते हैं।

खतरनाक धातुएं

असल में प्रीपेड रिचार्ज कूपन का स्क्रैचिंग एरिया सिल्वर नाइट्रिक ऑक्साइड से कोटेड होता है। साथ ही, कोटिंग सामग्री में कैडमियम और एल्युमिनियम भी होता है। ज्यादातर लोग रिचार्ज कार्ड को नाखून की मदद से ही स्क्रैच करते हैं। ऐसे में, कोटिंग सामग्री में मौजूद तमाम खतरनाक धातुएं नाखून में जमा हो जाती हैं। इसके बाद जब भी लोग खाना खाते हैं, तो नाखून में मौजूद ये कोटिंग सामग्री खाने के साथ या फिर स्मॉल बॉडी वेसेल्स के जरिए सीधे शरीर में पहुंच जाते हैं।

डीएनए को नुकसान

आजकल कई परीक्षाओं में भी विद्यार्थी अपने प्रश्नपत्रा या कॉपी नंबर को स्क्रैच करते हैं। इसके अलावा, आजकल कई कंपनियां अपने उत्पाद के साथ फ्री गिफ्ट वाले स्क्रैच कार्ड भी देती हैं। इन सभी लोगों के कैंसर का शिकार होने का खतरा काफी ज्यादा होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्क्रैच कोटिंग में पाए जाने वाले रसायन शरीर में जाने के बाद डीएनए को क्षतिग्रस्त कर देता है। थोड़े समय बाद शरीर में कैंसर एजेंट कार्सिनोजेन विकसित हो जाता है। इस वजह से ब्लैडर कैंसर, लिवर कैंसर या ब्लड कैंसर होने की आशंका रहती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस कैंसर का पता बहुत बाद में पता लगता है।

ग्लैडर कैंसर

डॉक्टर मानते हैं कि भारी धातुओं की वजह से ग्लैडर कैंसर के मरीज बहुत देखने में आते हैं। इस तरह का कैंसर बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इसका पता काफी देर से चलता है। इसके डायग्नोसिस के लिए बायोप्सी का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा खून की जांच, पेशाब की जांच, इंडोस्कोपी, एक्सरे और अल्ट्रासाउंड की मदद से भी इसका टेस्ट किया जाता है।

ऐसे बचें

कैंसर के खतरों से बचने के लिए बेहतर है कि कार्ड स्क्रैच करने के लिए हाथों जगह कोई दूसरी ठोस वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाए। अगर हाथों से स्क्रैच कर रहे हैं तो तुरंत अपने हाथ साफ करें। बेहतर होगा कि मोबाइल में रिचार्ज कराने के लिए ई रिचार्ज या फिर इंटरनेट रिचार्जिंग की सुविधाएं अपनाएं।

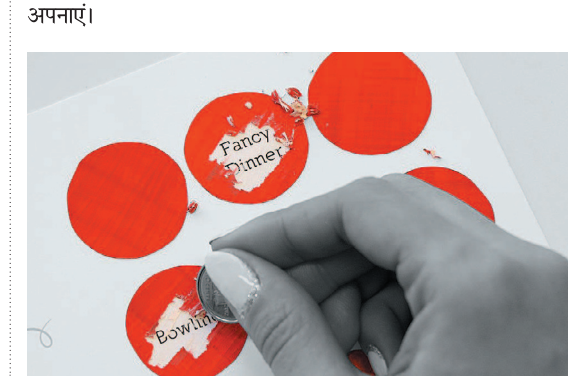

फोन तोड़ने में हम सबसे आगे...

मोबाइल फोन उपयोग के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है, लेकिन फोन तोड़ने के मामले में भारत ने सबको पीछे छोड़ दिया है। भारत में कुल मोबाइल फोन ग्राहकों में लगभग दो तिहाई लोग अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इसमें भी रोचक तथ्य यह है कि भारत में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा मोबाइल फोन ज्यादा गिराती हैं। एक सर्वे के मुताबिक गिरकर खराब हुए मोबाइल फोन में 58 फीसदी मामले महिलाओं द्वारा फोन गिराने के रहे हैं।

आठ माह में ही टूटे फोन

एक ताजा सर्वे के मुताबिक 50 प्रतिशत से अधिक लोगों के स्मार्टफोन की स्क्रीन अमूमन स्मार्टफोन खरीदने के आठ महीने के अंदर टूट जाते हैं। यात्रा करते समय, भीड़ से भरी ट्रेन या बस में चढ़ते या उतरते समय, कई काम एकसाथ करते समय, सेल्फी लेते समय अक्सर मोबाइल गिरकर टूट जाते हैं या खराब हो जाते हैं। गेजेट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सुरक्षा कंपनी 'आनसाइटगो' ने बीते एक साल के दौरान मरम्मत के लिए आए 4,000 से अधिक स्मार्टफोन के खराब होने के पीछे के कारणों का विश्लेषण किया। सर्वे के अनुसार, सेल्फी लेते समय फोन गिरने की घटना सर्वाधिक होती है और इसमें शायद ही किसी को यह मानने में परेशानी हो कि महिलाएं सेल्फी की दीवानी अधिक होती हैं।

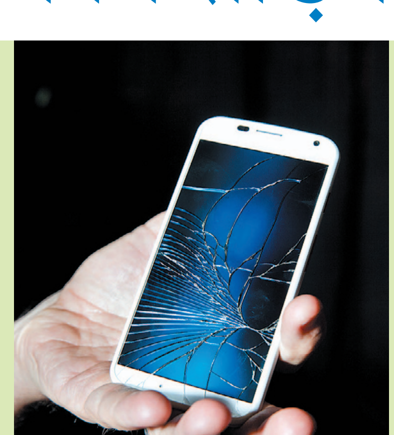

जागरूकता की कोशिश

वास्तव में यह सर्वे मोबाइल फोन के प्रयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए तथा मोबाइल को टूटने से बचाने के लिए किया गया। अगर लोगों को समझाया जाए कि मोबाइल फोन कौन सी स्थिति में टूट सकता है तो वे उन परिस्थितियों में अधिक सतर्कता बरत सकते हैं। सर्वे में पाया गया कि मरम्मत के लिए आए सर्वाधिक स्मार्टफोन में स्क्रीन टूटने की समस्या रही। मोबाइल फोन की स्क्रीन गिरने से टूटती है। गोरिल्ला ग्लास जैसे अत्याधुनिक तकनीक और टेम्पर्ड ग्लास के उपयोग से स्क्रीन खराब होने का खतरा कम होता है फिर भी इससे पूर्ण सुरक्षा नहीं मिलती।

टूटे फोन का इस्तेमाल

सर्वे से मिले कुछ रोचक तथ्यों पर गौर करें तो 36 प्रतिशत भारतीय फोन की स्क्रीन के टूटने के बाद भी या उंगली कटने के बावजूद उसका प्रयोग करते रहते हैं। 37 प्रतिशत भारतीयों के मुताबिक मरम्मत का खर्च सर्वाधिक है। 50 प्रतिशत भारतीय तो अपनी ही गलती से मोबाइल खराब करते हैं। विश्वभर में 50 फीसदी से भी ज्यादा लोग अब तक कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। भारत में 65 फीसदी से भी ज्यादा मोबाइल फोन उपभोक्ता कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इस मामले में सबसे अच्छा रिकॉर्ड यूएस का है। यहां औसतन 34 फीसदी लोग अब तक कम से कम एक बार स्क्रीन तोड़ चुके हैं। 42 फीसदी लोग ऐसे हैं जो मोबाइल की स्क्रीन टूटने के बाद उसका रिपेयर कराते हैं। परंतु 23 फीसदी ऐसे लोग हैं जो टूटी स्क्रीन के साथ ही फोन का उपयोग करते हैं।

सेल्फी से संबंध

खास बात यह कही जा सकती है कि विश्वभर में सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ने का औसत 7 फीसदी है। जबकि इस मामले में भारत वैश्विक औसत से लगभग ढाई गुना आगे है। भारत में 17 फीसदी मोबाइल उपभोक्त ऐसे हैं जिन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सेल्फी अपलोड करने के क्रम में फोन तोड़ डाला। इससे पता चलता है कि भारत में सेल्फी का शौक किस कदर भारी पड़ा है। इस मामले में ब्राजील सबसे पीछे है वहां मात्र 3 फीसदी लोगों ने ही सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ा है। विश्वभर में 7 फीसदी ऐसे लोग हैं जिनका फोन सेल्फी लेने के दौरान गिरकर टूट गया है। वहीं 5 फीसदी ऐसे हैं जिनका फोन उस वक्त गिर कर टूटा जब वे किसी को दे रहे थे या किसी से फोन ले रहे थे। 32 फीसदी केस में लोगों के फोन पॉकेट से गिर कर टूट जाते हैं जबकि 27 फीसदी लोगों के फोन लेकर उठने-बैठने के दौरन गिर कर टूट जाते हैं।

शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये

स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

संपादकीय

'हलाल' के चिंतित मायने

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'हलाल प्रमाणन' वाले उत्पाद इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान किया है। उन्होंने इसे आतंकवाद, इस्लामी धर्मान्तरण, लव जेहाद आदि हिन्दू-विरोधी गतिविधियों से जोड़ा है। योगी के मुताबिक, इस प्रमाणन का काफी पैसा आतंकवाद और धर्मान्तरण पर खर्च किया जाता है। यह देश की जनसंख्या के समीकरण बदलने की इस्लामी साजिश है। बिहार में चुनाव का मौसम है और योगी भाजपा के स्टार प्रचारकों में एक हैं। उन्होंने 'राजनीतिक इस्लाम' का मुद्दा भी उठाया है। चूंकि योगी आदित्यनाथ धुर हिन्दूवादी नेता हैं और उन्होंने 2023 से उप्र में 'हलाल प्रमाणन' पर पाबंदी थोप रखी है, लिहाजा उनके आरोप और आह्वान सियासी भी हो सकते हैं। चुनाव के दौरान हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण के वह सूत्रधार रहे हैं, लेकिन देश में 'हलाल प्रमाणन' की सिर्फ 4 संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। सरकार इस प्रमाणन से तटस्थ रही है। सवाल किया जा सकता है कि ऐसा क्यों? जबकि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल प्रमाणन' के लिए अधिकृत किया है, लिहाजा ये किसी भी संदर्भ में 'अवैध' नहीं हैं। भारत सरकार की अनुमति के बिना 'हलाल' ठप्पे वाले उत्पादों का निर्यात नहीं किया जा सकता। 'हलाल प्रमाणन' सिर्फ मांस तक ही सीमित नहीं है। हालांकि इस प्रमाणन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में हैं। यह दलील दी जाती रही है कि उत्पादों में 'हराम' अथवा निषिद्ध सामग्री (सूअर का मांस और शराब आदि) का उपयोग तो नहीं किया गया, उसके लिए 'हलाल प्रमाणन' अनिवार्य है। बेहद अहम सवाल है कि माचिस, चाय की प्याली, सरिया, सीमेंट, फ्लैट आदि में गैर-इस्लामी सामग्री का कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है? लेकिन उन पर भी यह प्रमाणन अनिवार्य है। हास्यास्पद है कि स्कूल, अस्पताल और अर्थव्यवस्था को भी 'हलाल' करार देने की कोशिशें जारी हैं। कुछ कामयाब भी रही हैं। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर रघुराम राजन ने यह विचार दिया था कि बैंकिंग क्षेत्र को भी 'हलाल प्रमाणन' के दायरे में लाया जाए। यह दीगर है कि ऐसा राजनीतिक तौर पर संभव नहीं हो सका। कई दवाएं और सौन्दर्य प्रसाधन के उत्पाद 'हलाल' की निगरानी में हो सकते हैं, क्योंकि उनमें गैर-इस्लामी, निषिद्ध सामग्री इस्तेमाल की जाती रही है। यह सार्वजनिक मान्यता भी है। भारत में करीब 3200 उत्पाद 'हलाल' के ठप्पे के साथ बिकते हैं। 'हलाल प्रमाणन' की अर्थव्यवस्था ही करीब 8 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। कंपनियां इस प्रमाणन के लिए करीब 66,000 करोड़ रुपए खर्च करती हैं। क्या इस पूरी अर्थव्यवस्था का कोई अधिकृत ऑडिट कराया जाता है? दो अहम सवाल प्रासंगिक हैं। एक, भारत सरकार के पास जांच का सम्यक आधारभूत ढांचा हो, तो ऐसा प्रमाणन सरकार या उसकी एजेंसियां क्यों नहीं जारी कर सकतीं? दूसरे, यह लाइसेंस 'जमीयत उलेमा ए हिन्द', 'हलाल इंडिया प्रा. लिमि.', 'जमीयत उलेमा ए महाराष्ट्र' और 'हलाल सर्टिफिकेशन सर्विसेज इंडिया प्रा. लिमि.' इन चार संस्थाओं को ही क्यों दिए गए? क्या इनके पास 'हलाल' जांचने और तय करने की तमाम कसौटियां उपलब्ध हैं? किसी गैर-इस्लामी संस्था को यह लाइसेंस क्यों नहीं दिया जा सकता? वह ज्यादा तटस्थ और ईमानदार साबित हो सकती है। यह इस्लामी चक्रव्यूह रचा गया है, क्योंकि ओआईसी के अधिकतर इस्लामी देश 'हलाल प्रमाणन' के बिना उत्पाद कबूल ही नहीं करते हैं। ऐसा ईसाइयों, यहूदियों, जैन, बौद्ध, सिख समुदायों के लिए तो विशेष प्रावधान नहीं किए गए हैं। सूअर का तो क्या, शाकाहारी समुदाय किसी भी प्राणी का वध करके उसका मांस नहीं खाते हैं।

योगी के मुताबिक, इस प्रमाणन का काफी पैसा आतंकवाद और धर्मान्तरण पर खर्च किया जाता है। यह देश की जनसंख्या के समीकरण बदलने की इस्लामी साजिश है। बिहार में चुनाव का मौसम है और योगी भाजपा के स्टार प्रचारकों में एक हैं। उन्होंने 'राजनीतिक इस्लाम' का मुद्दा भी उठाया है। चूंकि योगी आदित्यनाथ धुर हिन्दूवादी नेता हैं और उन्होंने 2023 से उप्र में 'हलाल प्रमाणन' पर पाबंदी थोप रखी है, लिहाजा उनके आरोप और आह्वान सियासी भी हो सकते हैं। चुनाव के दौरान हिन्दू-मुसलमान ध्रुवीकरण के वह सूत्रधार रहे हैं, लेकिन देश में 'हलाल प्रमाणन' की सिर्फ 4 संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। सरकार इस प्रमाणन से तटस्थ रही है। सवाल किया जा सकता है कि ऐसा क्यों? जबकि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल प्रमाणन' के लिए अधिकृत किया है, लिहाजा ये किसी भी संदर्भ में 'अवैध' नहीं हैं। भारत सरकार की अनुमति के बिना 'हलाल' ठप्पे वाले उत्पादों का निर्यात नहीं किया जा सकता। 'हलाल प्रमाणन' सिर्फ मांस तक ही सीमित नहीं है। हालांकि इस प्रमाणन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया।

मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज़

बिहार चुनावः मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

ललित गर्ग

राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं? बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया।

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं? बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें

समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं। ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए। बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता। राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है। आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है। जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे।

कुछ अलग

जोखिम भरा टेक ऑफ

पैराग्लाइडिंग की दो उड़ानें जान के पीछे पड़ गईं, नतीजतन एक घायल और दूसरी महिला मौत के पंजे में चली गई। उड़ानें लंबी थीं या हवाओं का रुख कातिल था, जो एक साथ दो दुर्घटनाओं ने हिमाचल की पर्वत श्रृंखलाओं की भौगोलिक परिस्थिति को अबूझ पहेली बना दिया। दोनों टेक ऑफ बीड़-बिलिंग के रोमांच में रास्ता भटक गए। एक महिला पायलट मनाली की ओर तो दूसरी धर्मशाला की ओर ऐसी राह पर निकलीं कि सफर त्रियूंड में गुम हो गया, जबकि दूसरी सोलंग गांव की पहाडियों में घायल हो गई। मनाली में घायल पायलट का इलाज चल रहा है, जबकि कनाडा निवासी का रेस्क्यू आपरेशन सिर्फ अंतिम संस्कार के बाहुपाश में पहुंच गया। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल की पहाडियों में रोमांच को पंख लगाती पैराग्लाइडिंग अब कौशल और जुनून की उड़ान बन चुकी है, लेकिन हर साल हवाओं में खेल का सुरक्षित पहलू नजरअंदाज हो रहा है। अब तक पैराग्लाइडिंग के आकाश से दर्जन से ऊपर मौत का शिकार हो चुके हैं, तो इस तथ्य की बानगी में कुछ तो शर्तें और पैमाने बदलने होंगे। किसी भी सोलो उड़ान से पहले बीड़-बिलिंग की आकाशीय जानकारी से बाकिफ होना होगा। इसके लिए उड़ान की तैयारी में एक चैक लिस्ट जरूरी हो जाती है।

देश दुनिया से

पराली व प्रदूषण के मुद्दे पर जूझते भारत-पाक

प्रदूषण हिन्दू-मुसलमान हो गया, प्रदूषण भारत-पाकिस्तान हो गया। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी 'आईक्यू-एयर' ने 120 से अधिक शहरों के लाइव डेटा के हवाले से 21 अक्तूबर, 2025 की सुबह दिल्ली को दुनिया का 'सबसे प्रदूषित' शहर घोषित कर दिया। उसके अगले दिन कराची और लाहौर को दुनिया के 5वें और तीसरे सबसे प्रदूषित शहरों में स्थान दिया गया। सीमा पार आवाज़ें उठनी शुरू हुईं, कि भारत के पंजाब-हरियाणा, यहां तक कि दिल्ली से पटाखे फोड़ने और पराली दहन से हमारा जीना दुश्वार हो गया है। भारत को दोष देने वाले पाकिस्तान में पटाखा उद्योग का प्रदूषण फैलाने में कितना योगदान है, उस पर कोई बात नहीं होती। दो महीना पहले 21 अगस्त को पाकिस्तान के कराची शहर में गुरुवार को एक पटाखा गोदाम में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, और 30 से ज़्यादा घायल हो गए। कराची को आपूर्ति किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत पटाखे, ओरंगी टाउन की कच्ची बस्तियों में बनाए जाते हैं। प्रतिबंध के बावजूद चीन से पटाखों की आपूर्ति पाकिस्तान में धड़ल्ले से होती है। यों, पाकिस्तान में विवाह-बर्थडे जैसे उत्सवों ने पटाखों के कारोबार को पाला-पोसा है। मगर, दीवाली की तरह पटाखों का कारोबार शब-ए-बारात के पवित्र अवसर पर तेजी से बढ़ता है। दुर्भाग्यवश, शब-ए-बारात का आगमन तेज विस्फोटों, धमाके की आवाजों का पर्याय बन गया है। पाकिस्तान वाले पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने गिरफ़्तारी व भारी जुर्माने के साथ 'डंडा और गाजर अभियान' आरम्भ किया। पराली जलाने पर प्रतिबन्ध का उल्लंघन करने वालों पर पांच हज़ार रुपये का जुर्माना। साथ ही प्रलोभन था, नई पीढ़ी की 'सुपर सीडर' मशीनों की पेशकश, जिन पर 65 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही थी। बावजूद इसके, शकरगढ़, ज़फ़रवाल और नारोवाल की तीन तहसीलों के किसान पराली जलाना जारी रखे हुए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, तलवंडी भंडारन, नोरकोट, अदा सिराज, फ़तेहपुर अफ़गानन और कंवल सहित 12 से ज़्यादा गांवों में पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। देरियांवाला में हुई दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, और 18 घायल हो गए। पाकिस्तान में करप्शन बेकाबू है। फ़तेहपुर निवासी मुहम्मद शरीफ और शाहबाज अली ने बताया कि निगरानी करने वाले अधिकारी इन उल्लंघनों को नज़रअंदाज़ करने के लिए 2,000 रुपये प्रति एकड़ की रिश्वत मांग रहे हैं, जिससे किसान बेरोक-टोक पराली जला रहे हैं। पाकिस्तान में उत्सर्जन का 20 फीसद, फसल जलाने के कारण होता है। बाक़ी, ईंट-भट्टा उद्योग, शहर से गांव-देहात तक बेतहाशा गाड़ियां, निर्माण उद्योग की धूल-मिट्टी ने वातावरण का बेड़ा ग़र्क़ कर रखा है। भारत जैसा ही हाल आप पाकिस्तान में देखेंगे। ठीक है, टेरर फैलाने वाले पाकिस्तान से हम ट्रेड पर बात नहीं कर रहे, लेकिन पर्यावरण पर तो कर सकते हैं? ऐसी ही समस्या से रूबरू चीन ने, कुछ उपाय किये, जिनमें कोयला आधारित बिजली संयंत्रों पर प्रतिबंध, सड़कों पर कारों की संख्या सीमित करना, और पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसें चलाना शामिल है। चीन ने अपनी कई कोयला खदानें भी बंद कर दीं। चीन ने अपने किसानों को प्रशिक्षित करने का प्रयास किया। उन्हें कन्विंस किया कि फसल जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी के कार्बनिक पदार्थों का ह्रास, लाभकारी मृदा जैव विविधता, और मिट्टी की उर्वरता में 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक की कमी आती है, और यह मिट्टी की जल धारण क्षमता को भी कमज़ोर करता है। भारत से लेकर ब्राज़ील तक, किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली, धुएं का एक गंभीर स्रोत है। लेकिन, दुनिया के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देश होने के नाते चीन की सरकार दशकों से पराली जलाने को कम करने, और उसके उपयोग खोजने की कोशिश कर रही है। जैसे, इसे खेतों में खाद के रूप में गाड़ना, या इसे पशु आहार या जैव ईंधन में संसाधित करना। चीन ने 2018 में अपने राष्ट्रीय वायु प्रदूषण कानून में संशोधन किया। उल्लंघन करने पर 2,000 युआन (भारतीय मुद्रा में एक युआन लगभग साढ़े 12 रुपये) तक का जुर्माना लगाने के लिए प्रोत्साहित करने वाले प्रावधान शामिल किए। चीन का सुदूर उत्तरी प्रान्त हेलोंगचिआंग ने अन्य प्रांतों के साथ प्रतिबंध की शुरुआत की। प्रांत को एक ग्रिड में विभाजित किया गया था, जिसमें काउंटी-स्तरीय सरकारी कर्मचारी अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में आग को रोकने के लिए ज़िम्मेदार थे। चीन ने किसानों को 2019 में 4 अरब युआन से ज़्यादा की सब्सिडी दी। इस राशि से पराली से बायोमास ईंधन में रूपांतरण करने वाले स्टेशनों को वित्तपोषित करने में मदद मिली। किसानों को पराली इकट्ठा करने वाली मशीनों पर सब्सिडी और पराली आपूर्ति के लिए पारिश्रमिक दिया गया। परिणामस्वरूप, चीन का अनाज उत्पादन 36 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ गया है, जिसका श्रेय बेहतर बीजों, जैविक उर्वरकों के व्यापक उपयोग, और मशीनीकृत कटाई जैसे कारकों को जाता है। ध्यान से देखिये, तो विश्व स्वास्थ्य संगठन के वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों को दुनिया भर में केवल सात देश ही पूरा करते हैं। इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, एस्टोनिया, फ़िनलैंड, ग्रेनाडा, आइसलैंड, मॉरीशस, और न्यूज़ीलैंड शामिल हैं। यूरोपीय संघ की साझा कृषि नीति के तहत पराली जलाना प्रतिबंधित है। अधिकांश यूरोपीय संघ के देशों ने इस प्रतिबंध को लागू किया है, हालांकि कुछ देशों, जैसे फ्रांस ने ऐतिहासिक रूप से चावल, सन और भांग जैसी कुछ फसलों के लिए छूट दी थी, जिन्हें अब काफी हद तक समाप्त कर दिया गया है। जर्मनी, यूके, स्वीडन, ऑस्ट्रिया और इटली, यूरोप के कुछ प्रमुख देश हैं, जहां अपशिष्ट आग, जिसे 'लैंडफिल आग या कूड़े की आग' भी कहते हैं, की सबसे अधिक घटनाएं होती हैं।

आप का नजरिया

संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की भारतीय मांग

वैश्विक संस्था संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी स्थापना के बाद 81वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। 24 अक्तूबर, 1945 में जब द्वितीय विश्व युद्ध की राख से संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) का जन्म हुआ, तो इसके चार्टर में एक ही सपना बुना गया था, विश्व शांति, सहयोग और समानता का ऐसा ताना-बाना, जो आने वाली पीढियों को युद्ध की भयावहता से बचाए। परंतु आज, जब यह संस्था अपने 81वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है, तो उसके मूल उद्देश्य और मौजूदा स्वरूप के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 सितंबर 2020 को संयुक्त राष्ट्र के 75वें अधिवेशन में जिस दृढ़ता से इस संस्था में व्यापक सुधार की मांग उठाई थी, वह केवल भारत की नहीं बल्कि पूरी दुनिया की आवाज थी। उनका सवाल था, आखिर भारत जैसे देश को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए और कब तक इंतजार करना होगा? भारत, जो दुनिया की पहली सबसे बड़ी आबादी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है, जिसने शांति, विकास और मानवता के क्षेत्र में अनगिनत योगदान दिए हैं, आज भी सुरक्षा परिषद के निर्णायक वर्ग से बाहर है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र के पांच स्थायी सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन, वीटो शक्ति के बल पर आज भी पूरी संस्था के निर्णयों को अपनी इच्छा अनुसार नियंत्रित करते हैं। परिणामस्वरूप, चाहे रूस-यूक्रेन का युद्ध हो, गाजा का संकट हो या म्यांमार की स्थिति, संयुक्त राष्ट्र अक्सर असहाय और निष्क्रिय दिखाई देता है। इस वीटो व्यवस्था ने लोकतांत्रिक बहुमत की अवधारणा को कमजोर किया है, क्योंकि एक देश का 'ना' विश्व की सामूहिक इच्छा पर भारी पड़ जाता है। इसलिए विश्व के कई प्रमुख देशों की मांग है कि संयुक्त राष्ट्र संघ में विकासशील और कम विकसित देशों को अधिक प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। स्थायी सदस्यों को भी एक निश्चित अवधि पूरी होने के बाद बदल दिया जाना चाहिए। भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान ने मिलकर जी-4 समूह बनाकर इस व्यवस्था में बदलाव की मांग की है। भारत का तर्क स्पष्ट है, जब संयुक्त राष्ट्र के निर्णय सभी देशों को प्रभावित करते हैं, तो प्रतिनिधित्व भी सभी को मिलना चाहिए। भारत न केवल एशिया का बल्कि विश्व का प्रामाणिक प्रतिनिधि है, जिसने विकास, जलवायु, न्याय, गरीबी उन्मूलन और शांति स्थापना के लिए ठोस प्रयास किए हैं। शांति अभियानों की बात करें तो भारत का योगदान अनुपम है। 1950 के दशक से अब तक भारत ने 50 से अधिक यूएन मिशनों में 2.9 लाख से अधिक सैनिक भेजे हैं। आज भी भारत के लगभग सात हजार से अधिक सैनिक और पुलिसकर्मी विभिन्न विश्व शांति अभियानों में कार्यरत हैं। भारत ने 82 देशों के आठ सौ से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया है। यह योगदान केवल सैन्य नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टि से भी असाधारण है, जो यह साबित करता है कि भारत विश्व शांति में आस्था रखता है, न कि प्रभुत्व में। परंतु दुखद यह है कि ऐसी प्रतिबद्धता के बावजूद भारत को निर्णयकारी मंच से दूर रखा गया है। संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान स्थिति यह दर्शाती है कि सुधार की दिशा में ठोस कदम न उठाने पर यह संस्था धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खो देगी। दुनिया बदल चुकी है, अब संघर्ष केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहे, बल्कि व्यापार, जलवायु परिवर्तन, महामारी, साइबर अपराध, आतंकवाद और प्रवासन जैसी नई चुनौतियों ने वैश्विक व्यवस्था को जटिल बना दिया है। इन चुनौतियों के समाधान के लिए 1945 की सोच नहीं, बल्कि 21वीं सदी की समावेशी दृष्टि की आवश्यकता है। इसी तरह आतंकवाद के प्रश्न पर भी संयुक्त राष्ट्र असफल रहा है। 1996 में भारत ने 'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक संधि' का प्रस्ताव रखा था, परंतु 29 वर्षों बाद भी यह प्रस्ताव अधर में है, क्योंकि सदस्य देश आज तक आतंकवाद की परिभाषा पर सहमत नहीं हो पाए। भारत चाहता है कि जो देश शांति स्थापना, मानवीय सहायता और विकास में वास्तविक योगदान दे रहे हैं, उन्हें निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व मिले। भारत जैसे देश, जो जी-20, ब्रिक्स और आईबीएसए जैसे मंचों पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, वे इस समावेशी वैश्विक नेतृत्व को आकार देने में सक्षम हैं। नरसंहार, युद्ध अपराध या मानवता के विरुद्ध अपराधों के मामलों में वीटो के उपयोग पर भी सीमा लगाई जानी चाहिए, ताकि न्याय की राह किसी एक देश की राजनीतिक इच्छा पर निर्भर न रहे। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र की जवाबदेही और पारदर्शिता के लिए उसके कार्यक्रमों की नियमित समीक्षा और स्वतंत्र लेखा परीक्षण आवश्यक है। भारत की भूमिका केवल सुधार की मांग तक सीमित नहीं, बल्कि यह नेतृत्वकारी भूमिका निभाने को भी तैयार है।

दृष्टि कोण

प्राइमरी स्कूलों की खेलों को बहाल करो

प्राथमिक विद्यालय स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की चर्चा तो दूर की बात लग रही है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय प्राथमिक स्कूलों की खेलों को ही यह कह कर बंद चुका है कि खेल गैर जरूरी, फिजूलखर्ची व समय की बर्बादी है। क्लासरूम पढ़ाई को संपूर्ण शिक्षा समझने वाले शिक्षा के कर्णधारों को कब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के बारे में ज्ञान होगा? खेल बच्चों को फिटनेस की तरफ मोडऩे का बहुत ही सरल तरीका है और फिटनेस के बगैर जीवन अधूरा है। शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, सट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। बार बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं, किशोरों तक चरस, अफीम, समैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार, स्कूलों के प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए। यदि विद्यार्थी बचपन खत्म होते व किशोरावस्था में नशे से बच जाता है, तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है। प्राथमिक

विद्यालय में खेल परिचय तथा माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वह आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सके। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अमेरिका में अलास्का के जंगलों में होगा उत्खनन तेल और गैस निकालने का दिया जाएगा पट्टा

वाशिंगटन, 24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

ट्रंप प्रशासन ने अलास्का के आर्कटिक राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य में उत्खनन का रास्ता साफ कर दिया। प्रशासन को यहां मौजूद तेल और गैस के भंडार से बड़ा राजस्व मिलने की उम्मीद है। प्रशासन ने गुरुवार को अपनी योजना को सार्वजनिक किया। आर्कटिक राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े बचे हुए प्राचीन वन्य क्षेत्रों में से एक है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह अभयारण्य लगभग 15.6 लाख एकड़ में फैला हुआ है। माना जाता है कि यहां अरबों बैरल तेल का भंडार है। यह अभयारण्य ध्रुवीय भालू, कारिबू, प्रवासी पक्षियों और अन्य वन्यजीवों के लिए एक महत्वपूर्ण आवास भी है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस अभयारण्य के संदर्भ में कर विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद पट्टे दिए गए। बाद में बाइडेन प्रशासन ने उन पट्टों को रद्द कर दिया।

आंतरिक विभाग के सचिव डग बर्गम ने गुरुवार को मुख्यालय में आयोजित अलास्का दिवस के कार्यक्रम में प्रशासन के फैसले की जानकारी दी। उन्होने कहा कि इस सर्दी में तटीय मैदान में तेल और गैस पट्टों की बिक्री की जाएगी। अभयारण्य में बाइडेन के कार्यकाल के समय 2021 में रद्द किए गए सात तेल पट्टों को बहाल किया जाएगा। बर्गम ने यह भी घोषणा की कि आंतरिक विभाग ने एक समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। इससे दक्षिण-पश्चिमी अलास्का में इजेम्बेक राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य से होकर एक सड़क का निर्माण संभव होगा। उन्होंने दोहराया कि एजेंसी एक औद्योगिक सड़क को हरी झंडी देगी जो उत्तरी अलास्का में प्रस्तावित तांबे और जस्ता खदान तक पहुंचने के लिए प्राचीन जंगलों को पार करेगी।

सनद रहे राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी तेल और गैस उत्पादन का विस्तार करने का बार-बार वादा किया है। प्रशासन की ताजा योजना को इसी वादे का हिस्सा माना जा रहा है। प्रमुख तेल कंपनियों ने पहले इस अभयारण्य में ड्रिलिंग में बहुत कम रुचि दिखाई है। अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि वे आगामी नीलामी में बोली लगाएंगी या नहीं। कुछ प्रमुख बैंकों ने भी यहां खनन के लिए धन मुहैया नहीं कराने का इरादा जताया है। पर्यावरण समूहों ने योजना के खिलाफ मुकदमा दायर करने का फैसला किया है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप की पुतिन को चेतावनी: अमेरिकी प्रतिबंधों का होगा रूस पर प्रभाव, भारत पर असर की आशंका

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर लगाए गए नए प्रतिबंधों को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयानों को खारिज करते हुए कहा कि इनका असर अगले छह महीनों में साफ दिखेगा। वाइट हाउस में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने पुतिन के बयान, जिसमें उन्होंने प्रतिबंधों को रूसी अर्थव्यवस्था पर बेअसर बताया, पर तंज कसते हुए कहा, छह महीने बाद मैं आपको बताऊंगा कि क्या हुआ। देखते हैं आगे क्या होता है। ट्रंप ने बुधवार को रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल, पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी, ताकि यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए रूस पर दबाव बनाया जा सके। इन प्रतिबंधों के बाद वैश्विक तेल कीमतों में 5 प्रतिशत की उछाल देखी गई। यह ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में यूक्रेन युद्ध से जुड़ा पहला बड़ा कदम है। पुतिन ने इसे रूस पर दबाव की कोशिश करार दिया, लेकिन कहा कि कोई स्वाभिमानी देश दबाव में नहीं झुकता। भारत पर असर ट्रंप ने दावा किया कि भारत रूस से तेल आयात कम करेगा, हालांकि भारत सरकार ने इसकी पुष्टि नहीं की है। प्रतिबंधों के तहत रूसी कंपनियों को अमेरिकी डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली से हटाया जाएगा, जिसके चलते भारत और चीन के रिफाइनर अपने आयात समझौतों की समीक्षा कर रहे हैं। ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर पुतिन के साथ बुडापेस्ट में प्रस्तावित बैठक भी रद्द कर दी, क्योंकि उन्हें इसमें अपेक्षित परिणाम की उम्मीद नहीं थी।

अमेरिका की अलास्का एयरलाइंस ने अपनी सभी उड़ानें रोकी

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रमुख विमानन कंपनी अलास्का एयरलाइंस ने तकनीकी खराबी की वजह से अपनी सभी उड़ानें रोक दीं। कंपनी का कहना है कि कंपनी के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नेटवर्क में खराबी आने के कारण यह फैसला करना पड़ा। द सिएटल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन ने गुरुवार शाम लगभग 4:20 बजे कहा कि आईटी में खराबी के कारण परिचालन प्रभावित हो रहा है और अस्थायी रूप से सभी उड़ानों को रोक दिया गया है। कंपनी का कहना है कि फिलहाल अलास्का के विमान सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अन्य हवाई अड्डों से उड़ान नहीं भरेंगे। अलास्का ने गुरुवार को जिन यात्रियों की उड़ानें बुक थीं, उन्हें हवाई अड्डे पर जाने से पहले उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह दी है। इससे पहले जुलाई में भी अलास्का में आईटी सेवाओं में व्यवधान के कारण लगभग तीन घंटे तक उड़ानें रोकनी पड़ीं। यह व्यवधान अलास्का के एक डेटा सेंटर के हार्डवेयर में अप्रत्याशित रूप से खराबी आने के कारण हुआ। इस व्यवधान के कारण 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और 15,600 लोगों की यात्रा योजनाएं प्रभावित हुईं। उल्लेखनीय है कि अलास्का एयरलाइंस अमेरिका की सातवीं सबसे बड़ी विमानन कंपनी है। इसका मुख्यालय सीएटल (वाशिंगटन) में है। अलास्का की स्थापना मैकगी एयरवेज के तौर पर 1932 में की गई थी। अलास्का 100 से अधिक गंतव्यों में अपनी सेवाएं प्रदान करती है ।

अफगानिस्तान में भूकंप के झटके लगते ही लोग डरे, पर कोई नुकसान नहीं

काबुल। अफगानिस्तान में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। शुक्रवार, तड़के काबुल और आसपास के क्षेत्रों में 3.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, यह भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 6:09 बजे आया, जिसका केंद्र जमीन से 80 किलोमीटर की गहराई पर था। झटके हल्के होने के कारण फिलहाल किसी नुकसान या जनहानि की खबर नहीं मिली है। पिछले कुछ हफ्तों में अफगानिस्तान में यह चौथा भूकंप है। इससे पहले मंगलवार को 4.3 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके अलावा, 17 अक्टूबर को उत्तरी अफगानिस्तान में 5.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, वह भूकंप खांडूद से 47 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में, 43 किलोमीटर की गहराई पर था। बार-बार भूकंप आने से इस क्षेत्र की भूगर्भीय अस्थिरता उजागर होती है। भूकंप की गहराई का खतरे से गहरा संबंध है। विशेषज्ञों का कहना है कि उथले भूकंप, जो सतह के करीब आते हैं, गहरे भूकंपों की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं। इनकी तरंगें तेजी से सतह तक पहुंचती हैं, जिससे इमारतों को नुकसान और जनहानि का जोखिम बढ़ जाता है। हालांकि, इस बार का भूकंप 80 किलोमीटर की गहराई पर था, जिसके कारण इसका प्रभाव सीमित रहा।अफगानिस्तान का यह क्षेत्र भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के मिलन स्थल पर स्थित है, जो इसे भूकंप संभावित जोन बनाता है। यही कारण है कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और उत्तरी भारत में बार-बार भूकंप आते हैं।

पाक के बलोचिस्तान में न्यायेतर हत्याओं में शामिल अधिकारी कठोर दंड के हकदार : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अतहर मिनल्लाह

इस्लामाबाद, 24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह ने कहा है कि बलोचिस्तान में न्यायेतर हत्याओं, जबरन गायब किए जाने और हिरासत में यातना देने में शामिल कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लोग कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा के हकदार हैं। ऐसा करना लोकतांत्रिक समाज में सबसे असहनीय अपराध है। यह अपराध संविधान और उसमें प्रदत्त मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के सबसे बुरे रूप हैं।

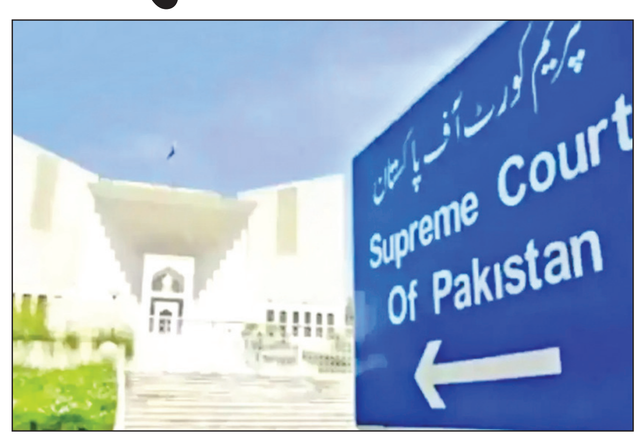

रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने हालिया एक फैसले पर असहमति जताते हुए अपने नोट में लिखा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और उनके सदस्यों के इस तरह के कृत्यों और आचरण को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। ऐसे मामलों में अपराध सिद्ध होने पर कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के एक सैनिक की मौत की सजा को बरकरार रखा। हालांकि, बहुमत वाले न्यायाधीशों ने उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया।

केस रिकॉर्ड के अनुसार, एक युवा विश्वविद्यालय छात्र मोहम्मद हयात अर्धसैनिक बल के सशस्त्र सदस्यों की हिरासत में रहते हुए वीभत्स, क्रूर और स्तब्ध कर देने वाले तरीके से अपनी जान गंवा बैठा। यह बलोचिस्तान के तुर्बत जिले में एक निर्दोष नागरिक की न्यायेतर हिरासत में हत्या का मामला था। न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने कहा कि ऐसे समाज में जहां जबरन गायब किए जाने, अत्यधिक बल प्रयोग, सत्ता के दुरुपयोग, न्यायेतर हत्याओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की मौलिक अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित शिकायतें व्यापक हैं। नागरिकों के विरुद्ध किए गए अपराधों के लिए दंडमुक्ति प्रदान करना कानून के उल्लंघन का सबसे गंभीर रूप बन जाता है।

उन्होंने कहा, जब कोई नागरिक किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी या उसके अधिकारियों के आक्रमण का शिकार होता है तो यह गंभीरता और बढ़ जाती है। संविधान शासित समाज में ऐसा कोई भी कृत्य या आचरण असहनीय है, जब कानून प्रवर्तनकर्ता कानून को ही अपने हाथ में ले लेते हैं और खुद को न्यायाधीश और जल्लाद की भूमिका में ले लेते हैं, तो कानून का शासन नष्ट हो जाता है। इस मामले में ठीक यही हुआ।

दोषी एफसी सदस्य के खिलाफ नागरिक अदालत में मुकदमे के संबंध में आपत्ति का जवाब देते हुए, न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने कहा कि ऐसे मुकदमों को सैन्य अदालतों में भेजना न तो जनहित में है और न ही राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, जहां नागरिकों के अधिकार शामिल हैं। उन्होंने कहा, संविधान की योजना स्पष्ट रूप से सशस्त्र बलों को नागरिकों से जुड़े विवादों से बचाने की परिकल्पना करती है। संविधान अनुच्छेद 245 के तहत सशस्त्र बलों की भूमिका और कार्यों को बाहरी आक्रमण से पाकिस्तान की रक्षा तक सीमित करता है और कानून के अधीन, आह्वान किए जाने पर नागरिक शक्ति की सहायता के लिए कार्य करने की अनुमति देता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अर्धसैनिक बलों में जनता का विश्वास, खासकर जब उनकी कमान सेवारत सैन्य अधिकारियों के हाथों में हो, उनके संवैधानिक कर्तव्यों के निर्वहन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, इस मामले में एक युवा विश्वविद्यालय छात्र पाकिस्तानी सेना एक अर्धसैनिक बल के एक सदस्य की न्यायेतर हिरासत में हत्या का शिकार हुआ। न्यायमूर्ति ने कहा कि एफसी बलोचिस्तान एक विशेष कानून फ्रंटियर कॉर्प्स अध्यादेश, 1959 के तहतसत्र न्यायालय को मुकदमा चलाने का पूरा अधिकार था। इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए एक सैन्य अदालत में मुकदमा चलाना जनहित के विरुद्ध, अवैध और असंवैधानिक होता।

सजा के सवाल पर न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने लिखा कि निवारक दंड न केवल अपराध की गंभीरता को दर्शाने के लिए आवश्यक है, बल्कि समाज की सुरक्षा के लिए एक निवारक उपाय के रूप में अपराधी को दूसरों के लिए एक उदाहरण बनाने के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने कहा, पूर्व योजनाबद्ध और क्रूरतापूर्वक किए गए जघन्य अपराधों में कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। मृत्युदंड समाज में भय पैदा करता है ताकि कोई भी हत्या करने की हिम्मत न करे। जब अपराध किसी भी संदेह से परे सिद्ध हो जाए, तो नरम रुख अपनाने से शांति भंग होती है और अराजकता का द्वार खुल जाता है। अदालतों को जहां आवश्यक हो, अधिकतम सजा देने में संकोच नहीं करना चाहिए।

न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने कहा कि मृत्युदंड को आजीवन कारावास में बदलने के लिए ठोस कारणों की आवश्यकता होती है। उन्होंने जोर देकर कहा, दंड अपराध की गंभीरता के अनुरूप होना चाहिए। न्यायमूर्ति मिनल्लाह ने फ्रंटियर कोर की वैधानिक भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 1959 के अध्यादेश के अध्ययन से पता चलता है कि फ्रंटियर कोर बलोचिस्तान की स्थापना मुख्य रूप से पाकिस्तान की बाहरी सीमाओं की रक्षा और प्रशासन के लिए की गई थी। उन्होंने कहा कि एक वर्दीधारी अनुशासित बल के रूप में फ्रंटियर कोर के कर्मियों से नागरिकों के साथ व्यवहार करते समय अनुकरणीय आचरण, व्यावसायिकता और ईमानदारी बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, एफसी के प्रशिक्षित सदस्य के रूप में अपीलकर्ता से पीड़ित की रक्षा करने की अपेक्षा की गई थी, न कि उसे मारने की। उसे जारी किया गया हथियार केवल रक्षा के लिए था, नागरिकों के विरुद्ध गैरकानूनी उपयोग के लिए नहीं।

रूस-यूक्रेन युद्ध में किम जोंग ने अपने हजारों सैनिकों की कुर्बानी दी, बनेगा स्मारक

प्योंगयांग, 24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस का खुलकर समर्थन करने वाले उत्तर कोरिया ने अब अपने सैनिकों की शहादत को अमर बनाने के लिए एक भव्य स्मारक का निर्माण शुरू कर दिया है। उत्तर कोरियाई राज्य मीडिया के अनुसार, राजधानी प्योंगयांग के ह्वासोंग जिले में ओवरसीज मिलिट्री ऑपरेशंस के कॉम्बैट फीट्स का स्मारक संग्रहालय नामक इस स्मारक की नींव रखी गई है। यह स्मारक उन सैनिकों को समर्पित होगा, जिन्होंने रूस के लिए लड़ते हुए अपनी जान गंवाई। शिलान्यास समारोह में उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन खुद उपस्थित थे, साथ ही रूस के राजदूत अलेक्जेंडर मात्सेगोरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। किम ने खुद पहली फावे की मिट्टी खोदी, जो इस परियोजना की शुरुआत का प्रतीक बनी। उत्तर कोरिया, जो दुनिया के सबसे अलग-थलग देशों में शुमार है, ने हाल के वर्षों में रूस के साथ अपने संबंधों को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचा लिया है। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से ही प्योंगयांग ने मॉस्को का साथ दिया है। किम जोंग उन ने न केवल हथियारों और तोपखाने के गोले भेजे, बल्कि हजारों सैनिकों को भी रूस के कुरस्क क्षेत्र में तैनात किया, जहां यूक्रेनी सेना ने अगस्त 2024 में सीमा पार घुसपैठ की थी। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के अनुमान के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने करीब 10,000 से 15,000 सैनिक भेजे थे, जिनमें से लगभग 6,000 सैनिक मारे गए और हजारों घायल हो चुके हैं। हालांकि, उत्तर कोरिया ने आधिकारिक तौर पर नुकसान की संख्या का खुलासा नहीं किया है, लेकिन अप्रैल 2025 में उसने पहली बार सैनिकों की तैनाती की पुष्टि की थी। शिलान्यास के दौरान किम जोंग उन ने भावुक भाषण दिया। उन्होंने कहा, यह संग्रहालय सच्चे देशभक्तों की अमरता का पवित्र स्थल होगा। किम ने अपने सैनिकों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रभक्ति की अनुपम मिसाल कायम की और रूस को निर्णायक विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बच्चे को पढ़ाने और तौर-तरीका सिखाने के लिए ट्यूटर की जरुरत........सैलरी 2 करोड़ महीना

लंदन। एक साल के बच्चे को पढ़ाने और तौर-तरीका सिखाने के बदले में दो 180000 पाउंड यानी करीब 2 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की सैलरी की पेशकश एक ट्यूटर के लिए की गई है। इंग्लैंड के एक रईस मां-पिता ने अपने बच्चे के ट्यूटर के लिए इतनी ज्यादा सैलरी का विज्ञापन निकाला है। रिपोर्ट के अनुसार, एक मां ने पर्सनल ट्यूटर के जॉब का एक विज्ञापन शेयर कर शर्त और सैलरी की पेशकश से जुड़ी बातें शेयर की। इस विज्ञापन में एक ऐसी नौकरी को लेकर जानकारी दी गई थी, जिसमें एक साल के बच्चे के लिए निजी शिक्षक की जरूरत एक परिवार को थी। उस ट्यूटर का वार्षिक वेतन 180,000 पाउड था। इस विज्ञापन को शेयर करने वाली महिला टीचर की योग्यता की शर्तों और मिलने वाली सुविधाओं को देखर दंग रह गई। यह नौकरी का विज्ञापन उत्तरी लंदन के एक परिवार के लिए था, जो अपने एक वर्षीय बेटे को इंग्लिश जेंटलमैन बनाने के लिए किसी व्यक्ति की तलाश में था। उसमें लिखा था कि इस भूमिका के लिए काफी पढ़े लिखे शख्स की जरूरत है। इसकारण नैनी और आयाओं पर विचार नहीं होगा। विज्ञापन में लिखा है कि भूमिका इस बात पर केंद्रित है कि बच्चे को किसी भी सांस्कृतिक पूर्वाग्रह के हावी होने से पहले ब्रिटिश संस्कृति, मूल्यों और सूक्ष्मताओं से परिचित कराया जाए।

जिनपिंग से मिलते ही फेंटानिल पर सवाल करेंगे ट्रंप, टैरिफ की धमकी से नया विवाद

वाशिंगटन, 24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर अमेरिका में फेंटानिल की तस्करी का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनकी आगामी मुलाकात में पहला सवाल ही इसी मुद्दे पर होगा। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि चीन वेनेजुएला को फेंटानिल तस्करी के लिए एक रास्ते के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, ताकि अमेरिकी और मैक्सिकन पोर्ट सिक्योरिटी को आसानी से चकमा दिया जा सके। ट्रंप ने जोर देकर कहा, मैं जिनपिंग से मिलूंगा। मेरा पहला सवाल फेंटानिल के बारे में होगा। वे फेंटानिल बेचकर हमारे देश में 100 मिलियन डॉलर कमाते हैं। लेकिन 20 प्रतिशत टैरिफ से वे 100 बिलियन डॉलर गंवा देते हैं। यह उनके लिए अच्छा बिजनेस नहीं है। हम इसी पर बात कर रहे हैं। इसके लिए वे बहुत बड़ा जुर्माना चुकाते हैं। अगले हफ्ते के अंत में देखते हैं कि क्या होता है। मैं दक्षिण कोरिया में जिनपिंग से मिलूंगा।

ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते आर्थिक और भू-राजनीतिक तनाव के बीच आई है। राष्ट्रपति ट्रंप 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के बुसान में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के इतर शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। यह दोनों महाशक्तियों के नेताओं के बीच 2019 में जापान के जी 20 शिखर सम्मेलन के बाद पहली आमने-सामने की बैठक होगी। हालांकि, इस बार मुद्दे काफी जटिल और संवेदनशील हैं। वाशिंगटन शिखर सम्मेलन के कुछ दिनों बाद ही चीनी आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है, जो वर्तमान 20 प्रतिशत से कहीं अधिक होगा। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि एक नवंबर से चीन पर टैरिफ 157 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा, जो रिकॉर्ड स्तर होगा। उन्होंने कहा, फेंटानिल के कारण अभी वे 20 प्रतिशत टैरिफ चुका रहे हैं। यह अरबों-अरबों डॉलर हैं। उनके लिए यह टिकाऊ नहीं है। ट्रंप का यह बयान न केवल व्यापार युद्ध को नई ऊंचाई दे सकता है, बल्कि दोनों देशों के बीच नया बखेड़ा खड़ा करने की आशंका पैदा कर रहा है।

अमेरिका में क्रिप्टो एक्सचेंज के संस्थापक चांगपेंग झाओ को क्षमादान, ट्रंप ने दस्तावेज पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, 24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए क्रिप्टो एक्सचेंज के संस्थापक चांगपेंग झाओ को क्षमा कर दिया। उन्होंने इस आशय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर झाओ को बड़ी राहत प्रदान की। यह जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने दी।

रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को झाओ को क्षमा करते हुए क्षमादान संबंधी दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दिए। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ने इसके लिए अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया। झाओ पर बाइडेन प्रशासन ने क्रिप्टो करेंसी के खिलाफ अपने अभियान में मुकदमा चलाया था।

उन्होंने कहा, बाइडेन प्रशासन ने क्रिप्टो करेंसी उद्योग को दंडित करने की अपनी जिद के कारण किसी भी साक्ष्य के बिना झाओ पर मुकदमा चलाया। बताया गया है कि उस समय झाओ को चार महीने जेल की सजा सुनाई गई। उन्होंने न्याय विभाग के साथ एक समझौता किया। उन्हें बिनांस में मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देने का दोषी ठहराया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बिनांस को 4 अरब डॉलर से ज्यादा का जुर्माना भरने भी आदेश दिया, जबकि झाओ 5 करोड़ डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमत हुए। ट्रंप से क्षमादान मिलने के कारण झाओ को बिनांस में सीधा नियंत्रण फिर से हासिल हो गया है। झाओ ने एक्स पर लिखा, क्षमादान, निष्पक्षता, नवाचार और न्याय के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप का मैं बहुत आभारी हूं। अब हम अमेरिका को क्रिप्टो की राजधानी बनाने और दुनिया भर में वेब3 को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। लीविट ने कहा, बाइडेन प्रशासन के इन कदमों ने प्रौद्योगिकी और नवाचार में वैश्विक नेता के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिष्ठा को गंभीर रूप से नुकसान

पहुंचाया है। क्रिप्टो पर बाइडेन प्रशासन का युद्ध समाप्त हो गया है। बिनांस दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंजों में से एक है। इसकी वेबसाइट पर बताया गया है कि यह औसतन प्रतिदिन 65 बिलियन डॉलर से अधिक का लेनदेन करता है।

बिनांस के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, हम राष्ट्रपति ट्रंप को उनके नेतृत्व और अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो राजधानी बनाने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देते हैं। कंपनी ने कहा कि झाओ की परिकल्पना ने न केवल बिनांस को दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज बनाया, बल्कि व्यापक क्रिप्टो आंदोलन को भी आकार दिया। ट्रंप ने गुरुवार को रियलिटी स्टार टॉड और जूली क्रिसली, इलिनोइस के पूर्व गवर्नर रॉड ब्लागोजेविच, हिप-हॉप स्टार लिल वेन और हाल ही में पूर्व प्रतिनिधि जॉर्ज सैंटोस, आर-एनवाई को माफ कर दिया है। सीएनबीसी के अनुसार, मार्च में ट्रंप ने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बिटमेक्स के तीन सह संस्थापकों को भी माफ कर दिया था। ट्रंप ने 2024 के चुनाव में क्रिप्टो उद्योग के साथ न्याय करने का वादा किया था। उनके परिवार से जुड़े एक क्रिप्टो उद्यम ने पिछले एक साल में कई क्रिप्टो उत्पाद लॉन्च किए । मई में ट्रंप ने अपने मीम कॉइन के शीर्ष खरीदारों के लिए एक रात्रिभोज का आयोजन किया। रात्रिभोज में एकत्रित भीड़ ने ट्रंप मीम कॉइन खरीदने में लगभग 150 मिलियन डॉलर खर्च किए।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, बिनांस के वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। लिबर्टी ने ट्रंप परिवार के कई क्रिप्टो प्रोजेक्ट्स का प्रबंधन किया है और परिवार के लिए 4 बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई की है। जर्नल ने यह भी बताया कि वर्ल्ड लिबर्टी का प्रमुख क्रिप्टो कॉइन एक क्रिप्टो एक्सचेंज पर चलता है। इसका बिनांस गुपचुप प्रबंधन करता है। एक सार्वजनिक दस्तावेज के अनुसार, बिनांस ने सितंबर में चार्ल्स मैकडॉवेल नामक एक नए लॉबिस्ट को भी नियुक्त किया। मैकडॉवेल, राष्ट्रपति के सबसे बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर के मित्र हैं और पिछले सप्ताह व्हाइट हाउस में उनकी एक साथ तस्वीरें खींची गईं।

लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अनुबंध बढ़ाया, 2028 तक क्लब में बने रहेंगे

मियामी,24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

विश्व फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना नया तीन साल का अनुबंध साइन कर लिया है। इस समझौते के साथ मेसी अब 2028 तक मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में खेलते नजर आएंगे। यह घोषणा मियामी के प्लेऑफ ओपनर से ठीक एक दिन पहले की गई।

मेसी की टीम, इंटर मियामी, ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहते हुए अब नैशविल के खिलाफ शुक्रवार को तीन मैचों की सीरीज़ के पहले मुकाबले की मेजबानी करेगी।

मेसी ने अपने बयान में कहा, यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है कि मैं यहां रहकर इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा रहा हूं, जो मेरे सपने के साथ-साथ अब एक खूबसूरत हकीकत बन चुका है — मियामी फ्रीडम पार्क में खेलना। जब से मैं मियामी आया हूं, मैं बेहद खुश हूं और इस सफर को जारी रखने के लिए उत्साहित हूं। यह फैसला न केवल क्लब के लिए बल्कि पूरी एमएलएस लीग के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मेसी पिछले सीजन में एमएलएस के मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर बने थे और इस सीजन भी वह इस खिताब के प्रबल दावेदार हैं। अगर वह दोबारा जीतते हैं, तो वे लीग इतिहास में केवल दूसरे खिलाड़ी होंगे जिन्होंने यह अवार्ड दो बार जीता हो — और पहले खिलाड़ी जो लगातार दो साल इसे जीतेंगे। इंटर मियामी के कोच जावियर माशेरानो ने कहा, मेसी को खेलते हुए देखना और उन्हें आनंद लेते देखना अद्भुत है। वह बहुत प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी हैं और टीम को प्रेरित करते हैं। जब हम मैदान पर सही काम करते हैं, तो सफलता की संभावना खुद-ब-खुद बढ़ जाती है। मेसी ने इस सीजन में 29 गोल दागे, जो एलएएफसी के डेनिस बोआंगा और नैशविल के सैम सर्रिज से पांच अधिक हैं। उनके नाम 19 असिस्ट भी दर्ज हैं। उनकी कुल 48 गोल सहभागिताएं एमएलएस के रिकॉर्ड 49 (कार्लोस वेला, 2019) से बस एक कम रहीं।

उन्होंने एक और रिकॉर्ड बनाया — लगातार पांच मैचों में एक से अधिक गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने और 10 मैचों में मल्टी-गोल प्रदर्शन करने का नया लीग रिकॉर्ड भी बनाया।

38 वर्षीय मेसी के इस अनुबंध को उनके करियर का आखिरी पेशेवर अनुबंध माना जा रहा है। उन्होंने 2004 में बार्सिलोना के साथ 17 साल की उम्र में डेब्यू किया था।

न्यूज ब्रीफ

लंकाशायर ने स्टीवन क्रॉफ्ट को मुख्य कोच नियुक्त किया

लंदन। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट क्लब लंकाशायर ने स्टीवन क्रॉफ्ट को अपना नया मुख्य कोच (हेड कोच) नियुक्त करने की घोषणा की है। क्रॉफ्ट पिछले कुछ महीनों से अंतरिम कोच की भूमिका निभा रहे थे और उनके सफल

कार्यकाल के बाद अब उन्हें स्थायी रूप से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। क्रॉफ्ट ने मई में डेल बेंकेनस्टीन के पद छोड़ने के बाद कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। सीज़न के पहले आधे हिस्से में लंकाशायर एक भी काउंटी चैम्पियनशिप मैच नहीं जीत पाया था, लेकिन टीम ने शानदार वापसी करते हुए डिवीजन-2 में पांचवां स्थान हासिल किया और साथ ही टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे तक का सफर तय किया। स्टीवन क्रॉफ्ट ने क्लब के हवाले से कहा, इस महान क्लब का मुख्य कोच नियुक्त होना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। लैंकाशायर मेरे जीवन का बड़ा हिस्सा रहा है — एक खिलाड़ी के रूप में अकादमी से जुड़ने से लेकर टीम की कप्तानी करने तक और अब मैदान के बाहर यह नई भूमिका निभाने तक। उन्होंने आगे कहा, मुझे गर्व है कि टीम ने पिछले सीज़न के दूसरे भाग में जिस तरह से प्रतिक्रिया दी। हमारे पास एक प्रतिभाशाली और जुनूनी दल है जो 'रेड रोज़' का गर्व से प्रतिनिधित्व करता है। अब मेरा लक्ष्य है कि उस प्रगति को आगे बढ़ाते हुए खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निखारूं और क्लब को फिर से सफलता दिलाऊं। क्रॉफ्ट, जो 41 वर्ष के हैं, 2011 में लंकाशायर की काउंटी चैम्पियनशिप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 2023 में संन्यास लिया था, और क्लब के लिए 600 से अधिक मैच खेले थे। लंकाशायर के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट परफॉर्मेंस मार्क चिल्टन ने कहा, हमें खुशी है कि स्टीवन ने स्थायी रूप से यह भूमिका स्वीकार की है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में जिम्मेदारी संभालते हुए शानदार नेतृत्व क्षमता दिखाई। उनका जुनून, क्रिकेट ज्ञान और खिलाड़ियों से जुड़ने की क्षमता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है। चिल्टन ने यह भी बताया कि क्रॉफ्ट अब पहली टीम की रोज़ाना कोचिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्हें सहायक कोच विल पोर्टरफील्ड का सहयोग मिलेगा, जबकि कोचिंग विभाग में और भी नियुक्तियाँ जल्द की जाएंगी।

अश्विन की पोस्ट से विराट के संन्यास की अटकलें तेज हुईं

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी शून्य पर आउट होने के बाद से ही माना जा रहा है कि उनका करियर अब समाप्त होने की ओर है। वहीं इसी बीच दिग्गज स्पिनर आर अश्विन की सोशल मीडिया में आई एक पोस्ट से विराट के संन्यास लेने की अटकलें और तेज हो गयी हैं। एडिलेड एकदिवसीय के बाद अश्विन ने एक तस्वीर साझा की है। इसमें तिरंगे के रंग में राइट का निशान लगा हुआ है। ये नाइकी के लोगो की तरह है। इस तस्वीर के साथ अश्विन ने लिखा, जस्ट लीव इट। यानी की अब छोड़ दो। अश्विन के इस पोस्ट को विराट से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, अश्विन ने अपनी इस पोस्ट में विराट के नाम का उल्लेख नहीं लिया है पर प्रशंसक मान रहे हैं कि ये विराट के लिए ही हैं।

रोहित-कोहली को भारतीय टीम में लाये बदलावों के लिए भी याद किया जाएगा : चैपल

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। भारतीय टीम के कोच रहे चैपल ने कहा कि इन दोनो को अपनी बल्लेबाजी के साथ ही भारतीय क्रिकेट में लाये हुए बदलावों के लिए भी याद किया जाएगा। चैपल के अनुसार इन दोनो ने टीम में जो जुनून और आक्रामकता भरी है। उससे टीम को एक नया रुप मिला है। व्यक्तिगत गौरव को अधिक तवज्जो नहीं देना तथा रोहित शर्मा की विनम्रता और रोहित और कोहली करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और चैपल को लगता है कि इस जोड़ी की विरासत आंकड़ों से कहीं आगे जाती है। चैपल ने कहा, 'अब जैसे-जैसे क्रिकेट की दुनिया आगे बढ़ेगी तो नए नाम उभरेंगे। नए कप्तान नेतृत्व करेंगे पर कोहली-रोहित युग केवल रिकॉर्ड बुक में ही नहीं बल्कि हर उस प्रशंसक के दिलों में अंकित रहेगा जो समझता था कि वे किस लिए खड़े हैं। चैपल का मानना है कि कोहली को केवल महान बल्लेबाजों की श्रेणी में ही रखा नहीं जा सकता। उन्होंने लिखा, 'कोहली केवल बल्लेबाज नहीं थे। वह एक जुनून थे। उन्होंने वो दिखाया जो बहुत कम लोग कर पाते हैं - एक योद्धा जैसी मानसिकता उन्होंने टीम में भरी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा वनडे जीतकर क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा भारत

नयी दिल्ली,24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

एडिलेड में दूसरे वनडे में दो विकेट से जीत दर्ज कर ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला पर कब्जा कर लिया है। अब रविवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाला तीसरा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के लिए औपचारिकता मात्र रह गया है, जबकि भारत यह मैच जीतकर क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा।

भारत ने भले ही दूसरे मैच में आखिरी तक संघर्ष किया, लेकिन मैच के ज्यादातर हिस्से में टीम पिछड़ी रही। पर्थ में बारिश से प्रभावित पहले मुकाबले का बहाना दिया जा सकता है, लेकिन एडिलेड में भारत पूरी तरह असंतुलित नजर आया। कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली के जल्दी आउट होने से टीम उबर नहीं सकी। खास बात यह रही कि कोहली ने अपने शानदार वनडे करियर में पहली बार लगातार दो 'डक' (शून्य पर आउट) झेले हैं।

भारतीय शीर्ष क्रम को जोश हेज़लवुड ने दोनों मैचों में खासा परेशान किया है। वहीं, रोहित शर्मा की वापसी उम्मीदों के मुताबिक नहीं रही, हालांकि उन्होंने एडिलेड में 73 रन की पारी खेली। अब यह बहस तेज हो गई है कि यशस्वी जायसवाल को मौका देकर शीर्ष क्रम को नया रूप दिया जाए।

हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में टीम का संतुलन बिगड़ा दिखा और गिल ने लगातार दोनों मैचों में एक ही संयोजन के साथ उतरने का फैसला किया, जो बेअसर रहा। कप्तान के रूप में गिल का शुरुआती दौर आसान नहीं रहा है। उन्होंने अब तक 10 और 9 रन बनाए हैं और अगर भारत इस मैच को भी हार जाता है तो यह टीम के इतिहास में सिर्फ छठी बार वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप होगा।

दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया का आत्मविश्वास चरम पर है। टीम को मैट शॉर्ट, कूपर कॉनॉली, मिच ओवेन और मैथ्यू रेंसॉ जैसे नए खिलाड़ियों से शानदार योगदान मिला है। ये खिलाड़ी स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल की वनडे से संन्यास के बाद खाली हुई जगहों को भरने में सक्षम साबित हो रहे हैं। मैट रैनसॉ ने पर्थ में 21 नाबाद (24 गेंदों पर) और एडिलेड में 30 रन (30 गेंदों पर) बनाए। एडिलेड में जब टीम 54/2 पर संकट में थी, तब उन्होंने शॉर्ट के साथ 55 रन की साझेदारी कर मैच की दिशा बदल दी। उनके सिडनी में भी खेलने की पूरी संभावना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम प्रबंधन अब यह ऐतिहासिक मौका भुनाना चाहेगी क्योंकि उसने कभी भी भारत को किसी द्विपक्षीय वनडे सीरीज में 3-0 से नहीं हराया है। संभावना है कि ऑस्ट्रेलिया अपने प्रमुख तेज गेंदबाज हेज़लवुड और मिचेल स्टार्क को आराम दे, जबकि नाथन एलिस और जैक एडवर्ड्स को मौका मिल सकता है। दूसरी ओर, भारत कुछ बदलावों के साथ उतर सकता है। चर्चाएं हैं कि कुलदीप यादव को मौका दिया जाए ताकि गेंदबाजी आक्रमण में धार लाई जा सके। वाशिंगटन सुंदर ने तीन विकेट तो लिए हैं लेकिन बल्ले से असफल रहे हैं। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को हर्षित राणा की जगह शामिल किया जा सकता है। साथ ही यशस्वी जायसवाल को भी खेलने का मौका मिल सकता है।

संभावित टीमें:

ऑस्ट्रेलिया: मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैट शॉर्ट, मैथ्यू रेंसॉ, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनॉली, मिच ओवेन, जेवियर बार्टलेट, मिचेल स्टार्क/जैक एडवर्ड्स, एडम जाम्पा, नाथन एलिस/जोश हेज़लवुड।

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नितीश रेड्डी, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

वियना ओपन 2025 : सिनर ने कोबोली को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

वियना,24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

शीर्ष वरीयता प्राप्त इतालवी खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अपने ही हमवतन फ्लावियो को बोली को हराकर वियना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। गुरुवार को खेले गए प्री-क्वार्टर मुकाबले में सिनर ने कोबोली को 6-2, 7-6(4) से मात दी।

पहले सेट में सिनर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 6-2 से आसानी से जीत हासिल की, लेकिन दूसरे सेट में कोबोली ने कड़ा मुकाबला दिया। हालांकि टाई-ब्रेक में सिनर ने बेहतर खेल दिखाते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर इस टूर्नामेंट में तब लौटे हैं जब उन्होंने शंघाई मास्टर्स में थकान और ऐंठन के कारण तीसरे दौर का मैच बीच में छोड़ दिया था। सिनर ने पहले सेट में एक भी ब्रेक प्वॉइंट का सामना नहीं किया, लेकिन दूसरे सेट में मिले चार ब्रेक मौके का फायदा नहीं उठा पाए।

मैच के बाद उन्होंने कहा, फ्लावियो शानदार टैलेंट और बेहतरीन प्रतियोगी हैं। हमने कई बेहतरीन रैलियां खेलीं। दूसरे सेट में मुझे मौके मिले लेकिन मैं उन्हें भुना नहीं सका, यही टेनिस है। मैंने सकारात्मक मानसिकता बनाए रखी और खेल से खुश हूं। क्वार्टर फाइनल में अब सिनर का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त कजाख खिलाड़ी एलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा, जिन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 6-4, 6-2 से हराया। वहीं, दूसरे वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव भी अंतिम आठ में पहुंच गए हैं, जहां उनका मुकाबला टालोन ग्रिकसपोर से होगा।

इस बीच, फ्रांस के कोरेंटिन माउटे ने रूस के दानिल मेदवेदेव से पिछली हार का बदला चुकता किया। पिछले रविवार को अल्माटी फाइनल में मेदवेदेव ने माउटे को हराया था, लेकिन इस बार माउटे ने शानदार वापसी करते हुए 7-6(7/3), 6-4 से जीत दर्ज की।

विराट का विकेट लेने वाले बार्टलेट उनकी बल्लेबाजी देखकर ही बने क्रिकेटर

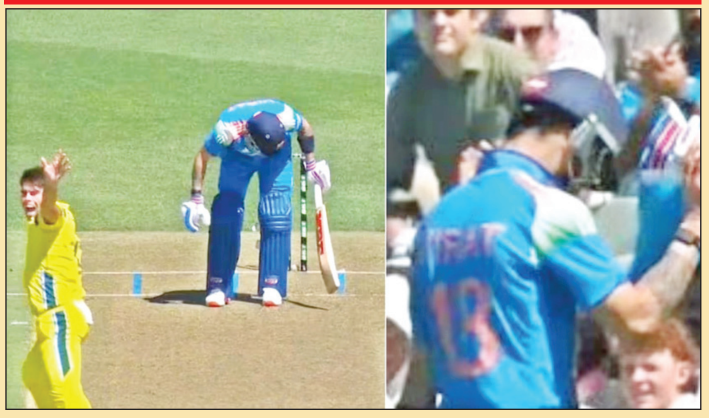

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरे एकदिवसीय में शून्य पर आउट हुए। विराट अपने एकदिवसीय कैरियर में पहली बार लगातार दो एकदिवसीय मैचों में खाता नहीं खोल पाये। दूसरे एकदिवसीय में उन्हें युवा तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने आउट किया। रोचक बात ये है कि बार्टलेट विराट की बल्लेबाजी देखकर ही क्रिकेटर बनने प्रेरित हुए थे। विराट को बार्टलेट ने एलबीडबल्यू आउट किया। बार्टलेट साल 2012 में एडिलेड में खेले गए टेस्ट मैच में विराट की शतकीय पारी को देखकर बेहद प्रभावित हुए थे। उस समय बार्टलेट की उम्र केवल 12 साल थी। उस मैच में विराट की बल्लेबाजी को देखकर बार्टलेट उनके प्रशंसक हो गए थे। बार्टलेट बचपन से ही बार्टलेट खेल से जुड़े रहे हैं। उनके पिता साउथ ऑस्ट्रेलिया स्टेट लीग में रूल्स फुटबॉल प्लेयर थे। ऐसे में उनके घर में खेल का माहौल् था। उन्होंने जूनियर लेवल पर तैराकी की कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है, लेकिन बाद में उन्होंने तैराकी को छोड़कर क्रिकेट खेलना शुरु कर दिया। जेवियर ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अभी तक केवल एकदिवसीय और टी20 प्रारुप में ही खेला है। साल 2024 में जेवियर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इस क्रिकेटर ने अब तक 5 एकदिवसीय और 11 टी20 खेले हैं जिममें कुल 30 विकेट लिए हैं।

महिला विश्वकप 2025 : न्यूजीलैंड को हराकर भारत ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, मंधाना-प्रतिका की पारियों ने लूटी महफिल

मुंबई,24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम, मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भारत ने बारिश से प्रभावित मैच में डीएलएस पद्धति के तहत विरोधी टीम को 53 रनों से हराया।

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने तीन विकेट खोकर 49 ओवरों में 340 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ओपनर स्मृति मंधाना ने 95 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्कों की मदद से 109 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 134 गेंदों में 13 चौके और 2 छक्कों की मदद से 122 रन का शानदार योगदान दिया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 212 रनों की भारी साझेदारी कर टीम को बड़े टोटल तक पहुंचाया।

जवाब में न्यूजीलैंड को निर्धारित 44 ओवरों में 325 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। टीम 271 रन ही बना पाई। ब्रूक हॉलिडे ने 81 रन और इसाबेल गेज ने नाबाद 65 रन की पारी खेली। भारत की ओर से रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ ने दो-दो विकेट लिए, जबकि स्नेह राणा, श्री चरणी, दीप्ति शर्मा और प्रतिका रावल ने एक-एक सफलता हासिल की।

इस जीत के साथ भारत ने वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और मंधाना-प्रतिका की शानदार पारियों ने भारतीय दर्शकों का मन मोह लिया। कप्तान और टीम के प्रदर्शन ने एक बार फिर टीम इंडिया की बढ़ती ताकत और विश्व कप में उनकी मजबूत दावेदारी को प्रदर्शित किया।

अमिताभ बच्चन ने जयपुर पिंक पैंथर्स टीम की खेल भावना को सराहा

सहायक प्रबंधक वेदांत देवाडिगा की याद में उनके नाम का बैंड पहनकर उतरी थी

नयी दिल्ली,24 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

सदी के महानायक के नाम से लोकप्रिय अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कबड्डी टीम जयपुर पिंक पैंथर्स (जेपीपी) की खेलभावना की प्रशंसा की है। जेपीसी ने अपने युवा सहायक प्रबंधक दिवंगत वेदांत देवाडिगा की याद में पटना पाइरेट्स के खिलाफ हुए मैच में माथे पर वेदांत के नाम का बैंड पहना हुआ था। इसी को लेकर अमिताभ ने सोशल मीडिया पर जेपीपी टीम की खेल भावना को सलाम किया है।

पटना पाइरेट्स के साथ जयपुर पिंक पैंथर्स का मैच हुआ था और पटना पाइरेट्स ने जेपीपी को हरा दिया पर टीम ने पूरी मेहनत की और ये मैच सहायक मैनेजर वेदांत देवाडिगा को

समर्पित करते हुए सम्मान दिया। गौरतलब है कि 21 अक्टूबर को जेपीपी टीम के वेदांत का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। टीम ने सोशल मीडिया पर दुख जताते हुए उनके निधन की जानकारी दी थी। टीम ने लिखा था, जयपुर पिंक पैंथर्स परिवार हमारे सहायक प्रबंधक, वेदांत देवाडिगा के असामयिक निधन से अत्यंत दुखी है।

भारत में जूनियर विश्वकप हॉकी टूर्नामेंट के लिए टीम नहीं भेजेगा पाकिस्तान : पीएचएफ

कराची। पाकिस्तान ने अगले माह भारत में खेले जाने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट से अपना नाम वापसी ले लिया है। विश्व कप 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सरकार से सरकार से ली गयी सलाह के बाद अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया है। पाकिस्तान हॉकी महासंघ के सचिव राणा मुजाहिद ने कहा, हमें लगता है कि वर्तमान हालात दौरे के लिए ठीक नहीं हैं। हाल ही में हुए एशिया कप क्रिकेट आयोजन में भी दोनो देशों के बीच कोई बातचीत नहीं थी। इस दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने हमारे खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया और फिर उन्होंने एसीसी व पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से भी मना कर दिया। इसलिए हॉकी संघ टीम को भारत नहीं भेजना चाहता और उसने टूर्नामेंट से बाहर रहने का फैसला लिया है। पीएचएफ के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि हमने सरकार और खेल बोर्ड से सलाह मांगी, जिन्होंने हमें बताया है कि मौजूदा राजनीतिक तनाव के बीच ही सुरक्षा कारणों से जूनियर विश्व कप के लिए टीम को भारत भेजना संभव नहीं है।

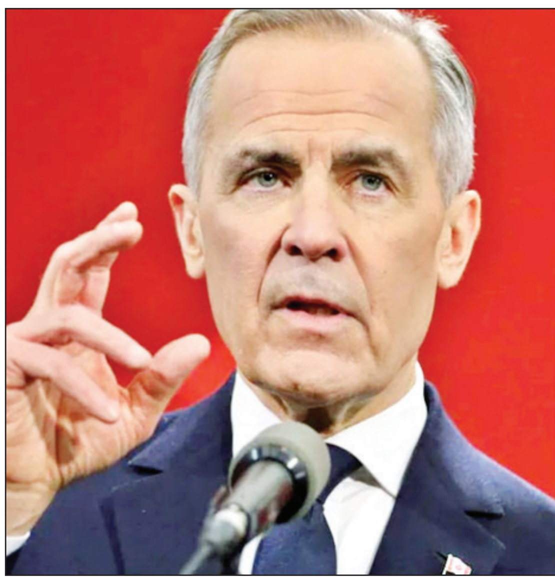

ट्रंप ने कनाडा से व्यापार वार्ता तोड़ी रॉनल्ड रीगन विज्ञापन पर भड़के

नई दिल्ली,24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि उन्होंने कनाडा के साथ व्यापार वार्ता तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि कनाडा ने एक फर्जी और भ्रामक विज्ञापन चलाया, जिसमें रॉनल्ड रीगन को अमेरिकी टैरिफ नीतियों के खिलाफ बोलते दिखाया गया। ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, रॉनल्ड रीगन फाउंडेशन ने बताया है कि कनाडा ने एक झूठा विज्ञापन चलाया है, जिसका उद्देश्य अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट और अन्य अदालतों के फैसलों को प्रभावित करना था। यह 75,000 डॉलर में चलाया गया विज्ञापन हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि कनाडा के इस अनुचित और अस्वीकार्य व्यवहार के कारण सभी व्यापार वार्ताएं तत्काल रोक दी जा रही हैं। यह विवाद उस समय गहराया जब कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा अब अमेरिका पर निर्भरता घटाकर अन्य देशों को निर्यात दोगुना करने की योजना बना रहा है। इसी बीच ओंटारियो प्रीमियर डग फोर्ड ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक एंटी-टैरिफ विज्ञापन साझा किया था। इस विज्ञापन में 1987 में रीगन के एक रेडियो भाषण का अंश इस्तेमाल किया गया था, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि उच्च टैरिफ से व्यापार युद्ध शुरू हो जाते हैं और लाखों नौकरियां खत्म हो जाती हैं। डग फोर्ड ने लिखा कि हम अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ हर संभव कदम उठाएंगे। समृद्धि का रास्ता साझेदारी और सहयोग से ही निकलता है। इस घटनाक्रम से अमेरिका और कनाडा के बीच आर्थिक तनाव और गहराने की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह विवाद उत्तर अमेरिकी व्यापार संबंधों पर दीर्घकालिक असर डाल सकता है।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू इस्पात कीमतें पांच साल के निचले स्तर पर, कीमतें गिरकर 47,000-48,000 प्रति टन पर पहुंचीं

नई दिल्ली। घरेलू इस्पात की कीमतें हाल के वर्षों में सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। थोक बाजार में हॉट रोल्ड कॉइल (एचआरसी) की कीमतें लगभग 47,150 प्रति टन और री-बार (टीएमटी) 46,500-47,000 रुपए प्रति टन के दायरे में कारोबार कर रही हैं। पिछली बार इतनी कम कीमतें 2020 में देखी गई थीं, जब वैश्विक महामारी के कारण एचआरसी 46,000 और री-बार 45,000 रुपए प्रति टन पर थी। वर्तमान गिरावट का मुख्य कारण कमजोर निर्यात मांग, बढ़ते आयात और वैश्विक बाजार में आपूर्ति का अधिशेष है। चीन और अन्य देशों से आक्रामक निर्यात ने भारतीय इस्पात निर्यात पर दबाव डाला। इसके बावजूद भारत में आयात बढ़ता रहा। साल के नौवें महीने में भारत ने 7.9 लाख टन तैयार इस्पात का आयात किया, जो अगस्त के 6.9 लाख टन से अधिक है। निर्यात 44.3 लाख टन रहा, जिसमें 40प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन आयात निर्यात से 4.7 लाख टन अधिक रहा। कोरिया, रूस और इंडोनेशिया से आयात बढ़ा, जबकि चीन, जापान और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से घटा। इस्पात मंत्रालय ने 27 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी में 'ओपन हाउस' बुलाकर आयात से जुड़े मुद्दों पर उद्योग हितधारकों से चर्चा करने का निर्णय लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी आयात में वृद्धि पर ध्यान देते हुए घरेलू उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए नीतिगत समर्थन का आह्वान किया है।

पेट्रोल-डीजल में कुछ शहरों में राहत कुछ में बढ़त

मुंबई। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में शुक्रवार सुबह जारी हुए नए रेट के अनुसार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भिन्नता रही। नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) में पेट्रोल 6 पैसे बढ़कर 94.77 और डीजल 8 पैसे बढ़कर 87.89 रुपए प्रति लीटर हो गया। वहीं गाजियाबाद में उपभोक्ताओं को राहत मिली। यहां पेट्रोल 48 पैसे घटकर 94.41 और डीजल 56 पैसे सस्ता होकर 87.47 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। वहीं पटना में तेल की कीमतों में बढ़त देखी गई। बिहार की राजधानी में पेट्रोल 106.11 और डीजल 92.32 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया, जो पिछले दिन की तुलना में क्रमशः 88 पैसे और 83 पैसे ज्यादा है। इस वृद्धि से उपभोक्ताओं की जेब पर दबाव बढ़ सकता है। देश के चार बड़े शहरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 और डीजल 87.62, मुंबई में पेट्रोल 103.44 और डीजल 89.97, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 और डीजल 92.35 तथा कोलकाता में पेट्रोल 104.95 और डीजल 91.76 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दामों में तेजी जारी है। ब्रेंट क्रूड 85.85 डॉलर प्रति बैरल और डब्यूटीआई क्रूड 81.65 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। हालांकि, घरेलू तेल कंपनियों ने मौजूदा स्तरों पर कीमतों को संतुलित रखा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार की बढ़त का फिलहाल ज्यादा असर घरेलू रेट्स पर नहीं पड़ा है।

एलएंडटी ने ओडिशा और जमशेदपुर में दो बड़े ठेके हासिल किए

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने अपने खनिज एवं धातु व्यवसाय खंड के तहत हाल ही में दो महत्वपूर्ण ठेके हासिल किए हैं। ये ठेके भारत में कंपनी की इस क्षेत्र में विस्तार और औद्योगिक बुनियादी ढांचे में योगदान को दर्शाते हैं। एलएंडटी को हिंदाल्को से ओडिशा में अपनी आगामी ग्रीनफील्ड परियोजना के लिए 180 केटीपीए एल्यूमीनियम स्मेल्टर और गैस ट्रीटमेंट सेंटर स्थापित करने का ठेका मिला है। यह परियोजना न केवल एल्यूमीनियम उत्पादन क्षमता बढ़ाएगी, बल्कि पर्यावरण अनुकूल गैस ट्रीटमेंट तकनीक के माध्यम से प्रदूषण कम करने में भी मदद करेगी। साथ ही एलएंडटी को टाटा स्टील (जमशेदपुर) से कोक ओवन बैटरी 6 ए/बी स्थापित करने का ठेका भी मिला है। यह परियोजना इस्पात उत्पादन के लिए आवश्यक कोक उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सहायक होगी और कंपनी के इस्पात क्षेत्र के सहयोग को और मजबूत करेगी ।

भारत और जर्मनी ने व्यापार व निवेश में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की

नई दिल्ली/बर्लिन,24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और जर्मनी ने गुरुवार को व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा और कौशल जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और जर्मनी की संघीय अर्थव्यवस्था एवं ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीच के बीच यह बातचीत हुई।

वाणिज्य मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि बर्लिन में हुई बैठक के दौरान वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और जर्मनी की संघीय अर्थव्यवस्था एवं ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीच के बीच बर्लिन में हुई बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई। मंत्रालय ने बताया, ''चर्चा व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा और कौशल विकास में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी।''

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि जर्मन अर्थव्यवस्था एवं ऊर्जा मंत्री सुश्री कैथरीना रीचे से मुलाकात हुई। वाणिज्य मंत्री ने इस मुलाकात को भारत-जर्मनी साझेदारी को मजबूत करना बताया है। गोयल ने इसके अलावा संघीय चांसलरी में आर्थिक एवं वित्तीय नीति सलाहकार तथा जर्मनी के जी7 एवं जी20 शेरपा डॉ. लेविन होले से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

गोयल ने कहा कि संघीय चांसलर के आर्थिक एवं वित्तीय नीति सलाहकार और जर्मनी के जी-7 एवं जी-20 शेरपा, महामहिम डॉ. लेविन होले से मिलकर बहुत खुशी हुई है। उन्होंने बताया कि इस मुलाकात के दौरान प्रमुख क्षेत्रों में भारत-जर्मनी सहयोग को और मजबूत बनाने के अवसरों पर चर्चा हुई। गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर भी हमारी सकारात्मक चर्चा हुई। दोनों पक्ष अपने राष्ट्रों की साझा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्रय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी मज़बूत करने के लिए जर्मनी की आधिकारी दौरे पर हैं। भारत और जर्मनी की रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ को देखते हुए उनकी ये यात्रा जर्मनी के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगी।

पुराने शेयर और डिविडेंड अब आसानी से वापस पाए जा सकते हैं

नई दिल्ली। भारत में कई निवेशक यह नहीं जानते कि उनके पुराने शेयर और बिना लिए गए डिविडेंड अभी भी वापस पाए जा सकते हैं। इसके लिए इंवेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड (आईईपीएफ) पोर्टल संचालित किया गया है। यदि कोई निवेशक सात साल तक अपना क्लेम नहीं करता, तो रकम या शेयर कंपनी द्वारा आईईपीएफ में ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। निवेशक आईईपीएफ की वेबसाइट पर जाकर अनक्लेम्ड एमाउंट सेक्शन में अपने नाम या कंपनी के नाम से खोज कर सकते हैं। यहां पता चलता है कि कोई क्लेम पेंडिंग है या नहीं। फार्म आईईपीएफ-5 डाउनलोड करके सही दस्तावेजों के साथ जमा करना होता है। इसमें पेन कार्ड, पहचान पत्र, बैंक खाता प्रमाण और यदि उपलब्ध हो तो शेयर सर्टिफिकेट शामिल हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद राशि या शेयर निवेशक के खाते में ट्रांसफर होते हैं। आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक की जा सकती है। सुनिश्चित करें कि दस्तावेज सही और स्पष्ट हों, क्योंकि गलत जानकारी से दावा रुक सकता है।

सेबी का प्रस्ताव: म्युचुअल फंड निवेश प्रक्रिया में केवायसी जरूरी

मुंबई,24 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्युचुअल फंड निवेश प्रक्रिया को सरल और निवेशक-अनुकूल बनाने के लिए नया प्रस्ताव पेश किया है। इसका मुख्य उद्देश्य निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों दोनों के सामने आने वाली केवायसी और लेन-देन संबंधी बाधाओं को दूर करना है।

प्रस्ताव के अनुसार नए म्युचुअल फंड फोलियो में पहली बार निवेश तभी किया जा सकेगा जब केवायसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी द्वारा वेरिफिकेशन पूरा हो जाए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि निवेशक का रिकॉर्ड लेन-देन शुरू होने से पहले पूरी तरह अनुपालन में हो। नई प्रक्रिया के अनुसार अपडेट करना होगा। इसके अलावा, निवेशकों को केवायसी प्रक्रिया के हर चरण पर ईमेल और मोबाइल अलर्ट भेजे जाएंगे। इसका मकसद प्रक्रिया को और पारदर्शी तथा निवेशक-अनुकूल बनाना है।

ओर्कला इंडिया का आईपीओ 29 को खुलेगा

नई दिल्ली। ओर्कला इंडिया जो एमटीआर और ईस्टर्न मसालों के लिए प्रसिद्ध है, ने अपने 1,667 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 695-730 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ में कोई नया शेयर निर्गम नहीं है, बल्कि यह आफर फार सेल आधारित है। इसमें प्रवर्तक ओर्कला एशिया पैसिफिक प्राइवेट लिमिटेड और शेयरधारक नवस मीरान एवं फिरोज मीरान अपने कुल 2.28 करोड़ शेयर बेच रहे हैं। एंकर निवेशक 28 अक्टूबर को बोली लगा सकते हैं। आईपीओ 29 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक खुला रहेगा। ओर्कला इंडिया के शेयर 6 नवंबर को स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध हो सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बिहार में एनडीए...

उन्होंने कहा कि जो लोग चोरी और हजारो करोड़ के घोटाले में जमानत पर चल रहे हैं वो खुद के लिए जननायक की उपाधि भी चुराना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की नीयत साफ नही है और कर्पूरी ठाकुर के अपमान के लिए जनता उनको माफ नही करेगी।प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार के कार्यो की बदौलत बीते 11 वर्षों ने जनता ने उन्हें बार बार काम का अवसर दिया। महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात सभी जगहों पर पहले से ज्यादा मत दे कर राजग की सरकार बनवाई। उन्होंने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनी और गुजरात में दो दशक पुरानी सरकार की भी जनता ने बहुमत दिया। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश में तो हर बार सरकार बदल जाती थी लेकिन राजग सरकार में विश्वास व्यक्त करते हुए मतदाताओ ने उसे पुनः मौका दिया।श्री मोदी ने कहा कि राजग सरकार का मतलब होता है सुशासन और विकास की गारंटी। उन्होंने कहा कि बिहार में जो लहर चल रही है उसे देख कर लगता है कि एनडीए इस बार नीतीश कुमार के नेतृत्व में जीत के सभी पुराने रेकॉर्ड तोड़ देगा।प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी अक्टूबर के महीने में बिहार में सुशासन की शुरुआत हुई थी, वरना उसके पहले बिहार जंगलराज से गुजर रहा था। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार के पहले दस साल में केंद्र में कांग्रेस-राजद की सरकार थी। उन दस वर्षों में केंद्र ने बिहार को जितनी सहायता दी थी, उसके मुकाबले मोदी सरकार ने उतने ही काल मे तीन गुनी सहायता दी। उन्होंने कहा कि उस काल मे कांग्रेस की केंद्र सरकार पर राजद दबाव डालती थी कि बिहार को नई परियोजनाएं नही दी जाएं। उन्होंने कहा कि आज बिहार के विकास के लिए भाजपा और राजग के सभी नेता नीतीश कुमार, जीतनराम मांझी, चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा दिन रात काम कर रहे हैं और उसके पहले स्वर्गीय सुशील मोदी और रामविलास पासवान यही काम करते रहे। उन्होंने कहा कि राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क के विकास से इंजीनियरिंग और कृषि कार्य आसान हो गया है। समस्तीपुर पूर्णिया बजे बीच छह लेन हाइवे बन रहा है। बन्दे भारत ट्रेनें शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि बिहार अब उस हालात से निकल गया है जब देश के एक प्रधानमंत्री कहते थे कि केंद्र से भेजे गए एक रुपया कस 15 पैसा ही लाभुकों को मिलता है। अब सरकार से भेजा हुआ पैसा सीधे किसानों के खाते में जाता है।श्री मोदी ने कहा कि बिहार अब बदल रहा है। पहले मिथिला के जिस इलाके को उसके पोखरों से जाना जाता था वहां मछली बाहर के राज्यों से आयात हो कर आती थी लेकिन आज प्रधनमंत्री मत्स्य संपदा योजना शुरू होने के बाद पिछले 10 वर्षों में बिहार में मछली का उत्पादन दूना हो गया है और प्रदेश दूसरे राज्यो में निर्यात कर रहा है।

रोजगार मेले में ...

ओर से रोजगार मेलों का आयोजन करना एक बहुत अच्छा निर्णय है। इससे युवाओं को विकसित भारत विजन में योगदान देने का मौका मिल रहा है।खान मंत्रालय के तहत केमिस्ट पोस्ट पर नियुक्त होने वाले हितेश मौर्या ने कहा कि मेरे लिए यह काफी खुशी का मौका है। रोजगार मेले एक बहुत अच्छा कार्यक्रम है। इतने बड़े मंच पर आना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। इससे आने वाली पीढ़ी को प्रोत्साहन मिलेगा।नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले एक अन्य प्रतिभागी आदित्य सिंह ने बताया कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी थी और इस तरह के कार्यक्रम काफी अच्छे हैं।17 वां रोजगार मेल देशभर में 40 लोकेशन पर आयोजति किया गया था। इसमें करीब 51,000 चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिए गए। पीएम मोदी इसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए।

बस में आग ...

गृह मंत्री अनीता ने घोषणा की कि आंध्र प्रदेश के मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों को 2 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस भीषण दुर्घटना की जांच के लिए 16 विशेष टीमें गठित की गई हैं। इनमें से 10 टीमें डीएनए टेस्ट के जरिए शवों की पहचान में जुटी हैं। सभी शवों को कर्नूल के सरकारी अस्पताल भेजा गया है।गृह मंत्री अनीता, डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता, परिवहन मंत्री प्रसाद रेड्डी, कलेक्टर ए. सीरी और डीआईजी कोया प्रवीण ने घटनास्थल का दौरा कर राहत कार्यों की निगरानी की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नज़ीर और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस भीषण हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

मृतकों के परिजनों ...

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यह बेहद दुखद घटना है। मैं अपनी पार्टी की ओर से शोक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और आशा करता हूं कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों।इससे पहले मंत्री गौड़ ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार के नियमों का उल्लंघन करने वाली और अनफिट घोषित बसों को तुरंत जब्त किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जो बसें फिटनेस नियमों का पालन नहीं करतीं, उन्हें तुरंत जब्त किया जाए। नागरिकों की जान के साथ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।गौड़ ने यह भी बताया कि सभी संबंधित सरकारी अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। तेलंगाना सरकार ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है और इसकी जांच के आदेश दिए हैं। परिवहन विभाग, जिला कलेक्टर सहित सभी अधिकारी मौके पर हैं।

मंत्री ने आगे कहा कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के परिवहन विभाग मिलकर ऐसे हादसों को रोकने के लिए एक संयुक्त कानून बनाने पर विचार करेंगे, ताकि भविष्य में इस तरह की त्रासदियां दोबारा न हों।

दिल्ली और भोपाल...

दोनों आरोपित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कट्टरपंथी वीडियो एडिट कर युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते थे। ये लोग इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर कई बार बैन होने के बावजूद नए चैनल बनाकर कट्टरपंथी सामग्री फैलाते रहे हैं।जांच में सामने आया कि दोनों आरोपित न केवल ऑनलाइन प्रचार-प्रसार कर रहे थे, बल्कि अब इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने की दिशा में सक्रिय थे। उनके पास से टाइमर क्लॉक, आईएसआईएस का झंडा, आईईडी बनाने की मैनुअल, पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, लैपटॉप और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद हुई है। स्पेशल सेल की समय रहते कार्रवाई से दिल्ली में त्योहारों के दौरान संभावित आतंकी हमले की साजिश नाकाम हुई है।

जयशंकर ने यूएन...

आज यहां हुई यह बैठक एकता और साझा उद्देश्य का संदेश देती है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, बहुत ही अफसोस की बात है कि आज के दौर में भी हम कई बड़े विवाद देख रहे हैं। यह केवल मानव जीवन पर ही प्रभाव नहीं डाल रहे हैं, बल्कि इसका असर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पर भी देखने को मिल रहा है। ग्लोबल साउथ ने इस पीड़ा को महसूस किया है। यूएन में बदलाव आज के समय में बड़ी चुनौती बन गया है। यूएन सदस्यों पर आतंकी समूहों को बचाने का आरोप लगाते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा, कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों को दर्शाते हैं। जब सुरक्षा परिषद का एक मौजूदा सदस्य पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी लेने वाले संगठनों का खुलेआम बचाव करता है, तो इससे बहुपक्षीय संस्थाओं की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है? इसी तरह, अगर वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों को ही बराबर का दर्जा दिया जाए, तो दुनिया और कितनी ज्यादा स्वार्थी हो सकती है?

लालू यादव के जंगलराज ...

को दहशत के दौर में ले जाना चाहते हैं।गृह मंत्री ने शहाबुद्दीन के पुत्र ओसामा शाहब का नाम लेते हुए कहा कि अगर ऐसे प्रत्याशी जीतेंगे तो सिवान में फिर वही आतंक का माहौल लौट आएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार ने बिहार में चारों तरफ विकास का पहिया घुमाया। मुफ्त बिजली, आशा बहनों का मानदेय बढ़ाकर, शहीद परिवारों के सम्मान जैसी योजनाओं से आमजन का जीवन आसान हुआ है।उन्होंने कहा कि जंगलराज की समाप्ति नीतीश कुमार की देन है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूरे बिहार को जंगलराज से मुक्त कराया और हम यह चुनाव भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ रहे हैं।शाह ने अपने भाषण में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, राहुल बाबा घुसपैठियों को देश में बसाने की बात करते हैं, जबकि मोदी सरकार देश से घुसपैठ खत्म करने में लगी है। राहुल गांधी ऐसे लोगों का समर्थन कर रहे हैं जिनकी सोच शहाबुद्दीन जैसी है।अंत में अमित शाह ने एनडीए प्रत्याशी मंगल पांडेय के लिए वोट की अपील करते हुए कहा, हमने सिवान को एक बना-बनाया मंत्री दिया है, इन्हें विजयी बनाइये ताकि सिवान की आवाज दिल्ली तक और बुलंद हो।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने...

कार्यकाल 10 फरवरी को खत्म हुआ था।1952 से 2021 के बीच जम्मू-कश्मीर से 37 व्यक्तियों (सभी पुरुष) ने राज्यसभा में प्रतिनिधित्व किया है। इनमें से 70 प्रतिशत से अधिक सदस्य नेशनल कॉन्फ्रेंस और इंडियन नेशनल कांग्रेस से रहे हैं।स्वतंत्र थिंक टैंक पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के अनुसार, इन अधिकांश सदस्यों ने केवल एक कार्यकाल ही पूरा किया। गुलाम नबी आज़ाद पांच कार्यकाल (1996-2021) तक राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे लंबे कार्यकाल वाले सदस्य रहे हैं। तीरथ राम अमला ने चार कार्यकाल पूरे किए, जबकि सैफुद्दीन सोज और ओम मेहता ने तीन-तीन कार्यकाल निभाए।अब तक जम्मू-कश्मीर से कोई भी महिला राज्यसभा सदस्य नहीं चुनी गई है, यह जानकारी पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च ने दी है।

भारत-चीन के...

बहाली के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि यह दोनों देशों के बीच हुए समझौते को लागू करने की नवीनतम प्रगति है। यह चीन और भारत के 2.8 अरब से अधिक लोगों के बीच मित्रतापूर्ण आदान-प्रदान को सुगम बनाने का सकारात्मक कदम है। बीजिंग ने कहा कि वह भारत के साथ मिलकर चीन-भारत संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखने और संभालने, द्विपक्षीय संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास को बढ़ावा देने, दोनों देशों और उनकी जनता को बेहतर लाभ पहुंचाने तथा एशिया और विश्व में शांति और समृद्धि बनाए रखने में उचित योगदान देने को तैयार है। दोनों पक्षों के बीच उड़ान सेवाएं 2020 में कोविड-19 महामारी के बाद निलंबित कर दी गई थीं। पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय तक चले सीमा गतिरोध के कारण इन्हें बहाल नहीं किया गया था। यह गतिरोध पिछले साल अक्टूबर में पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच मुलाकात के बाद समाप्त हो गया था। बीते 31 अगस्त को त्येनजिन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि सीधी उड़ानों की बहाली पर विचार चल रहा है। जून 2020 में गलवान घाटी झड़पों के बाद भारत-चीन संबंध 1962 के युद्ध के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे। कई कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं के बाद दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर कई विवादित बिंदुओं से अपनी सेनाएं पीछे हटाईं। पिछले साल अक्टूबर में, दोनों पक्षों ने डेपसांग और डेमचोक नामक अंतिम दो विवादित बिंदुओं के लिए विसैन्यीकरण समझौता पक्का किया। समझौते के कुछ दिन बाद, मोदी और शी ने कज़ान में वार्ता की और संबंध सुधारने के कई निर्णय लिए। पिछले कुछ महीनों में, दोनों पक्षों ने संबंधों को ठीक करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली भी शामिल है।

इन सात फलों के बिना अधूरा रह सकता है छठ पर्व, लिस्ट में शामिल करना न भूलें

दिवाली के बाद से ही छठ पर्व की तैयारियां शुरू हो जाती है। इस साल इसकी शुरुआत 25 अक्टूबर से हो रही है। छठ पर्व के पहले दिन नहाय खाय होता है। वहीं, खरना के दिन से व्रत का आरंभ हो जाता है और अगले दिन टोकरी में कई प्रकार के फल, पकवान आदि लेकर घाट पर जाया जाता है। टोकरी और सूप में कुछ फलों का होना बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। इनके बिना छठ पर्व अधूरा रह सकता है। साथ ही, ये फल छठ मैया को भी बेहद प्रिय हैं। ऐसे में इन्हें लाना बिल्कुल भी नहीं भूलना चाहिए।

डाभ नींबू जरूर लाएं

यह नींबू सामान्य नींबू की अपेक्षा में काफी बड़ा होता है, जो अंदर से लाल रंग का होता है। डाभ नींबू का स्वाद खट्टा-मीठा होता है। इसके ऊपर की परत बेहद मोटी होती है जिसके चलते पशु-पक्षी इसे झूठा नहीं कर पाते हैं। यह नींबू छठी माता को बहुत प्रिय है। ऐसे में पूजा के लिए डाभ नींबू जरूर लाना चाहिए।

छठ पूजा के लिए गन्ना है जरूरी

कई स्थानों पर लोग गन्ने का घर अपने आंगन में बनाकर उसके नीचे हाथी रखकर छठी मैया की पूजा करते हैं। ऐसा विशेष रूप से तब भी किया जाता है जब छठ पर्व में कोसी भरी जाती है। इसके लिए पत्ते वाले गन्ने बेहद जरूरी होते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से छठ मैय्या प्रसन्न होती हैं और उनकी कृपा से घर में सुख-शांति बनी रहती है। गन्ना सख्त होने के कारण पशु-पक्षी इसे जूठा नहीं कर पाते हैं। इसकी पवित्रता के चलते ही छठी मईया को गन्ना प्रिय है।

केला भी है मैया का प्रिय फल

ऐसी मान्यता है कि केले में भगवान विष्णु का वास होता है। ऐसे में इस फल को बेहद पवित्र माना गया है और छठी मईया को भी यह बेहद प्रिय है। इस फल को कच्चा तोड़कर घर पर ही पकाया जाता है ताकि पशु-पक्षी केले को जूठा न कर पाएं। छठ पर्व में केले को शामिल करने से माता का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

छठ पर्व के लिए नारियल है सबसे जरूरी

इस त्योहार में नारियल का विशेष महत्व होता है। ऐसी मान्यता है कि नारियल देवी लक्ष्मी का स्वरूप है। ऐसे में इसे परम पवित्र फल कहा गया है। वहीं, नारियल चढ़ाकर भक्त अपनी मनोकामना मांगते हैं और छठ पर्व में पवित्रता का अत्यधिक महत्व होता है। ऐसे में नारियल पूजा में शामिल जरूर किया जाता है।

सिंघाड़ा जरूर खरीदकर लाएं

छठ पर्व की खरीदारी करते समय सिंघाड़ा जरूर खरीदकर लाना चाहिए। यह फल माता लक्ष्मी को बेहद प्रिय है और आयुर्वेद में भी इसे बहुत लाभकारी माना जाता है। जल में रहने वाले इस फल का छिलका बहुत सख्त होता है। ऐसे में पशु-पक्षी इसे जूठा नहीं कर पाते हैं। पवित्रता के कारण छठ मईया को सिंघाड़ा भी प्रिय है।

शुभ कार्यों के लिए सुपारी है जरूरी

हिंदू धर्म में शुभ कार्यों में सुपारी प्रयोग करने का खास महत्व होता है। पान और सुपारी के साथ ही पूजा का संकल्प लिया जाता है। सुपारी बहुत सख्त होती है जिसे देवी लक्ष्मी का प्रभाव माना जाता है। ऐसे में छठ पर्व में सुपारी भी महत्वपूर्ण होती है।

छठ पूजा के लिए सुथनी

आयुर्वेद के अनुसार, मिट्टी से निकलने वाला यह फल कई बीमारियों से राहत दिलाता है। साथ ही, सुथनी को बहुत पवित्र और शुद्ध माना जाता है। यही कारण है कि छठ पूजा में इसका प्रयोग किया जाता है। छठ महापर्व में इन 7 फलों को जरूर शामिल करना चाहिए।

छठ के व्रत में महिलाएं भूलकर भी न करें ये काम, जानें क्या करें और क्या न करें

आज यानी 25 अक्टूबर, शनिवार को नहाय खाय के साथ छठ के त्यौहार की शुरुआत हो रही है। वहीं, 26 अक्टूबर को खरना के दिन से महिलाओं का व्रत शुरू हो जाता है। जिसमें 36 घंटों तक निर्जला व्रत रखने का विधान होता है और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के बाद इसका पारण किया जाता है। इस व्रत के दौरान कुछ खास बातों और नियमों का ख्याल रखना बेहद महत्वपूर्ण होता है। जाने-अनजाने में हुई गलती से व्रत और पूजा अधूरी रह सकती है। ऐसे में खरना के दिन से ही व्रती महिलाओं को कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए।

छठ पूजा में क्या नहीं करना चाहिए ?

इस त्योहार में साफ-सफाई और पवित्रता का विशेष रूप से ख्याल रखा जाता है। ऐसे में व्रत के दौरान घर, मंदिर, रसोई घर में बिल्कुल भी गंदगी नहीं रखनी चाहिए। साथ ही, प्रसाद बनाते समय भी पवित्रता और साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए।

व्रत रखने वाली महिलाओं को नहाय खाय वाले दिन सात्विक भोजन करना चाहिए। इस दिन लहसुन, प्याज जैसी तामसिक चीजों को खाने की मनाही होती है। छठ पर्व में केवल व्रती को ही नहीं बल्कि उनके परिवार को सात्विक भोजन ही करना चाहिए। इससे मन में श्रद्धा भाव बना रहता है।

खरना के दिन व्रत का आरंभ हो जाता है। छठ में निर्जला व्रत रखने का विधान होता है। ऐसे में व्रती महिलाओं को 36 घंटे तक पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। शास्त्रों में इस नियम का पालन करना बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। अगर व्रत के दौरान पानी पी लिया जाए, तो इससे आपका व्रत और पूजा अधूरी रह सकती है।

व्रत का पालन करने से पहले अपनी सेहत का ख्याल जरूर रखें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, जिसके चलते आप निर्जला व्रत नहीं रख सकते हैं तो ऐसे में छठ का व्रत नहीं रखना चाहिए। क्योंकि, शास्त्रों में निर्जला व्रत रखना महत्वपूर्ण माना गया है। ऐसे में उन्हीं महिलाओं को यह व्रत करना चाहिए, जो इस नियम का पूरी तरह पालन कर सकें।

छठ पूजा में क्या करना चाहिए ?

पूजा के लिए लाए गए गेहूं को अच्छी तरह धोकर सुखाना चाहिए। साथ ही, इसे पशु-पक्षी से भी बचाकर रखना जरूरी होता है। क्योंकि छठ के पर्व में पवित्रता का विशेष महत्व है। इसी तरह पूजा के सभी फलों को भी धोकर साफ स्थान पर रखना चाहिए।

छठ पूजा के दौरान व्रती महिलाओं को चारों दिन स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए और नारंगी रंग का ही सिंदूर लगाना चाहिए। इस सिंदूर की छठ पर्व में खास मान्यता होती है।

पूजा के लिए हर साल नई टोकरी का प्रयोग किया जाता है। छठ पर्व में पुरानी या फटी हुई टोकरी का इस्तेमाल करना अच्छा नहीं माना जाता है। लेकिन अगर आपके पास पीतल की टोकरी या सूप है तो उसे गंगाजल से शुद्ध करने के बाद प्रयोग किया जा सकता है।

परिवार के सदस्यों को इस बात का विशेष ख्याल रखना चाहिए कि व्रती महिला या पुरुष के भोजन करने के बाद ही उन्हें प्रसाद या खाना ग्रहण करना चाहिए। खरना के दिन इस नियम का विशेष ख्याल रखना चाहिए।

छठ पूजा में सूर्य देव के इन चार मंत्रों का जरूर करें पाठ, पूरी होगी हर कामना

सनातन धर्म में छठ पर्व का बहुत बड़ा महत्व है। इसमें सूर्यदेव और छठी मैया की उपासना की जाती है। चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से शुरू होकर सप्तमी तक चलता है। छठ पूजा छठ पूजा मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल सहित देश के कई हिस्सों में बड़े आस्था और श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। इस व्रत की शुरुआत नहाय-खाय से होती है, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन उषा अर्घ्य देकर व्रत का समापन किया जाता है। यह चार दिवसीय पर्व 25 अक्टूबर, शनिवार से शुरू होगा और 28 अक्टूबर, मंगलवार को पारण के साथ इसका समापन होगा। छठ महापर्व सूर्य देव को समर्पित होता है और इसे सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। चार दिनों तक चलने वाले इस व्रत में दो बार सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है। छठ पूजा के दिन कुछ खास मंत्रों का जाप करने से सूर्य देव प्रसन्न होते हैं और पूजा का पूर्ण फल मिलता है।

सूर्य मंत्र

वैदिक ज्योतिष में सूर्य को ऊर्जा और शक्ति का स्रोत माना गया है। सूर्य देव का आशीर्वाद पाने के लिए सूर्य मंत्र का नियमित जाप सबसे प्रभावी उपाय है। इससे मानसिक और शारीरिक बल प्राप्त होता है। छठ के दौरान सूर्य देव के इस मंत्र के जाप से व्रति को स्वस्थ जीवन प्राप्त होता है। प्रतिदिन सूर्य मंत्र का जप करने से मनोबल बढ़ता है और जीवन में समृद्धि आती है।

नमः सूर्याय शान्ताय सर्वरोग निवारिणे
आयुर्य मैस्वैर्यं देहि देवः जगत्पते।।
नमः सूर्याय शान्ताय सर्वरोग निवारिणे,
आयुरोग्य मैस्वैर्यं देहि देवः जगत्पते।।

सूर्य गायत्री मंत्र

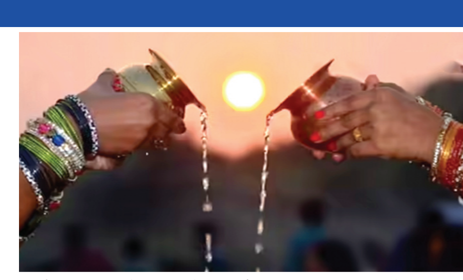

वैदिक ज्योतिष में सूर्य गायत्री मंत्र को अत्यंत शक्तिशाली और कल्याणकारी मंत्र माना गया है। यह मंत्र जन्म कुंडली में सूर्य से संबंधित दोषों और उसके प्रतिकूल प्रभावों को दूर करता है। छठ के दौरान सूर्य गायत्री मंत्र का नियमित जाप करने से शरीर मजबूत होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मान्यता है कि अगर सूर्य ग्रहण के समय पूरी एकाग्रता के साथ सूर्य गायत्री मंत्र का जप किया जाए, तो कई गुना अधिक फल प्राप्त होता है।

ॐ भास्कराय विद्महे महादुत्याधिकराय धीमहि तन्मो आदित्य प्रचोदयात्।।
ॐ भास्कराय विद्महे महादुत्याथिकराय धीमहि तनः सूर्य प्रचोदयात्

सूर्य बीज मंत्र

वैदिक परंपरा में सूर्य बीज मंत्र को अत्यंत प्रभावशाली और दिव्य माना गया है। यह मंत्र साधक को सूर्य देव की ऊर्जा से सीधे जोड़ने में सहायक होता है। नियमित रूप से सूर्य बीज मंत्र का जप करने से न केवल स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि यश, सम्मान और प्रतिष्ठा भी प्राप्त होती है। इस विशेष मंत्र का जाप करने से आंखों से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं और दृष्टि तेज होती है। इसके जप से मन को शांति मिलती है।

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।।
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः

आदित्य हृदय स्तोत्र

सूर्य देव के इस स्तोत्र का नियमित पाठ बेहद फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि इसके पाठ से आपका शरीर सूर्य की ऊर्जा से जुड़ जाता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता मजबूत होती है। इस मंत्र का पाठ करने से व्यक्ति में आत्मविश्वास बढ़ता है और कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने वाले व्यक्ति को सूर्य देव की कृपा, ऊर्जा और बल प्राप्त होता है।

आदित्यहृदयं पुण्यं सर्वशत्रुविनाशनम्
जयवाहं जपं नित्यमक्षयं परमं शिवम्।।
आदित्य हृदयाय पुण्यं सर्व शत्रु विनाशनम्
जयवाहं जपेनिथ्यं अक्षयं परमं शिवम्

सूर्य और मंगल की युति से बन रहा आदित्य मंगल योग में इन पांच राशियों के लिए वरदान

आज यानी 25 अक्टूबर, शनिवार को सूर्य और मंगल की युति से बेहद ही शुभ और शक्तिशाली आदित्य मंगल योग बन रहा है। सूर्य और मंगल के एक साथ आने से कई राशियों को धन लाभ और करियर में सफलता प्राप्त होगी। इसके शुभ प्रभाव से नौकरी और व्यापार में सफलता मिलेगी और साथ ही प्रमोशन की संभावना बढ़ जाती है। मिथुन, तुला, वृश्चिक और मीन राशि के जातकों के लिए आदित्य मंगल योग लाभदायक रहने वाला है। इसके प्रभाव से कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में जीत मिलेगी और भाग्य भी आपका साथ देगा। व्यवसाय में कुछ नए अवसर भी प्राप्त होंगे और महत्वपूर्ण समझौते आपके पक्ष में रहेंगे।

मेष राशि : अतिथियों के आने से खर्चे बढ़ेंगे

मेष राशि के जातकों के लिए राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में कुछ परेशानी देखने को मिल सकता है। आज के दिन विरोधी आपके लिए परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेंगे। ऐसे में आपको अपने कार्यक्षेत्र में निरन्तर परिश्रम करने की आवश्यकता है। वहीं, शाम के समय अतिथियों के आने से आपके खर्चे बढ़ेगा। आपकी कुंडली के द्वादश भाव में शनि-मंगल का योग बना हुआ है। सभी आवश्यक कार्य निपटाने के लिए यह अच्छा समय है। सोमवार के दिन रुद्राभिषेक कराने से जीवन में अच्छे परिणाम मिलेंगे।

वृष राशि : खान-पान पर विशेष ध्यान दें

आज आपका राशि स्वामी शुक्र-बुध के साथ षष्ठम भाव में कोई नई परेशानी पैदा कर सकता है। कार्य की अधिकता के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए बेहतर होगा की आप अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें। कला व साहित्य में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में किसी बड़े बुजुर्ग के सहयोग से व्यवसाय में प्रगति होगी। सायंकाल से रात्रि तक शुभ कार्य में खर्चा होगा जिससे आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

मिथुन राशि : सभी क्षेत्रों में सफलता मिलेगी

मिथुन राशि के जातकों के लिए शनिवार का दिन शुभ रहने वाला है। दशम भाव में कुंभ राशि का राहु और प्रथम जन्म लग्न केन्द्र भाव में बृहस्पति के होने से आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। सभी क्षेत्रों में बुद्धि और कौशल का प्रयोग करेंगे तो सफलता मिलेगी। राजनीतिक क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जो असमंजस की स्थिति बनी हुई थी वह आज समाप्त हो जायेगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक समाचार प्राप्त होगा।

कर्क राशि : अपने खर्चां पर कंट्रोल करें

आज के दिन कर्क राशि वालों को नौकरी, व्यवसाय व राजनीतिक क्षेत्र में प्रगति देखने को मिलेगी। कार्यक्षेत्र में बड़े बुजुर्गों के सहयो से सभी कार्य आसानी से निपट जाएंगे। हालांकि आपको इस दौरान अपने खर्चां पर कंट्रोल करना होगा। खर्चों में कटौती करें नहीं तो कष्ट उठाना पड़ सकता है। कला-खेल व साहित्य के क्षेत्र में आ रही बाधाों के दूर होने की संभावना है। सायंकाल से रात्रि तक पुत्र व पुत्री के लिए विवाह के रिश्ते आएंगे।

सिंह राशि : किसी भी कार्य में जल्दबाजी न करें

सिंह राशि वालों के पारिवारिक जीवन में आज के दिन कुछ खटपट रहेगी। इस दौरान आपको साहस व धैर्य से काम लेना होगा। किसी भी कार्य में जल्दबाजी आपके लिए परेशानी का कारण बन सकती है। हालांकि आपके कार्यक्षेत्र में प्रगति की बहुत संभावनाएं हैं। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। आज के दिन दिए हुए पैसे के वापस मिलने की संभावना दिख रही है। वहीं, शाम के समय में किसी प्रकार की दूर या पास की यात्रा का योग बनता हुआ दिख रहा है।

कन्या राशि : परिवार में संपत्ति को लेकर तनाव

आज के दिन आपकी राशि का स्वामी बुध द्वितीय भाव में संचार कर रहा है। ऐसे में कन्या राशि के जातकों के राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में तनाव की स्थिति रहेगी। विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम की आवश्यकता है। परिवार में संपत्ति को लेकर भी कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है। वहीं, शाम के समय व्यापार में आपको कुछ फायदा होगा, जिसका लाभ आपको आगे चलकर देखने को मिलेगा।

तुला राशि : कानूनी मामलों में जीत मिलेगी

तुला राशि के जातकों के लिए आज का दिन बेहद शुभ नजर आ रहा है। वृश्चिक राशि का चन्द्रमा द्वितीय कोष धन केंद्र में आज पराक्रम व धन की वृद्धि करेगा। इस दौरान कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में आपकी जीत होगी। इस दौरान आपको भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा और आप कार्यक्षेत्र में सफलता के शीर्ष पर पहुंच जाएंगे। अचल संपत्ति के व्यापार से लाभ होता दिख रहा है। संतान की सफलता के समाचार से आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, शाम के समय किसी नए कार्य का आरंभ होने से समाज में सम्मान मिलेगा।

वृश्चिक राशि : आपके प्रभाव में वृद्धि होगी

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। राशि का स्वामी मंगल तुला राशि में और चंद्रमा वृश्चिक राशि के प्रथम भाव में संचार कर रहा है, जिससे आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आज के दिन आपको व्यवसाय में नए अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान कुछ महत्वपूर्ण समझौते भी आपके पक्ष में होते दिख रहे हैं। राजनीतिक या सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत जातकों को विरोधियों से चुनौतियां मिल सकती हैं। कुल मिलाकर आज शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा।

धनु राशि : झूठा आरोप भी आप पर लग सकता है

आज के दिन धनु राशि के जातकों को संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा। आज के दिन नए-नए खर्चे निकल कर सामने आएंगे, इससे आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। इस दौरान किसी प्रकार का झूठा आरोप भी आप पर लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात्रि तक का समय आपके लिए यात्रा का योग है, उसमें खास कर चौकन्ने रहें। क्रोध पर नियंत्रण रखेंगे तो व्यवसाय में लाभ होगा।

मकर राशि : सामाजिक क्षेत्र में नए संपर्क बनेंगे

मकर राशि के जातकों के लिए आज का दिन सकारात्मक रहने वाला है। आपकी राशि का स्वामी शनि तृतीय भाव में स्थित है और एकादश भाव का गुरु मिथुन राशि में संचार कर रहा है, जिससे आपको सुव्यवस्था और जिम्मेदारी का कोई महत्वपूर्ण कार्य सौंपा जा सकता है। राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में नए संपर्क बनेंगे। इस दौरान शिक्षा क्षेत्र में विशेष प्रगति होगा और समाज में सम्मान मिलेगा। आज के दिन अगर सिंह राशि वाला कोई व्यक्ति आपके सामने कोई प्रस्ताव रखे तो उसे अस्वीकार कर दें।

कुंभ राशि : लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें

आज के दिन कुंभ राशि वालों को थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है। चन्द्रमा दशम भाव में वृश्चिक राशि पर संचार कर रहा है। ऐसे में लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें। व्यय की अधिकता के कारण आज आपको किसी से कर्जा भी लेना पड़ सकता है। पारिवारिक कार्यों में दौड़ धूप देखने को मिलेगी। आप अपनी कार्यकुशलता से दूसरों को प्रभावित करेंगे। सायंकाल के समय कोई विशेष कार्य निपट जाने से उत्साह बढ़ेगा।

मीन राशि : कार्यों में सफलता प्राप्त होगी

राशि का स्वामी मिथुन में तथा प्रथम लग्न प्रमुख केन्द्र भाव में राहू राज्य विजय कारक है। आज आप अपने प्रतिद्वन्दियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। परिवार में भी आपके प्रति प्रेम व आदर की भावन बढ़ेगी। देव, गुरू, ब्राह्मणों के प्रति भक्ति भावना में इच्छित कार्यों की सफलता में चल रहा व्यवधान समाप्त हो जाएगा। रात्रि के समय किसी मंगल कार्य में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दें

48 में भी 28 की हसिनाओं को पछाड़ रहीं है मल्लिका

मल्लिका ने अपनी मेहनत और बेबाकी से बॉलीवुड में एक खास पहचान बनाई। आज दुनिया उन्हें सम्मान देती हैं, लेकिन उनके मन में एक मलाल हमेशा रहता है कि उनके परिवार ने कभी यह नहीं कहा कि उन्हें उन पर गर्व है। यह हरियाणा की उस लड़की की प्रेरक कहानी है, जिसने परिवार के विरोध को दरकिनार कर हिंदी सिनेमा में अपना नाम रोशन किया।

मल्लिका शेरावत एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने फिल्मों में अपने सीन के लिए खूब तालियां बटोरीं। हालांकि, उन्हें कई बार ऐसी चीजों से दो चार होना पड़ा, जो हिंदी सिनेमा में हर दूसरी अभिनेत्री को होना पड़ा। लेकिन, मल्लिका कहती हैं उन्हें कभी इस बात का फर्क नहीं पड़ा। उन्हें एक्टिंग से प्यार है और वह खुद को लकी मानती हैं कि उन्होंने हिंदी सिनेमा में अच्छी फिल्मों में काम किया।

एक इंटरव्यू में हरियाणा के एक छोटे से गांव से निकलकर बॉलीवुड और हॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली मल्लिका ने अपने संघर्ष, सपनों और बेबाकी को साझा किया।

24 अक्टूबर 1976 को जन्मी मल्लिका शेरावत 48 साल की हो चुकी हैं, लेकिन आज भी वह 20 साल की लगती हैं।

उन्होंने अपनी खुबसुरती के बारे में बताया कि मैंने कभी प्लास्टिक सर्जरी नहीं करवाई। मैंने अपना जीवन अनुशासन से जिया है। इसीलिए, मुझे कभी जरूरत नहीं पड़ी। वह बताती हैं कि मैं हरियाणा से मुंबई आई, परिवार मेरे खिलाफ था, लेकिन मैंने अपनी मर्जी से कदम उठाया; मेरी जेब में 10 रुपए थे या नहीं, किसी ने नहीं पूछा। कोई लाल कालीन

नहीं बिछा था। मल्लिका ने मॉडलिंग से शुरुआत की, अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के साथ विज्ञापनों में काम किया और फिर ऑडिशन के बाद फिल्में मिलने लगीं।

उन्होंने 2004 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मर्डर' को अपने करियर का टर्निंग पॉइंट बताया। मल्लिका ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह इतनी बड़ी हिट होगी। मैं भट्ट साहब की फिल्में देखकर बड़ी हुई थी। इमरान हाशमी जेंटलमैन थे, और बोल्ड सीन के बावजूद मैं सुरक्षित महसूस करती थी।इस फिल्म ने उन्हें स्टारडम तो दिलाया, लेकिन फेम के साथ नकारात्मक अनुभव भी आए। लोगों ने सोचा कि अगर मैं स्क्रीन पर बोल्ड सीन कर सकती हूं, तो निजी जीवन में भी वैसी ही हूं। मैंने हमेशा साफ किया कि स्क्रीन और निजी जिंदगी अलग है। यह आज भी मेरे साथ होता है।मल्लिका ने अपनी स्वस्थ जीवनशैली पर जोर देते हुए कहा कि मैं शाकाहारी हूं, शराब-सिगरेट नहीं छूती और लेट नाइट पार्टियां नहीं करती। मैं जल्दी सोती हूं और जल्दी उठती हूं। प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत नहीं, क्योंकि मैं मेहनत और अनुशासन से खुद को फिट रखती हूं।उन्होंने यह भी कहा कि मनोरंजन उद्योग तेजी से बदल रहा है, और वह अपने काम से लोगों का ध्यान खींचती हैं।

मल्लिका ने हॉलीवुड में जैकी चैन के साथ 'द मिथ' में काम किया, कान्स फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लिया, और कमला हैरिस व बराक ओबामा जैसे दिग्गजों से मुलाकात की।उन्होंने हरियाणा के प्रशंसकों के लिए संदेश देते हुए कहा कि मैं अपनी संस्कृति से जुड़ी हूं और मुझे अपने फैंस से बहुत प्यार मिलता है। मल्लिका ने हरियाणा की बेटियों के लिए कहा कि अपने सपने को पूरा करने के लिए जिद होनी जरूरी है।अभिनेता विजय राज का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक्टिंग से मुझे हीलिंग मिलती है।

उन्होंने अपने 20 साल के करियर को याद करते हुए कहा कि 20 साल की उम्र में मुझे लगता था कि मैं दुनिया पर राज कर सकती हूं। मैंने कभी नहीं सोचा कि आगे क्या होगा। लेकिन, यकीन मानिए, मुझे बहुत प्यार मिला।

मल्लिका ने जीना सिर्फ मेरे लिए (2002) से एक छोटे रोल से शुरुआत की। 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'मर्डर' ने उन्हें स्टार बनाया। इसके बाद वे वेलकम सहित अन्य फिल्मों में नजर आईं।

नए शहर को समझने के लिए अभिनेत्री सैयामी खेर का अपना अलग है स्टाइल

भारतीय अभिनेत्री और मॉडल सैयामी खेर ने हाल ही में रोम में अपनी छुट्टियों का पूरा आनंद लिया। अपनी व्यस्त जीवनशैली के बावजूद,सैयामी ने अपनी यात्रा को खास बनाने के लिए दो चीजों को जोड़ा, जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद हैं। पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर की यात्रा करती हैं तो वहां की सड़कों पर हाफ मैराथन दौड़ना उनका एक शहर को महसूस करने का एक तरीका होता है। सैयामी ने इस बार अपनी छुट्टियां अपने माता-पिता और बहन के साथ बिताईं। उन्होंने रोम के खूबसूरत नजारों, ऐतिहासिक जगहों और स्वादिष्ट इटालियन व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने रोम हाफ मैराथन में भी हिस्सा लिया।

आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सैयामी ने कहा, ''मेरे लिए शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका पैदल या दौड़कर घूमना है। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टेप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रमुख जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा महसूस की।''

सैयामी ने आगे बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बहुत अच्छा था और हवा ताजी थी। शहर के हर कोने में इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी, जो दौड़ को और भी खास बना रही थी।

उन्होंने कहा, ''कुछ पल ऐसे भी आए जब मुझे लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूं। मैं बस मुस्कुरा रही थी और शहर के माहौल का आनंद ले रही थी। 21 किलोमीटर दौड़ने के बाद मैंने पिज्जा और आइसक्रीम खाई और मैंने हर निवाले का पूरा आनंद लिया।''

फैंस इन दिनों सैयामी की आने वाली फिल्म 'हैवान' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। यह फिल्म 2016 में बनी मलयालम फिल्म 'ओप्पम' का रीमेक है।

सिंगल मदर होना आसान नहीं : शुभांगी अत्रे

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे टीवी सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर घर-घर में प्रसिद्ध हुईं। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग तगड़ी है। वह एक सिंगल मदर हैं और बेटी की परवरिश अकेले कर रही हैं। आईएएनएस को दिए विशेष इंटरव्यू में उन्होंने वर्क-लाइफ बैलेंस के बारे में बात की। इसमें उन्होंने बताया कि बतौर सिंगल मदर वह कैसे काम और घर की जिम्मेदारियां संभालती हैं। शुभांगी अत्रे ने कहा, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। मुझे सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है, चाहे वह घर हो या मेरी बेटी। कई दिन ऐसे भी आते हैं, जब यह बहुत अधिक बोझिल लगता है, लेकिन मैं एक समय में एक ही काम करने की कोशिश करती हूं। मैं यह सुनिश्चित करती हूं कि सेट पर या घर पर, जहां भी रहूं, उस पल में पूरी तरह से मौजूद रहूं।

उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा हर जगह है, लेकिन मैं तुलना करने के बजाय खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हूं। अवसर हमेशा आते रहेंगे, लेकिन आपको उन्हें पकड़ने के लिए तैयार रहना होगा। मैंने सीखा है कि आपको हमेशा सही अवसर नहीं मिलते, आप उन्हें अपनी कड़ी मेहनत और सही नजरिए से बनाते हैं। अगर आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित और केंद्रित रहें, तो वह अंततः आपके पास आ ही जाएगा।

क्या करियर में भाग्य की भूमिका भी होती है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, भाग्य आपके लिए एक दरवाजा खोल सकता है, लेकिन आपकी कड़ी मेहनत ही आपको उस कमरे में रखती है। मैंने कई लोगों को एक बार भाग्यशाली होते देखा है, लेकिन केवल वे ही आगे बढ़ते हैं, जो ईमानदार और निरंतर प्रयास करते रहते हैं।

शुभांगी अत्रे ने कहा, अब मेरी महत्वाकांक्षा ऐसी भूमिकाएं निभाने की है जो मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें। मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा अपने काम के प्रति मेरे प्रेम और अपनी बेटी के लिए एक उदाहरण पेश करने की मेरी इच्छा से मिलती है। दृढ़ संकल्प के साथ आप सब कुछ संभाल सकते हैं और साथ ही अपने सपनों को भी पूरा कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अवांछित विचार दिमाग़ में छा सकते हैं। ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें, क्योंकि खाली दिमाग़ शैतान का घर होता है। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। संभव है आज आप अपने प्रिय को टॉफ़ी वग़ैरह दें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। बागबानी करना आपके लिए सुकून भरा हो सकता है – इससे पर्यावरण को भी लाभ पहुँचेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। मौज-मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने ऊर्जा-स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा-शक्ति की कमी है। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। अपने सामर्थ्य से ज्यादा काम करना आपके लिए नुकसानदायक साबित होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़िन्दगी की बेहतरीन चीज़ों को शिद्दत से महसूस करने के लिए अपने दिल-दिमाग़ के दरवाज़े खोलें। चिंता को छोड़ना इसकी ओर पहला क़दम है। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। अगर अपने लव पार्टनर को अपना जीवनसाथी बनाना चाहते हैं तो उनसे आज बात कर सकते हैं। हालांकि बात करने से पहले आपको उनके मनोभावों को जान लेना चाहिए। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कोई पुराना दोस्त शाम के समय फ़ोन कर पुरानी यादें ताज़ा कर सकता है। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अलग-अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद-विवाद हो सकता है। अपना पसंदीदा संगीत सुन सकते हैं

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं.आज आप ऐसे इंसान से मिल सकते हैं, जो आपको ख़ुद अपनी ज़िन्दगी से ज़्यादा चाहता होगा। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है छात्र जिस विषय में कमजोर हैं उस विषय के बारे में आज अपने टीचर से बात कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं।ज़रूरत के वक्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। कई बार मोबाइल चलाते-चलाते आपको समय का पता ही नहीं चलता और फिर जब आप अपना समय बर्बाद कर चुके होते हैं तो आपको पछतावा होता है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। रोमांस के नज़रिए से आज ज़िन्दगी बहुत जटिल रहेगी। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है- जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 अक्टूबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 03:49 तक
नक्षत्र : अनुराधा प्रातः 07:51 तक
योग : शोभन अहोरात्र
करण : वणिज दोपहर 02:36 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:55 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 05:47 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:02,सूर्यास्त 05:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी व्रत , गण्डमूल प्रातः 07:51 से , कार्तिक मासे दीप-दानम् भद्रा दोपहर 02:35 से रात्रि 03:49 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन से की दीपावली की रामा-श्यामा

जयपुर,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर दीपावली मिलन कार्यक्रम में आमजन से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी से दीपावली की रामा-श्यामा करते हुए प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने साधु-संतों से भी मुलाकात की। शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि जनसेवा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी ध्येय के साथ जन समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है ताकि प्रदेश प्रगति और विकास के नए आयाम स्थापित कर सके। मुख्यमंत्री ने सभी से प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर सांगानेर सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोग उपस्थित रहे।

अब बिजली कंपनी की सेवाओं पर ग्राहक दे सकेंगे स्टार रेटिंग

जयपुर,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर विद्युत वितरण निगम ने अपनी विद्युत सेवाओं में सुधार कर इसे कंज्यूमर फ्रेंडली, जवाबदेह एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में अनूठी पहल की है। इस प्रक्रिया में जयपुर डिस्कॉम नया घरेलू कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने जा रहा है। प्रदेश में आमजन से जुड़ी सेवाएं प्रदान करने वाले किसी राजकीय निगम अथवा विभाग ने पहली बार निजी सेवा प्रदाता कंपनियों की तरह उपभोक्ताओं से फीडबैक लेने की ऐसी शुरूआत की है। फिलहाल नए घरेलू कनेक्शन को इसके दायरे में लिया गया है। धीरे-धीरे निगम की अन्य सेवाओं को भी इसके दायरे में लाया जाएगा। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा ने शुक्रवार को सभी जोनल मुख्य अभियंताओं तथा अधीक्षण अभियंताओं के साथ फीडबैक मैकेनिज्म की तैयारियों की समीक्षा की और सोमवार से इसे प्रारंभ करने के निर्देश दिए। अब जो भी नए घरेलू कनेक्शन जारी होंगे उनमें फीडबैक देने की यह व्यवस्था प्रभावी रहेगी। निगम का प्रयास है कि 1 अक्टूबर से जो घरेलू कनेक्शन दिए गए हैं, उनमें भी ऐसा फीडबैक लिया जाए।

नया घरेलू कनेक्शन जारी होने के बाद आवेदक को मोबाइल एप्लीकेशन 'बिजली मित्र' डाउनलोड करने का एसएमएस प्राप्त होगा। एप्लीकेशन डाउनलोड करते ही 'के' नम्बर ड़ालने पर उपभोक्ता को फीडबैक पॉप अप दिखाई देने लगेगा। इस पॉप अप पर क्लिक करते ही उपभोक्ता कनेक्शन प्राप्त करने के अपने अनुभव 1 से 5 स्टार रेटिंग के जरिए प्रदान कर सकेंगे। इस दौरान वे अन्य वैकल्पिक टिप्पणियां भी जोड़ सकेंगे। एक से 2 स्टार रेटिंग के मामलों में अधिकारी नियमित समीक्षा करेंगे और सेवा में सुधार के उपाय सुनिश्चित करेंगे। डिस्कॉम द्वारा इनकी नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। वृत्त तथा सब डिविजन स्तर पर प्रत्येक माह समीक्षा होगी। इसके आधार पर अधीक्षण अभियंता तथा सहायक अभियंता कार्यालयों की भी रैंकिंग तय होगी। इस प्रक्रिया से निचले स्तर तक मॉनीटरिंग आसान होगी। कनेक्शन जारी करने में कई बार देरी की शिकायतें सामने आती हैं। ऐसे में स्वतंत्र फीडबैक लेने से वास्तविक स्थिति सामने आ पाएगी।

अलवर में हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग गिरोह का पर्दाफाश

महिला सहित 3 आरोपी गिरफ्तार

अलवर,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले की शिवाजी पार्क पुलिस ने अपहरण कर अश्लील वीडियो-फोटो बना बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 30 लाख रुपए की मांग करने के आरोप में एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह पहले भी कई वारदातों को अंजाम दे चुका है। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि बुधवार 22 अक्टूबर को महिला आरोपी शहरुना ने एक परिवादी को इलाज के बहाने अपने निवास पर बुलाया। परिवादी जैसे ही आरटीओ ऑफिस के पास महिला के बताए पते पर पहुंचा, वह एक जाल में फंस गया। महिला के साथ मिलकर, वसीम खान उर्फ मूसा और प्रियांशु चौधरी उर्फ गोधू ने परिवादी को जबरन बंधक बना लिया। कमरे में आते ही आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी और परिवादी के कपड़े फाड़ दिए। अंडरवियर में खड़ा करके महिला के साथ उसकी आपत्ति जनक फोटो और वीडियो बना लिए गए। इस कृत्य के बाद आरोपियों ने ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू किया। उन्होंने धमकी दी कि यदि उन्हें ₹30 लाख नहीं दिए गए तो बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाकर बर्बाद कर दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने परिवादी का सामान और कुछ पैसे भी छीन पडिसल की तरफ रोड पर फेंक गए।

मामले की सूचना मिलते ही अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। थानाधिकारी शिवाजी विनोद सामरिया और थानाधिकारी विजय मंदिर भरतलाल के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस की टीमों ने आसूचना और तकनीकी मदद से मात्र 12 घंटे के अंदर तीनों आरोपियों को धर दबोचा।

पुलिस टीम जब आरोपी प्रियांशु उर्फ गोधू को पकड़ने गई तो पता चला कि उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए अपना सिर गंजा करवा लिया था।

पुलिस ने मामले में आरोपी वसीम खान उर्फ मूसा मेव (18) निवासी विजय मन्दिर, प्रियांशु चौधरी उर्फ गोधू (21) निवासी एनईबी और महिला आरोपी शहरुना (33) को गिरफ्तार किया हैं। महिला ने दो शादियां की हुई है। मुख्य आरोपी प्रियांशु चौधरी उर्फ गोधू का आपराधिक रिकॉर्ड बेहद लंबा है, जिसके खिलाफ पहले से ही कई थानों में मारपीट, धमकी और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त एंड्रॉइड मोबाइल और परिवादी का सोने का लॉकेट भी बरामद किया है।

ढाई साल के गोलू हत्याकांड का खुलासा

प्रेम प्रसंग के बदले में मासूम की बलि, तांत्रिक गिरफ्तार

वैर (भरतपुर),24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के नेतृत्व में सक्रिय हुई पुलिस ने तीन साल पुराने ढाई साल के गोलू हत्याकांड का पर्दाफाश कर दिया है। यह मामला दिसंबर 2021 से अधर में लटका हुआ था। पुलिस ने गहन जांच, साइबर टीम, एफएसएल और ब्रेन मैपिंग जैसी वैज्ञानिक तकनीकों की मदद से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने प्रेम प्रसंग में बदला लेने के लिए मासूम गोलू की सिर काटकर हत्या की थी।प्रकरण के अनुसार 18 दिसंबर 2021 को थाना वैर क्षेत्र के नगला खरबेरा गांव के निवासी बनैसिंह पुत्र रूपसिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका दो वर्षीय भतीजा गोलू दोपहर करीब 12 बजे घर से लापता हो गया। परिजनों ने गांव और आसपास के क्षेत्रों में बच्चे की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल खोज अभियान शुरू किया। डॉग स्क्वॉड, एफएसएल टीम और साइबर सेल को जांच में शामिल किया गया। बच्चे की गुमशुदगी की सूचना अखबारों और टीवी चैनलों पर भी प्रसारित की गई, मगर कोई सुराग नहीं मिला। करीब तीन सप्ताह बाद, 9 जनवरी 2022 को गांव के ही खेतों में एक बच्चे की कटी हुई खोपड़ी मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर अवशेष जब्त किए और डीएनए जांच कराई।

रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि वह सिर लापता गोलू का ही था। इसके बाद पुलिस ने मामला अपहरण से बदलकर हत्या और सबूत मिटाने की धाराओं (धारा 302, 201 भादसं) में दर्ज कर लिया।

मामले की जटिलता को देखते हुए पुलिस ने कई संदिग्धों से पूछताछ की। कुछ लोगों का पॉलिग्राफ, ब्रेन मैपिंग और नार्को टेस्ट भी कराया गया। आखिरकार राजस्थान पुलिस की विशेष टीम को अहम सुराग मिला और आरोपी विजयसिंह पुत्र हरफूल जाटव (उम्र 68 वर्ष, निवासी नगला खरबेरा) को गिरफ्तार किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में हरियाणा

मुख्य सचिव ने की ईसीएमएस इंसेंटिव की समीक्षा

चंडीगढ़,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा केन्द्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के तहत निवेश आकर्षित कर प्रदेश को 'इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग' के एक प्रमुख हब के रूप में विकसित करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। इस दिशा में राज्य जल्द ही अपनी ईसीएमएस पॉलिसी के तहत नई प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करेगा, जिनमें निवेशकों को वित्तीय और गैर-वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज यहां एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास को गति देने राज्य में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की रणनीतियों की समीक्षा की गई।नई मसौदा 'ईसीएमएस पॉलिसी' के तहत पूंजीगत एवं परिचालन खर्च की प्रतिपूर्ति, ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स पर व्यय, प्रौद्योगिकी अधिग्रहण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं नवाचार सुविधाओं के विकास हेतु समर्थन जैसे अनेक प्रोत्साहन प्रस्तावित हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य बड़े निवेश आकर्षित करना, रोजगार के नए अवसर सृजित करना और वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन में राज्य की भागीदारी को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि देश में घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन वर्ष 2015 से अब तक 17 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि डिजाइन और कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम अभी विकास के शुरुआती चरण में है।

किसानों को कम से कम 500-600 रुपए रेट दे सरकार : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गन्ना किसानों की हालत पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि गन्ना किसान लगातार अपनी वैध मांगों के लिए आंदोलनरत थे, लेकिन बीजेपी सरकार की उदासीनता लगातार उनके जख्मों पर नमक छिड़क रही है। किसानों और कांग्रेस ने बार-बार मांग करी है कि गन्ने का रेट कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए। साथ ही मिलों द्वारा किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

हुड्डा ने विस्तार से बताया कि गन्ना उत्पादन में श्रमिक, बीज, खाद, बुआई, कटाई जैसी लागतें तेजी से बढ़ी हैं। इसके अलावा, बीजेपी सरकार के दौरान पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि ने परिवहन खर्च को दोगुना- ढाई गुना कर दिया है। आंकड़ों के अनुसार, उत्पादन लागत में पिछले दशक में 200-250 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि बीजेपी सरकार ने गन्ने की दरों में केवल नाममात्र 15 रुपये की बढ़ोतरी की। यदि इन सभी कारकों को जोड़ा जाए, तो गन्ना का ऋझ कम से कम 600 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए। बढ़ती उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए यह न्यूनतम न्याय है, अन्यथा किसान आर्थिक संकट में डूब जाएंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बीजेपी सरकार सभी 24 फसलों पर एसपी देने का दावा करती है। जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा में 24 फसलें होती ही नहीं है। जो फसले होती हैं, उनके किसान भी एमएसपी के लिए तरस रहे हैं। उदाहरण के तौर पर खरीफ सीजन में मुख्यत हरियाणा में पैदा होने वाली फसल धान, बाजरा, कपास और मूंग जैसी फैसले न्यूनतम समर्थन मूल्य से कई कई सौ कम रेट में पिट रही है और सरकार आंख बंद किए बैठी हुई है।

एसीबी ने पटवारी पर करोड़ों रुपए के सरकारी नुकसान का मामला दर्ज किया

गुरुग्राम,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (उइ), गुरुग्राम ने आज भ्रष्टाचार के मामले में तत्कालीन पटवारी हल्का सोहना, राय सिंह के विरुद्ध चालान दाखिल किया। मामला धारा 120-बी, 167, 218, 420 भा.द.स. एवं 13(1)डी/13(2) पी.सी. एक्ट 1988 के तहत माननीय न्यायालय गुरुग्राम में प्रस्तुत किया गया। पुलिस के अनुसार, जिला गुरुग्राम के गाँव रायसीना, सोहना, गवाल पहाड़ी में भू-माफिया और प्रभावशाली व्यक्तियों ने अरावली पहाड़ियों के हरे-भरे जंगलों की कटाई कर जमीन को लेवल किया। आरोपी पटवारी और गिरदावर की मिलीभगत से उस जमीन को गैर मुमकीन पहाड़ की बजाय गैर मुमकीन मूड में जमाबंदी में दर्शाकर तहसीलदार के साथ साजिश कर कई करोड़ रुपये में बेच दिया। इस भ्रष्टाचार से सरकार को कड़े वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ा। इस संबंध में अभियोग संख्या 24 दिनांक 02.07.2025 के तहत मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चरण सुहावे यात्रा दिल्ली से पटना साहिब तक आध्यात्मिक सेतु : नायब सिंह

चंडीगढ़,24 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा की पावन धरती आज एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनी, जब 'सरबंसदानी' दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज और माता साहिब कौर जी के 'पवित्र जोड़ा साहिब' की 'चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा' का फरीदाबाद में भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धा, भक्ति और एकता का यह अनुपम संगम शहर के प्रत्येक कोने में दिखाई दिया।

इस स्वागत कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिकरत की। मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद के एनआईटी-5 स्थित श्री गुरु दरबार साहिब गुरुद्वारा में चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा का स्वागत किया। नायब सिंह सैनी ने यात्रा के साथ चल रहे केंद्रीय मंत्री सरदार हरदीप सिंह पुरी का हरियाणा आगमन पर स्वागत किया। उन्होंने श्री गुरु दरबार साहिब गुरुद्वारा में साध- संगत और यात्रा की अगवानी करने वाले पंज प्यारों का भी पटका ओढ़ा कर सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने यात्रा की रवानगी से पहले गुरुद्वारा में मत्था टेका और अरदास सुनी। इसके उपरांत उन्होंने पवित्र जोड़ा साहिब के भी दर्शन किए। इससे पहले हरियाणा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार रविंदर सिंह राणा, श्री गुरु दरबार साहिब गुरुद्वारा के प्रधान सरदार इंदर जीत सिंह व सिख समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर

मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि दिल्ली से आरंभ होकर बिहार स्थित तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब तक जाने वाली इस महान यात्रा का पहला विश्राम स्थल फरीदाबाद रहा। दिल्ली का प्रवेश द्वार कहे जाने वाला यह शहर आज गुरु चरणों की धूल से पावन हो उठा है। जिस नगर में गुरु के पवित्र चरण रुकें, वह नगर अपने आप ही तीर्थ बन जाता है, और आज फरीदाबाद, लाखों श्रद्धालुओं के लिए एक महान तीर्थ स्थल बन चुका है। उन्होंने इस यात्रा के आयोजन के लिए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और इस यात्रा के आयोजकों का आभार व्यक्त किया।नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज जब यह पवित्र जोड़ा साहिब यहाँ पहुँचा है तो दशमेश पिता का सम्पूर्ण तेज, त्याग और बलिदान हमारे बीच साकार हो उठा है। उन्होंने धर्म, राष्ट्र और मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

दरभंगा में बोले राजद नेता तेजस्वी

सरकार बनी तो 20 महीने में रैयाम चीनी मिल चालू कर दिखाऊंगा

दरभंगा (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को केवटी विधानसभा क्षेत्र स्थित रैयाम चीनी मिल परिसर में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि लालू यादव और राहुल गांधी पर भरोसा रखिए, गांव-गांव और टोला-टोला जाकर महागठबंधन के प्रत्याशियों के लिए वोट मांगिए, ताकि बिहार में महागठबंधन की सरकार बन सके। तेजस्वी यादव ने मंच से घोषणा करते हुए कहा कि हमारी सरकार बनी तो 20 महीने में रैयाम चीनी मिल को चालू करवाऊंगा।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार के बेरोजगारों के लिए कुछ नहीं किया। अगर उस दौरान राज्य में चीनी मिलें, पेपर मिलें और अन्य उद्योग लगाए गए होते, तो आज युवाओं को पलायन नहीं करना पड़ता। तेजस्वी ने वादा किया कि महागठबंधन की सरकार बनने पर टोला सेवक, आशा, चौकीदार, रसोइया, सेविका समेत सभी कर्मियों का मानदेय बढ़ाया जाएगा और संविदा कर्मचारियों को स्थायी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग हिंदू-मुस्लिम का नारा देकर जनता को बांटते हैं, उन्हें हटाइए। हमें मौका दीजिए, अगर हम वादा पूरा नहीं करें तो हटा दीजिएगा। रैयाम चीनी मिल को हम 20 महीने में चालू कर दिखाएंगे, और अगर नहीं किया तो जो सजा देंगे, हम स्वीकार करेंगे।

तेजस्वी ने यह भी कहा कि 20 नवंबर के बाद नया कानून बनेगा, जिसके तहत हर घर में सरकारी नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने 2500 की 'माय-बहन-मां योजना' लागू करने की घोषणा की और कहा कि नीतीश कुमार 10,000 हर महिला को 'घूस' के रूप में देने की बात कर रहे हैं, जिसे बाद में वापस ले लिया जाएगा। तेजस्वी ने यह भी वादा किया कि जीविका दीदियों को स्थायी किया जाएगा, साथ ही प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक के संविदा और बेल्ट्रॉन कर्मियों को भी नियमित किया जाएगा।

जनसभा के दौरान भारी गर्मी और धूप ने लोगों को काफी परेशान कर दिया। पंडाल या तिरपाल की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग सिर पर कुर्सी या कपड़ा रखकर बैठे नजर आए। कई लोग धूप से बचने के लिए इधर-उधर खड़े हो गए। सैकड़ों कुर्सियां खाली रहने से आयोजन की किरकिरी भी होती दिखी। करीब एक घंटे की देरी से तेजस्वी यादव रैयाम पहुंचे। उन्होंने मिथिलांचल की रैयाम चीनी मिल, अशोक पेपर मिल और अन्य बंद पड़ी उद्योगों को चालू कराने की घोषणा की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केवटी विधानसभा के प्रत्याशी डॉ. फराज फातमी, मधुबनी से समीर महासेठ, बिस्फी से मोहम्मद आसिफ अहमद, बहादुरपुर से भोला यादव, दरभंगा ग्रामीण से ललित यादव, राजनगर से विष्णुदेव राम, अली अशरफ फातमी सहित हजारों कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

जब तक वैराग्य नहीं आएगा जीवन रागों से मुक्त नहीं होगा : साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। दावणगेरे स्थित श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि जीवन को राग से मुक्त बनाने के लिए मन में वैराग्य भाव को मजबूत करना होगा। जब तक वैराग्य नहीं आएगा जीवन रागों से मुक्त नहीं हो पाएगा ओर हम मुक्ति की मंजिल प्राप्त नहीं कर सकेंगे। राग हमे भटकाता है ओर संसार के जंजाल में उलझाता चला जाता है। राग के प्रभाव से ही कई बार सही निर्णय नहीं ले पाते है ओर किसी के प्रति स्नेह ओर किसी के प्रति नफरत रखते है।

उन्होंने कहा कि राग, द्वेष जैसे कषाय जीवन में संसार को बढ़ाते है। इन कषायों को कम करके ही हम मोक्ष मार्ग की तरफ अग्रसर हो सकते है। राग, द्वेष हमारे आत्मकल्याण के मार्ग में सबसे बड़े बाधक है। धर्म की शरण में जाने पर इन कषायों को कम कर सकते हैं। विवेक रहित बुद्धि इंसान को पथभ्रष्ट ओर विचलित कर सकती है। विवेक धर्म से जुड़ने पर ही सार्थक होता है। धर्म की परिभाषा व व्याख्या नहीं की जा सकती मात्र दर्शन की चर्चा हो सकती है।

जिसकी चेतना जागृत हो जाएगी उसका विवेक भी जागृत हो जाएगा। बिना विवेक के किए जाने वाले कार्य लाभ की जगह हानि पहुंचा सकते है। इस लिए कोई भी कार्य करते समय धर्मयुक्त विवेक का आचरण करें अवश्य सफल होता है।

साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि व्यक्ति के पास जितना धन बढ़ता है वह उतना ही अधिक भौतिक सुखों में लिप्त होता जाता है। वह जानता है धन साथ नहीं जाएगा फिर भी उसे जुटाने के लिए लगा रहता है। दान, पुण्य व परोपकार के कार्यों के माध्यम से हम भौतिक धन को धर्म में बदल अपने साथ परलोक में ले जा सकते है। हमे भौतिक धन जुटाने की बजाय उसका सदुपयोग कर धर्म व पुण्य का खजाना बढ़ाना चाहिए। राजू भंडारी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में रविवार को ज्ञान पंचमी की आराधना सुबह कराई जाएगी। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यात्रियों से भरी बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई चालक की मौत

गयाजी (एजेंसियां)। बिहार के गया जी जिले में शुक्रवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। महाराष्ट्र से बोधगया आ रही तीर्थयात्रियों की बस सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा शेरघाटी थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस जैसे ही गांव के समीप पहुंची, अचानक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही शेरघाटी थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, वहीं मृत चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि बस महाराष्ट्र से तीर्थयात्रियों को लेकर अयोध्या और काशी विश्वनाथ होते हुए बोधगया जा रही थी। इसी दौरान गोपालपुर गांव के पास यह दुर्घटना हुई। हादसे के बाद प्रशासन की देखरेख में अन्य यात्रियों को दूसरी बस से बोधगया रवाना कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और ट्रक चालक की तलाश जारी है।

जननायक कर्पूरी जी को पीएम मोदी ने भारत रत्न देकर बिहार का मान बढ़ाया: मोहन यादव

बेतिया (एजेंसियां)। बेतिया जिले के मैनाटांड़ प्रखंड मुख्यालय स्थित हाई स्कूल खेल स्टेडियम में मंगलवार को एक भव्य जनसभा का आयोजन किया गया। इस चुनावी सभा को संबोधित करने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पहुंचे और एनडीए प्रत्याशी समृद्ध वर्मा के समर्थन में जोरदार प्रचार किया।

सभा को संबोधित करते हुए सीएम यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है और इस जनादेश को पूरा करने में जनता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मंच से जनता से अपील की, जिस पर उपस्थित जनसमूह ने हाथ उठाकर समर्थन जताया।

सीएम यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का आर्थिक तंत्र पूरी तरह बदल चुका है। उन्होंने बिहार की गौरवशाली विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि यह धरती महात्मा बुद्ध, नालंदा और तक्षशिला जैसी धरोहरों से समृद्ध है। वहीं, उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि महागठबंधन के नेतृत्व में युवाओं की योग्यता को दबाया गया और राज्य अंधकार में चला गया।

उन्होंने आगे कहा कि एनडीए में कोई भी नागरिक, चाहे वह सामान्य पृष्ठभूमि का हो, प्रधानमंत्री बनने तक का मार्ग पा सकता है, क्योंकि यहाँ लोकतंत्र सशक्त है। सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर देश की एकता मजबूत की और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर राज्य का मान-सम्मान बढ़ाया। अंत में सीएम यादव ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे एनडीए प्रत्याशी समृद्ध वर्मा को भारी मतों से विजयी बनाकर विधानसभा भेजें।

कार्यक्रम का संचालन जदयू अध्यक्ष संजय पटेल ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दूबे, सांसद संजय जायसवाल, पूर्व विधायक दिलीप वर्मा, जदयू जिलाध्यक्ष शत्रुघ्न कुशवाहा, मदन पटेल, अकिलू रहमान, राजेश प्रसाद पटेल, और प्रभु कुशवाहा सहित कई अन्य नेताओं ने भी सभा को संबोधित किया।

जिनालय एवं दादावाड़ी का द्वारोद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में दीपावली पर्व के पश्चात नव वीर संवत् के उपलक्ष्य में श्री मलयप्रभ सागरजी महाराज एवं साध्वी हर्षपूर्णजी आदि ठाणा की निश्रा में विमलनाथ जिनालय एवं दादावाड़ी का द्वारोद्घाटन किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने अपने संदेश में सकल संघ को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि सभी का भण्डार परमात्मा केशरियाजी की कृपा से भरपूर बना रहे। दीपमालिका का प्रकाश पर्व हमें परस्पर सौहार्द और आपसी प्रेम की सीख देता है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने गणधर गौतम स्वामी के परमात्मा के प्रति विनय और समर्पण का भाव अपने जीवन में गुरु के प्रति अपनाने की बात कही। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि आज से 2552 वर्ष पूर्व पावापुरी में परमात्मा महावीर का निर्वाण हुआ था और उसी रात्रि में गुणावाजी में गणधर गौतम स्वामीजी को केवलज्ञान रुपी लक्ष्मी प्राप्त हुई थी। प्रभु वीर के अहिंसा का सिद्धांत आज सम्पूर्ण विश्व के लिए बहुत ही प्रासंगिक है। इस अवसर पर जिनालय और दादावाड़ी का द्वारोद्घाटन का लाभ विमला देवी नवरतनमल गुलेच्छा परिवार ने लिया। परमात्मा को लड्डू अर्पण करने का लाभ शांति देवी चुन्नीलाल गुलेच्छा परिवार, गणधर गौतम स्वामीजी को लड्डू अर्पण करने का लाभ कमला देवी मेवाराम मालू परिवार, दादा गुरुदेव को लड्डू अर्पण करने का लाभ शंकर लाल धारीवाल परिवार, नाकोड़ा भैरव जी को लड्डू अर्पण करने का लाभ रमेश कुमार निखिल कुमार गुलेच्छा परिवार, यंत्र मंदिर में लड्डू अर्पण करने का लाभ रूपेश कुमार मोहित कुमार गुलेच्छा परिवार, अंबिका माता और पद्मावती माता को लड्डू अर्पण करने का लाभ रेखा विजय राज लोढ़ा परिवार ने लिया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के समस्त सदस्यों के साथ से ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

प्रियांक खरगे ने केंद्र पर कर वितरण को लेकर लगाया भेदभाव करने का आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मंत्री और मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे ने कर वितरण को लेकर केंद्र सरकार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया है। बेंगलूरु में पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रियांक खरगे ने कहा कि बिहार चुनाव का कर्नाटक के हिस्से के कर वितरण से कोई संबंध नहीं है, फिर भी राज्य के साथ भेदभाव किया जा रहा है।

खरगे ने कहा कि हमारे वित्त मंत्री दो बार दिल्ली जाकर अपनी बात रख चुके हैं, लेकिन हमें अब तक कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कर्नाटक देश की अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में सबसे बड़ा योगदान देता है। हम ग्लोबल टेक्नोलॉजी हब हैं और हमें हमारे काम के मुताबिक इनाम मिलना चाहिए, ताकि और रोजगार पैदा किए जा सकें।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि चाहे नारा अमृत काल हो, विकसित भारत या मेक इन इंडिया, असल में इन सबका केंद्र कर्नाटक ही है। हम सिर्फ अपना हक मांग रहे हैं, कोई एहसान नहीं। बता दें कि खरगे का यह बयान ऐसे समय आया है जब कर्नाटक सरकार लगातार केंद्र पर वित्तीय अन्याय का आरोप लगा रही है।

मुजफ्फरपुर के कुढ़नी में बोले भाजपा सांसद रवि किशन

अब बिहार में रामराज्य का समय आ गया है

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र के केरमा मैदान में एनडीए की जनसभा को भोजपुरी फिल्म स्टार और गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने संबोधित किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहे।

मंच से जनता को संबोधित करते हुए रवि किशन ने कहा कि अब बिहार में रामराज्य का समय आ गया है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भगवान राम का मंदिर बन चुका है, अब बिहार में माता जानकी का मंदिर बनने जा रहा है। पूरे देश में नहीं, बल्कि बिहार में भी एनडीए की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सरकार बनने जा रही है।

रवि किशन ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री मोदी के कारण महिलाओं और युवाओं में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सभा में महिलाओं की बड़ी संख्या यह दर्शाती है कि बिहार की महिलाएं एनडीए के साथ खड़ी हैं और आने वाला 14 नवंबर उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

भोजपुरी स्टार सांसद ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिंदुओं पर सवाल उठाने वाले पहले अपने गिरेबान में झांके। हम हिंदू धर्म के लोग हैं और हमें अपने धर्म पर गर्व है। जो विपक्ष हिंदुओं पर सवाल उठाता है, उसे पहले खुद को देखना चाहिए। लालू यादव का जंगलराज पूरे बिहार के लोगों ने देखा और समझा है।

यह लोग बिहार के लिए नहीं, बल्कि केवल अपने परिवार के लिए काम करते हैं। इस चुनाव में उनका सफाया हो जाएगा और बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनेगी।

एचडीएफसी बैंक लूट मामले में झारखंड पुलिस का बड़ा एक्शन, हाजीपुर में की छापेमारी

वैशाली (एजेंसियां)। झारखंड के देवघर जिले के मधुपुर स्थित एचडीएफसी बैंक में हुई करोड़ों रुपये की सोना और नकद लूट के मामले में झारखंड पुलिस ने हाजीपुर में छापेमारी की है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को हिरासत में लिया है। पूछताछ के बाद पुलिस उन्हें अपने साथ लेकर कई अन्य स्थानों पर छापेमारी करती रही। बताया गया कि 22 सितंबर 2025 को मधुपुर थाना क्षेत्र स्थित एचडीएफसी बैंक में छह हथियारबंद अपराधियों ने दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया था। शुक्रवार की अहले सुबह झारखंड पुलिस ने हाजीपुर में छापेमारी की पुलिस की मदद से यह कार्रवाई की। सदर डीएसपी (वन) सुबोध कुमार ने बताया कि झारखंड में हुई बैंक लूटकांड की जांच को लेकर झारखंड पुलिस यहां पहुंची है। छापेमारी जारी है और कार्रवाई पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

सूत्रों के मुताबिक, मधुपुर स्थित एचडीएफसी बैंक से अपराधियों ने 1 करोड़ 64 लाख 25 हजार 250 रुपये नकद और करीब ढाई किलो सोना आभूषण लूटे थे, जिन्हें 41 पैकेटों में बैंक के लॉकर में रखा गया था। लूटे गए आभूषणों की कुल कीमत लगभग 2.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा अपराधी दो ग्राहकों से साढ़े तीन लाख रुपये नकद भी लूटकर फरार हो गए थे।

इस संबंध में बैंक के शाखा प्रबंधक धीरज कुमार ने मधुपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

लालू पर बरसे सीएम नीतीश

कुछ लोग सिर्फ अपने परिवार के लिए काम करते हैं

वैशाली (एजेंसियां)। वैशाली जिले की आठ विधानसभा सीटों पर पहले चरण में 6 नवंबर को मतदान होना है। इसे लेकर एनडीए ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज वैशाली विधानसभा के प्रेमराज हाई स्कूल मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने जनता से जदयू उम्मीदवार सिद्धार्थ पटेल को विजयी बनाने की अपील की।

सभा के दौरान मुख्यमंत्री ने लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले वाले 15 साल में क्या हुआ, यह सब जानते हैं कोई काम नहीं होता था। लालू यादव ने खुद हटकर अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया। क्या कभी सुने हैं कि कोई अपने ही घर के सदस्य को मुख्यमंत्री बनाता है? हमने तो अपने परिवार के किसी सदस्य को कुछ नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने अपनी पत्नी, बेटे और बेटी सभी को राजनीति में उतार दिया।

नीतीश कुमार ने आगे कहा कि हम सबके लिए काम करते हैं। महिला हों या पुरुष, गरीब हों या अमीर, लेकिन कुछ लोग सिर्फ अपने परिवार के लिए काम करते हैं। 2005 से पहले अपराध अपने चरम पर था, हर जगह झगड़ा-झंझट होता था। जब हमें मौका मिला तो हमने बिहार में कानून का राज स्थापित किया।

मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार द्वारा वैशाली जिले में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी दी और लोगों से एक बार फिर जदयू उम्मीदवार को जिताने की अपील की। इस बीच सभा के दौरान एक ड्रोन उड़ने की घटना से हड़कंप मच गया। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने डंडे से ड्रोन गिरा दिया और उसे उड़ाने वाले युवक को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com